सूर्योदय 06:29 AM सूर्यास्त 05:41 PM

हिन्दी दैनिक

दिल्ली वार्ता

दिल्ली, गाजियाबाद व फरीदाबाद से प्रकाशित एवं दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब व राजस्थान में प्रसारित

facebook.com/delhivartanews x.com/delhivartanews instagram/vartanews

दिल्ली संस्करण | वर्ष 20 | अंक : 261 | नई दिल्ली, सोमवार, 26 अक्टूबर, 2026 | RNI No :- DELHIN/2008/23199 | पृष्ठ - 08, मूल्य ₹ 2, | www.delhivarta.com



एक नजर...

वोकल फॉर लोकल' से भारतीय उत्पादों को मिला वैश्विक बाजारः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि देश में 'वोकल फॉर लोकल' की भावना मजबूत हो रही है और भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजारों में नई पहचान मिल रही है। मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में त्योहारों के दौरान लोगों से स्थानीय कारीगरों के बनाए प्रोडक्ट को प्राथमिकता देने की अपील करते हुए कहा कि इससे उनकी मेहनत को प्रोत्साहन मिलेगा और आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि त्योहारों के इस मौसम में खरीदारी के दौरान लोग स्वदेशी प्रोडक्ट को ज्यादा महत्व देने लगे हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार के पूर्णिया का मखाना ग्रीस पहुंच रहा है, जबकि कर्नाटक के कलबुर्गी की अरहर दाल मालदीव जा रही है। इससे भारतीय किसानों के लिए दुनिया के विभिन्न बाजारों के दरवाजे खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने में गुणवत्ता के साथ-साथ उनकी पैकेजिंग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के आदिवासी समुदायों द्वारा तैयार उत्पादों की पैकेजिंग की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'शबरी नेचुरल्स' के माध्यम से शहद, महुआ, चिरौंजी और बांस से बने उत्पाद बाजार में लाए जा रहे हैं। इन उत्पादों की पैकेजिंग में आदिवासी कला की झलक दिखाई देती है और इसके लिए इसे जापान का प्रतिष्ठित 'गुड डिजाइन अवॉर्ड' भी मिला है। उन्होंने बताया कि कर्नाटक का एक बांस आधारित स्टार्टअप बांस और कृषि अवशेषों से पैकेजिंग सामग्री तैयार कर रहा है।

फारूक अब्दुल्ला के कश्मीर वाले बयान पर भड़के एनडीए नेता

नई दिल्ली। नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के जम्मू-कश्मीर को लेकर दिए गए बयान पर कई एनडीए नेताओं ने रविवार को पलटवार किया। एनडीए नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ केंद्र की कार्रवाई, अनुच्छेद 370 हटाने और पाकिस्तान को लेकर भारत के रुख का हवाला दिया।

पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति में बड़ा बदलाव आया है और वहां के लोग आतंकवाद नहीं बल्कि विकास चाहते हैं। उन्होंने कहा, "जम्मू-कश्मीर में कोई आतंकवादी नहीं बचा है। यह आतंकवाद से मुक्त हो गया है। वहां के लोग आतंकवाद नहीं चाहते हैं। वहां विकास हो रहा है और केंद्र सरकार इसे देश के बाकी हिस्सों के साथ एकीकृत करके विकसित करने का काम कर रही है। वहां के लोग भी खुश हैं। वहां के नेता केवल क्षेत्र को अलग रखकर राजनीति करना जानते हैं, लेकिन इस तरह की राजनीति अब नहीं चलेगी।"

वोट चुराया जा रहा, हम चुपचाप नहीं सहेंगेः राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्रों, युवाओं और किसान-मजदूरों से एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित कांग्रेस की रैली में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हमारा वोट चुराया जा रहा है और ये हम किसी हाल में चुपचाप नहीं सहेंगे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "हमारा वोट चुराया जा रहा है और ये हम किसी हाल में चुपचाप नहीं सहेंगे। मतदाता सूचियों से नाम काटे गए। नियम-कानून तोड़े गए। और सवाल पूछने वालों पर लाठियां चलीं। अब जवाब देश देगा।"

1 नवंबर के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए राहुल गांधी ने समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से राष्ट्रीय राजधानी में इकट्ठा होने की अपील की। उन्होंने पोस्ट में लिखा, "1 नवंबर – चलो दिल्ली। वोट बचाओ – देश बचाओ जन मार्च और महारैली। छात्र, किसान, मजदूर, महिलाएं, नौजवान और व्यापारी, जिस-जिस को लोकतंत्र की फिक्र है, वो जरूर आए। वोट आपका है। लड़ाई भी आपकी है।"

बैंकिंग सुरक्षा बेहद जरूरी : मोदी

पीएम मोदी ने भुवनेश्वर में किया आरबीआई के नए डेटा सेंटर का उद्घाटन

• भुवनेश्वर, एजेंसी

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में रविवार को भारतीय रिजर्व बैंक के नए डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन हुआ। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री का सम्मान किया गया।

उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भुवनेश्वर आज नए भारत को एक नया संस्थान दे रहा है। उन्होंने आरबीआई के डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान को महत्वपूर्ण बताते हुए इससे जुड़े सभी लोगों को बधाई दी।

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने लोगों को केंद्र में रखकर और तेजी से काम करने वाली बेहतर शासन व्यवस्था का मॉडल अपनाया है। उन्होंने कहा कि सरकार के लिए विकास का मतलब पूरे भारत का संतुलित विकास है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गांवों और छोटे शहरों में भी नए अवसर पैदा करना, दूर-दराज के इलाकों तक बेहतर संपर्क पहुंचाना और गरीब परिवारों को सम्मान के साथ



जीवन जीने का मौका देना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आज देश के एक्सप्रेसवे छोटे शहरों को भी जोड़ रहे हैं। एम्स जैसी स्वास्थ्य संस्थाओं का कई राज्यों में विस्तार किया गया है और छोटे शहरों में मेडिकल कॉलेज भी बनाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने 2014 से पहले की बैंकिंग व्यवस्था पर कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि उस समय 'फोन बैंकिंग' का एक अलग दौर था। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि दिल्ली में कांग्रेस के करीबी कुछ लोग हजारों करोड़ रुपये का बैंक कर्ज आसानी से हासिल कर लेते थे, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को बैंक खाता खोलने के लिए भी गारंटी की जरूरत पड़ती थी। उन्होंने कहा कि उस समय प्रभावशाली लोगों को हजारों करोड़ रुपये का कर्ज दिया गया। इसका असर देश के बैंकिंग क्षेत्र पर पड़ा और बैंकों पर फंसे हुए कर्ज यानी एनपीए का बोझ बढ़ गया।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत का बैंकिंग क्षेत्र दुनिया के मजबूत बैंकिंग क्षेत्रों में शामिल है। उन्होंने कहा कि पहले बैंकिंग सेवाओं का फायदा प्रभावशाली लोगों तक सीमित था, लेकिन आज डिजिटल बैंकिंग के जरिए देशभर के परिवार बैंकिंग सेवाओं का फायदा उठा रहे हैं।

पीएम मोदी ने ओडिशा का जिक्र करते हुए कहा कि यहीं की धरती से देश के एक पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा था कि दिल्ली से भेजे गए एक रुपये में से सिर्फ 15 पैसे ही लोगों तक पहुंचते हैं। उन्होंने कहा, 'अब जब दिल्ली से एक रुपया भेजा जाता है, तो पूरी राशि उस लाभार्थी के बैंक खाते में पहुंचती है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय डेबिट और क्रेडिट कार्ड को अमीर लोगों की चीज माना जाता था, लेकिन आज देश के हर नागरिक के लिए इनकी पहुंच आसान हुई है। देशभर में करोड़ों डेबिट और क्रेडिट कार्ड जारी किए गए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने 25 हजार करोड़ रुपये जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाए हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई दूसरी सरकार इतनी बड़ी रकम बांटने का ऐलान करती, तो कई महीनों तक इसका प्रचार होता। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के दौरान यह पैसा मुश्किल समय में गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों तक बिना किसी शोर-शराबे के पहुंच रहा है।

» शेष पेज 7 पर

युद्ध कहीं भी हो, असर पूरी दुनिया पर पड़ता हैः जयशंकर

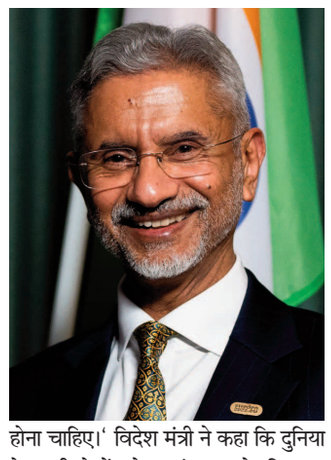
• नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को आतंकवाद और दुनिया में चल रहे संघर्षों को लेकर भारत का रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को 'राज्य की नीति के एक साधन' के तौर पर इस्तेमाल करना पूरी तरह गलत और अस्वीकार्य है। उन्होंने साफ कहा कि आतंकवाद को कभी सही नहीं ठहराया जा सकता।

नई दिल्ली में चिन्मय मिशन की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री ने दुनिया में शांति, बातचीत और आतंकवाद के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने की जरूरत पर बात की।

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद शांति के लिए एक बड़ा और गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि इसे किसी भी वजह से सही नहीं ठहराया जा सकता और न ही इसके लिए कोई तर्क दिया जा सकता है।

उन्होंने कहा, 'दुनिया को इस साझा खतरे के प्रति अधिक सतर्क और जागरूक होना चाहिए और आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों का मुकाबला करने के लिए अधिक दृढ़ संकल्प के साथ एकजुट



होना चाहिए।' विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया के सभी देशों को आतंकवाद के खिलाफ मिलकर और मजबूती से खड़ा होना होगा।

जयशंकर ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि इतिहास से कई सबक मिलने के बावजूद कुछ देश अब भी राजनीतिक फायदे और नुकसान को ज्यादा महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का खतरा इसलिए बना हुआ है क्योंकि सभी देश इस समस्या के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' का रवैया नहीं अपनाते।

» शेष पेज 7 पर

2029 तक भारत में होंगे 4 लांच साइट्सः इसरो चीफ

• नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा है कि 2029 तक देश में चार प्रक्षेपण स्थल चालू हो जाएंगे, जिससे भारत की अंतरिक्ष संबंधी गतिविधियों में काफी विस्तार होगा। नारायणन ने इसरो की भविष्य की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर उपग्रहों के प्रक्षेपण की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले के कुलसेकरपट्टिनम में 2,000 एकड़ में लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के लिए एक अलग परिसर विकसित किया जाएगा। नारायणन ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो का निजीकरण नहीं किया जाएगा।

हालांकि, उन्होंने कहा कि देश और दुनिया में हजारों उपग्रहों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए निजी कंपनियों के साथ साझेदारी जरूरी है। उन्होंने शनिवार को यहां एक निजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कहा, ''अंतरिक्ष क्षेत्र की बढ़ती गतिविधियों को संभालने के लिए इसरो स्टार्टअप और निजी कंपनियों को सहयोग देगा तथा उन्हें प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता उपलब्ध कराएगा, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और उच्च प्रौद्योगिकी वाले क्षेत्रों में हजारों नौकरियां पैदा होंगी।'' नारायणन ने कहा, ''2029 तक भारत के पास चार चालू प्रक्षेपण स्थल होंगे और अंतरिक्ष संबंधी गतिविधियों में काफी विस्तार होगा। वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए निजी उद्योगों के साथ साझेदारी पर निर्भरता भी बढ़ेगी।'' इसरो प्रमुख ने बताया कि कुलसेकरपट्टिनम में बनने वाले अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र में ऐसी इमारतें होंगी, जहां रॉकेट के अलग-अलग हिस्सों, उपकरणों और प्रणालियों को जोड़कर प्रक्षेपण के लिए तैयार किया जाएगा।

इसके अलावा, वहां प्रक्षेपण स्थल, रेल पटरियों की व्यवस्था तथा आंकड़े प्राप्त करने, निगरानी और नियंत्रण से जुड़ी महत्वपूर्ण सुविधाएं भी होंगी। हालांकि, उन्होंने अन्य तीन प्रस्तावित प्रक्षेपण स्थलों के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि इसरो अगले दो महीने में गगनयान मिशन का पहला मानवरहित परीक्षण करने की योजना बना रहा है।

इसके बाद अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने से पहले दो और मानवरहित परीक्षण किए जाएंगे। नारायणन ने कहा, ''इन परीक्षणों में अलग-अलग दबाव, तापमान और आर्द्रता की परिस्थितियों में वातावरण ...

» शेष पेज 7 पर



एयर शो

वाराणसी में रविवार को नमो घाट पर वायुसेना दिवस-2026 के हवाई प्रदर्शन कार्यक्रम में पीएम मोदी को स्मृति चिन्ह भेंट करते वायुसेना प्रमुख एपी सिंह।

फोटो साभार : पीआईबी

लद्दाख बना देश का पहला 100 प्रतिशत जैविक केंद्र शासित प्रदेश

• लद्दाख, एजेंसी

लद्दाख के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने रविवार को लद्दाख को ''भारत का पहला 100 प्रतिशत जैविक केंद्र शासित प्रदेश'' घोषित किया। प्रशासन ने कुछ महीने पहले ही कृषि कार्यों में रासायनिक और कृत्रिम उर्वरकों की बिक्री, वितरण और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। उपराज्यपाल ने कहा, ''यह लद्दाख और पूरे देश के लिए बहुत गर्व का क्षण है।

हमारे किसानों ने साबित कर दिया है कि सबसे कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार खेती की जा सकती है।'' उन्होंने कहा, ''पूरी तरह से जैविक केंद्र शासित प्रदेश बनना केवल एक उपलब्धि नहीं है; बल्कि यह हमारे नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करने, पारंपरिक खेती के तरीकों को सहेजने और



हमारे किसानों की आजीविका बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता भी है।'' उपराज्यपाल ने जुलाई में एक बड़े नीतिगत कदम के तहत पूरे लद्दाख में कृषि कार्यों के लिए रासायनिक और कृत्रिम उर्वरकों की खरीद, वितरण, बिक्री, विपणन और इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। प्रशासन ने मार्च में ही गांवों के किसानों के बीच जैविक उर्वरकों का वितरण शुरू कर दिया था ताकि बुवाई के मौसम से पहले ये समय पर उपलब्ध हो सकें।

वाराणसी में आईएएफ का एयर शो, पीएम मोदी ने नमो घाट पर देखा शानदार हवाई प्रदर्शन

• नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के नमो घाट पहुंचे, जहां उन्होंने भारतीय वायुसेना के एयर शो में आस्था और देशभक्ति का शानदार मेल देखा। वायुसेना के 94वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित इस एयर शो में पीएम मोदी वायुसेना की टोपी और काला चश्मा पहने नजर आए। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे।

वायुसेना के अधिकारियों ने बताया कि एयर शो के दौरान तीन किरण विमानों ने अंग्रेजी के अक्षर 'वी' के आकार में उड़ान भरी। इस दौरान आसमान में तिरंगे के रंगों की खूबसूरत छटा दिखाई दी। वहीं, एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर ने 'ओंकार' की आकृति बनाते हुए राष्ट्रीय ध्वज के साथ उड़ान भरी। प्रधानमंत्री मोदी एयर शो के तीसरे और आखिरी दिन



एयर शो में शामिल के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नमो घाट पहुंचे थे। उनके पहुंचने पर काशी के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

वायुसेना के अधिकारियों के मुताबिक, हवाई प्रदर्शन में सुखोई-30 एमकेआई और स्वदेशी तेजस जैसे लड़ाकू विमानों ने भी हिस्सा लिया। सूर्य किरण हवाई करतब दल ने आसमान में अलग-अलग आकृतियां बनाते हुए शानदार और एक साथ उड़ान का प्रदर्शन किया। वहीं, सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन दल ने भी अपने हवाई करतबों से दर्शकों का दिल जीत लिया।

होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी के मिर्जामुराद क्षेत्र में अरविंद लिमिटेड की नई परिधान बनाने वाली इकाई का उद्घाटन किया।अधिकारियों के मुताबिक, इस परियोजना का मकसद क्षेत्र में उद्योग को बढ़ावा देना और भारत में कपड़े और परिधान बनाने के काम को मजबूत करना है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने 300 महिलाओं से बातचीत भी की।

अधिकारियों ने बताया कि नई इकाई से खास तौर पर महिलाओं के लिए रोजगार के मौके बढ़ने और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही, वाराणसी में बने कपड़ों को विदेशी ग्राहकों तक पहुंचाने में भी इस इकाई की अहम भूमिका हो सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी रविवार सुबह वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए मिर्जामुराद गए और परिधान बनाने वाली इकाई का उद्घाटन किया। इसके बाद वह हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन पहुंचे और वहां से सड़क के रास्ते नमो घाट गए। भाजपा के एक पदाधिकारी ने बताया कि पुलिस लाइन से नमो घाट जाते समय रास्ते में जगह-जगह प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत किया गया।

बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं और काशी के लोगों ने गुलाब की पंखुड़ियां बरसाईं। पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाए गए और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए प्रधानमंत्री का स्वागत किया गया। सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों ने 'हर हर महादेव' और 'जय श्री राम' के नारे लगाए। मोदी ने भी वाहन के पायदान पर खड़े होकर हाथ हिलाते हुए लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

पदाधिकारी के मुताबिक, पुलिस लाइन के मुख्य द्वार, पुलिस लाइन चौराहे, खजूरी-मकबूल आलम रोड पर यस बैंक के सामने, हुकुलगंज तिराहे, चौकाघाट लकड़ी मंडी, सिटी स्टेशन के सामने, गोलगड्डा चौराहा रेल अंडरपास और नमो घाट मोड़ स्थित सीएनजी केंद्र के सामने भाजपा कार्यकर्ताओं और काशी के लोगों ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

तीसरी आंख

मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण के दौरान हंगामा, विवादित बयान से मचा बवाल

• पटना, एजेंसी

बिहार के पटना में रविवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण के दौरान हंगामा हो गया। वह डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति के साथ उनकी तीखी बहस होने की बात सामने आई।

कार्यक्रम में मौजूद एक व्यक्ति ने कहा कि पीएम मोदी कहीं नहीं जाएंगे। इस पर खड़गे ने कथित तौर पर जवाब दिया, 'मोदी का बाप भी जाएगा।' उनके इस बयान को लेकर कार्यक्रम में माहौल गरमा गया।

पटना के बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में खड़गे ने आरएसएस की विचारधारा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर आज आरएसएस के बारे में बात की जाती है तो लोग इसे अलग-अलग तरह से समझ सकते हैं। खड़गे ने आरोप लगाया कि आरएसएस की स्थापना के समय से ही वह ऐसी गतिविधियों में शामिल रहा है, इसलिए उसकी आलोचना की जाती है।

खड़गे ने कहा, 'जब तक इस देश में आरएसएस की विचारधारा रहेगी, तब तक शांति नहीं होगी।' उन्होंने कहा कि डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की सोच के मुताबिक देश में शांति और भाईचारा जरूरी है।

खड़गे ने कहा कि सभी लोग डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती पर उन्हें याद करने के लिए एकत्र हुए हैं। उन्होंने डॉ. श्रीकृष्ण सिंह को आधुनिक बिहार में लोकतंत्र को मजबूत करने वाला नेता बताया। खड़गे ने कहा कि उन्होंने कमजोर



वर्गों को आगे बढ़ाने और जमींदारी व्यवस्था खत्म करने में बड़ी भूमिका निभाई।

खड़गे ने कहा कि डॉ. श्रीकृष्ण सिंह ने बिहार में कृषि, उद्योग, शिक्षा और सिंचाई के विकास से जुड़े कई कामों को आगे बढ़ाया। उनके मुख्यमंत्री रहते जमींदारी व्यवस्था खत्म की गई, जमीन से जुड़े सुधारों पर काम शुरू हुआ और चकबंदी कानून लागू किया गया। खड़गे ने कहा कि डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के समय बरौनी तेल रिफाइनरी, खाद कारखाना और ताप बिजली संयंत्र स्थापित किए गए। इसी दौर में सिंदरी खाद कारखाना और राजेंद्र पुल का भी निर्माण हुआ। उन्होंने कहा कि उस दौर में कई विदेशी अर्थशास्त्रियों ने बिहार को देश के सबसे अच्छे प्रशासन वाले राज्यों में माना था। खड़गे ने कहा कि आजादी के बाद देश को अनाज की कमी समेत कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उनके मुताबिक, उस समय आरएसएस और उससे जुड़े संगठनों पर दंगे भड़काने का आरोप लगाया गया।

उन्होंने डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के 1950 के एक कथन का भी जिक्र किया। खड़गे के मुताबिक, श्रीकृष्ण सिंह ने कहा था कि बिहार में सांप्रदायिक शांति बनाए रखना जरूरी है और सांप्रदायिक सोच लोकतंत्र के लिए खतरा है। खड़गे ने कहा कि डॉ. श्रीकृष्ण सिंह ने आरएसएस की विचारधारा को देश की शांति के लिए खतरा माना था।

खड़गे ने कहा कि डॉ. श्रीकृष्ण सिंह ने छुआछूत के खिलाफ अभियान चलाया था। उन्होंने देवघर के प्रसिद्ध बाबा धाम में दलितों और पिछड़े वर्गों के लोगों पर लगी रोक को खत्म किया था। खड़गे ने आरोप लगाया कि आज भी भाजपा और आरएसएस में ऐसे लोग मौजूद हैं जो संविधान के खिलाफ हैं और छुआछूत की सोच रखते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जमीन डॉ. श्रीकृष्ण सिंह जैसे नेताओं की विचारधारा वाली रही है, लेकिन नीतीश कुमार भाजपा के साथ चले गए हैं।

» शेष पेज 7 पर

संक्षिप्त खबरें

कोहरे के कारण दिसंबर से फरवरी तक चुनिंदा दिनों निरस्त रहेगी अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस



अजमेर, एजेंसी। सर्दियों के आगमन के साथ ही कोहरे के बीच ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने और यात्रियों की सुरक्षा के लिए पूर्व रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है। रेल प्रशासन ने अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस और सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस का परिचालन दिसंबर से फरवरी तक चुनिंदा दिनों के लिए पूरी तरह रद्द कर दिया है। पटरियों पर गाड़ियों की रफ्तार पर ब्रेक न लगे, इसी उद्देश्य से पूर्व रेलवे ने दोनों दिशाओं की इन गाड़ियों के फेरों को स्थगित करने का फैसला किया है। इसके तहत गाड़ी संख्या 12988 अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस और गाड़ी संख्या 12987 सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस निर्धारित तिथियों पर नहीं चलेंगी। पूर्व रेलवे की ओर से जारी नई समय-सारिणी के अनुसार, गाड़ी संख्या 12988 अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस दिसंबर से फरवरी तक प्रत्येक सप्ताह मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को रद्द रहेगी। यह ट्रेन दिसंबर माह में कुल 14 दिन, जनवरी में 13 दिन और फरवरी में 12 दिन नहीं चलेगी। इसी प्रकार, वापसी दिशा में चलने वाली गाड़ी संख्या 12987 सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस दिसंबर 2026 से फरवरी 2027 के मध्य तय तिथियों पर रद्द रहेगी। यह ट्रेन भी इन तीनों महीनों में 12 से 14 दिनों तक पटरी से नदारद रहेगी। दिसंबर की शुरुआत से ही दोनों ट्रेनों की सेवाओं में यह कटौती प्रभावी हो जाएगी। सर्दियों के मौसम में रेलवे के इस निर्णय से राजस्थान और बंगाल के बीच सफर करने वाले यात्रियों की परेशानियां बढ़ सकती हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने यात्रियों से विशेष अपील की है। रेलवे ने यात्रियों से कहा है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाने से पहले ट्रेनों की अद्यतन स्थिति अवश्य जांच लें। अद्यतन स्थिति जांचने से यात्री किसी भी तरह की असुविधा से बच सकेंगे।

क्रिप्टो-ट्रेडिंग मामले में जयपुर से अपहृत बीबीए छात्र भिवानी से सकुशल मुक्त, दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, एजेंसी। जयपुर के प्रताप नगर थाना पुलिस ने क्रिप्टो-ट्रेडिंग मामले में महाराष्ट्र निवासी बीबीए छात्र का अपहरण कर सात लाख रुपये की फिरौती मांगने वाले दो बदमाशों को हरियाणा के भिवानी से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तकनीकी इनपुट और मोबाइल लोकेशन की मदद से भिवानी जिले के ईसरवाल गांव में दबिश देकर बंधक बनाए गए छात्र को सकुशल मुक्त कराया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान नवीन (24) और भागीरथ उर्फ मंगल (28) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी भिवानी के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, महाराष्ट्र के नासिक निवासी नील किशोर घेटिया जयपुर में रहकर बीबीए की पढ़ाई कर रहा है। वह अपनी अतिरिक्त कमाई के लिए यूएसडीटी ट्रेडिंग का काम भी करता था। इसी दौरान टेलीग्राम के जरिये उसकी पहचान जयपुर निवासी रजत नाम के युवक से हुई। रजत जयपुर में यूएसडीटी का पैनल चलाता था। रजत के बुलाने पर छात्र 5 अक्तूबर को जयपुर रेलवे स्टेशन पहुंचा था। वहां से उसे एक फ्लैट पर ले जाया गया, जहां हरियाणा निवासी नवीन को भी बुलाया गया। नवीन ने यूएसडीटी खरीदने के उद्देश्य से छात्र को सात लाख रुपये दिए थे। छात्र ने यह रकम हस्तांतरित करने के लिए अपने एक परिचित को आगे बढ़ाई, लेकिन किसी कारण से लेन-देन पूरा नहीं हो पाया और रकम बीच में ही अटक गई। इसके बाद नवीन अपने रुपये वापस मांगने लगा, जिसे लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। रकम न मिलने से नाराज आरोपियों ने छात्र को फ्लैट के एक कमरे में बंद कर दिया और उसके साथ मारपीट की। छात्र कई दिनों तक उनके पास बंधक रहा। 15 अक्तूबर की रात करीब 11 बजे आरोपी छात्र को जबरन एसयूवी में बैठाकर हरियाणा के भिवानी जिले के ईसरवाल गांव ले गए। वहां एक मकान की पहली मंजिल पर उसे फिर से बंधक बनाकर रखा गया और प्रताड़ित किया गया।

भिवाड़ी में प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग, आधे घंटे में पूरा प्लांट जलकर राख, लाखों का नुकसान



अलवर, एजेंसी। राजस्थान के भिवाड़ी स्थित खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में रविवार सुबह प्लास्टिक उत्पाद बनाने वाली मल्टी स्पेशलिटी कंपनी में भीषण आग लग गई। प्लॉट नंबर एफ-621 पर संचालित फैक्ट्री में सुबह करीब 10:30 बजे अज्ञात कारणों से आग लगी। कंपनी में प्लास्टिक उत्पादों के साथ बड़ी मात्रा में केमिकल मौजूद होने के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। देखते ही देखते आग पूरे प्लांट में फैल गई और करीब आधे घंटे के भीतर फैक्ट्री का पूरा प्लांट जलकर राख हो गया। हादसे में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। आग लगने की सूचना मिलते ही खुशखेड़ा स्थित रीको फायर स्टेशन को सूचित किया गया। इसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। आग की भयावहता को देखते हुए भिवाड़ी नगर परिषद और रीको फायर स्टेशन के साथ आसपास के क्षेत्रों से भी दमकल की गाड़ियां बुलाई गईं। मौके पर एक दर्जन से अधिक दमकल गाड़ियां आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटीं रहीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में प्लास्टिक के उत्पाद बनाए जाते थे। उत्पादन प्रक्रिया में केमिकल का भी इस्तेमाल होता था। कंपनी परिसर में प्लास्टिक और केमिकल की बड़ी मात्रा मौजूद होने के कारण आग तेजी से फैल गई। कुछ ही देर में आग की लपटों ने पूरे प्लांट को अपनी चपेट में ले लिया। आग बुझाने के लिए दमकलकर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। आग से उठने वाले काले धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई दिया। धुएं और आग की ऊंची लपटों को देखकर आसपास के औद्योगिक क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग की तीव्रता को देखते हुए दमकलकर्मियों ने आग बुझाने के साथ-साथ आसपास की अन्य औद्योगिक इकाइयों को सुरक्षित रखने पर भी ध्यान केंद्रित किया। खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में फैक्ट्रियां एक-दूसरे के नजदीक स्थित हैं। ऐसे में आग के आसपास की औद्योगिक इकाइयों तक फैलने का खतरा बना हुआ था। इसे देखते हुए दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने के साथ आसपास के प्लांटों को इसकी चपेट में आने से बचाने के प्रयास किए। आग की भयावहता को देखते हुए अतिरिक्त दमकल वाहनों को भी मौके पर बुलाया गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। दमकलकर्मी लगातार आग बुझाने में जुटे रहे।

जैसलमेर को मिली हवाई कनेक्टिविटी की सौगात, लेकिन शनिवार-रविवार को यात्रियों की बढ़ेगी परेशानी

जैसलमेर, एजेंसी। जैसलमेर में आज 25 अक्तूबर से विंटर शेड्यूल हवाई सेवाओं की शुरुआत होने जा रही है। पहले दिन एयर इंडिया की विशेष उड़ान दिल्ली से जैसलमेर पहुंचेगी। इसके साथ ही, 26 अक्तूबर से इंडिगो भी दिल्ली और मुंबई के लिए अपनी उड़ानों का संचालन शुरू करेगी। स्वर्णनगरी का हवाई संपर्क दोबारा बहाल होने से स्थानीय पर्यटन कारोबार को नई उम्मीद मिली है। एयर इंडिया 25 अक्तूबर को दिल्ली-जैसलमेर मार्ग पर विशेष उड़ान संचालित करेगी और 26 अक्तूबर से अपना नियमित कार्यक्रम लागू करेगी। एयर इंडिया दिल्ली और जैसलमेर के बीच दो उड़ानों का संचालन करेगी, जिससे यात्रियों को दिन में यात्रा के बेहतर विकल्प मिलेंगे। एयर इंडिया 31 अक्तूबर से सप्ताहांत सहित पूरे सप्ताह दिल्ली और मुंबई दोनों शहरों के लिए लगातार हवाई सेवाएं उपलब्ध कराएगी। दूसरी ओर, इंडिगो 26 अक्तूबर से दिल्ली और मुंबई के लिए सप्ताह में केवल पांच दिन उड़ानों का संचालन करेगी। इंडिगो की ओर से शनिवार और रविवार को उड़ानों का संचालन नहीं करने से पर्यटन व्यवसायियों की चिंता बढ़ गई है। सप्ताहांत की छुट्टियों में जैसलमेर आने वाले पर्यटकों को इंडिगो की उड़ानों की सुविधा नहीं मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। पर्यटन सीजन के दौरान दिल्ली और मुंबई से नियमित हवाई संपर्क मिलने से होटल, रिसॉर्ट, ट्रैवल एजेंसी और टैक्सी व्यवसाय से जुड़े लोगों को कारोबार बढ़ने की उम्मीद है।

पंचायत चुनाव में टूटा वोटिंग का रिकॉर्ड , पिछले चुनावों के मुकाबले 1.77 फीसदी ज्यादा पड़े वोट

• जयपुर, एजेंसी।



राजस्थान में पंचायत चुनाव के पहले चरण में सरपंच पद के लिए मतदाताओं ने पिछले चुनाव के मुकाबले ज्यादा उत्साह दिखाया। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह के अनुसार, इस बार सरपंच चुनाव में अंतिम मतदान प्रतिशत 83.05 रहा, जबकि पिछले चुनाव में 81.28 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस तरह मतदान में 1.77 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पहले चरण में 16 जिलों की 104 पंचायत समितियों की 3,255 ग्राम पंचायतों में मतदान हुआ। कुल 83,20,260 मतदाताओं में से 69,09,790 ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। मतदान के दौरान सुबह से ही वोट डालने का सिलसिला जारी रहा।

सुबह 10 बजे तक 19.40 प्रतिशत, दोपहर एक बजे तक 44.97 प्रतिशत और दोपहर तीन बजे तक 62.02 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। शाम छह बजे तक यह आंकड़ा 80.22 प्रतिशत पहुंचा। इसके बाद मतदान केंद्रों पर कतार में लगे मतदाताओं को वोट डालने का मौका दिया गया, जिससे अंतिम मतदान प्रतिशत बढ़कर 83.05 हो गया। जिलेवार आंकड़ों में झालावाड़ 90.32 प्रतिशत मतदान के साथ सबसे आगे रहा। बाड़मेर में 90.24 प्रतिशत, फलोदी में 88.48 प्रतिशत, बीकानेर में 88.11 प्रतिशत और जयपुर में 86.56 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसके उलट पाली में सबसे कम 64.57 प्रतिशत मतदान हुआ। सिरोही में 68.93 प्रतिशत, राजसमंद में 76.58 प्रतिशत और डूंगरपुर में 81.33 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। पंचायत समितियों में बाड़मेर की सेड़वा में सबसे ज्यादा 93.03 प्रतिशत मतदान हुआ।

झालावाड़ की मनोहरथाना में 92.92 प्रतिशत, बाड़मेर की मांगता में 91.91 प्रतिशत, लीलसर में 91.81 प्रतिशत और धनाऊ में 91.68 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। सबसे कम मतदान सिरोही की कालंद्री पंचायत समिति में 57.35 प्रतिशत रहा। पाली की रानी स्टेशन में 57.63 प्रतिशत, मारवाड़ जंक्शन में 63.67 प्रतिशत, सुमेरपुर में 64.17 प्रतिशत और सिरोही की शिवगंज पंचायत समिति में 65.22 प्रतिशत मतदान हुआ।

आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा मतदान वाली पंचायत समितियों में बाड़मेर की कई समितियां शामिल रहीं। वहीं, कम मतदान वाली पांच समितियों में से तीन पाली और दो सिरोही जिले की हैं। पहले चरण में 22 अक्टूबर को जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव में करीब 63 प्रतिशत मतदान हुआ था।

राजस्थानः पूर्व विधायक अतरसिंह हत्याकांड, मुख्य आरोपी मुकेश ने अफवाह फैलाकर भीड़ को उकसाया था

• भरतपुर, एजेंसी।



पूर्व विधायक अतरसिंह भड़ाना हत्याकांड के मुख्य षड्यंत्रकर्ता मुकेश फौजी ने पुलिस पूछताछ में बड़ा खुलासा किया है। आरोपी ने वारदात से पहले गांव में ग्रामीणों के फायरिंग में घायल होने की अफवाह फैलाकर भीड़ को उकसाया था। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी मुकेश फौजी ने बताया कि उसने 11 अक्तूबर की शाम अपने साथियों को भैरव मंदिर की पहाड़ी पर भेजा था। साथियों ने पूर्व विधायक अतरसिंह भड़ाना के माइंस पर मौजूद होने की जानकारी दी। इसके बाद मुकेश ने गांव में यह झूठी खबर फैला दी कि पूर्व विधायक की तरफ से हुई गोलीबारी में चार-पांच ग्रामीण घायल हो गए हैं। इस अफवाह से ग्रामीण उग्र हो गए और बड़ी संख्या में माइंस पर पहुंचकर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल पूर्व विधायक की जयपुर ले जाते समय मौत हो गई।

पुलिस का मानना है कि पूछताछ आगे बढ़ने पर इस मामले में कई और अहम खुलासे हो सकते हैं। मामले के अनुसंधान अधिकारी ने 22 अक्तूबर को दिल्ली पहुंचकर पूर्व विधायक की पत्नी कमलेश भड़ाना के बयान दर्ज किए। स्वास्थ्य कारणों और बोलने में असमर्थता के चलते पुलिस ने उनके बयान लिखित रूप में लिए। पीड़ित परिवार ने पुलिस को घटना से जुड़ी डीवीआर भी सौंपी है। पत्नी कमलेश ने अपने बयानों में प्राथमिक रिपोर्ट में दर्ज घटनाक्रम को ही दोहराया है। परिजनों के अनुसार वारदात के दौरान हमलावर पूर्व विधायक के साथ बेरहमी से मारपीट कर रहे थे। पति को बचाने के लिए आगे आईं पत्नी कमलेश के साथ भी हमलावरों ने धक्का-मुक्की और मारपीट की थी। पुलिस ने शनिवार को ही पांच-पांच हजार रुपये के दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए आरोपियों में भरतपुर निवासी 35 वर्ष के राधाकिशन उर्फ पप्पी और 34 वर्ष के हेमसिंह शामिल हैं। इस सनसनीखेज वारदात में पुलिस अब तक कुल 19 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। इससे पहले, लापरवाही बरतने के आरोप में वैर थानाधिकारी और टीआइ कांस्टेबल को निलंबित किया जा चुका है, जबकि दो आरपीएस अधिकारियों को एपीओ किया गया है।

18 लाख का पैकेज, शानदार करियर... फिर क्यों वैराग्य की राह पर चले गौरव जैन?



• अजमेर, एजेंसी।

राजस्थान के केकड़ी के समीपवर्ती जूनिया गांव निवासी 24 वर्षीय गौरव जैन ने सांसारिक जीवन त्यागकर वैराग्य के मार्ग पर चलने का निर्णय लिया है। आईआईटी से पढ़ाई पूरी करने के बाद गौरव हरियाणा के गुरुग्राम स्थित एक मल्टी-नेशनल कंपनी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। उन्हें सालाना 18 लाख रुपये का पैकेज मिल रहा था। कंपनी में करीब 16 महीने तक सेवाएं देने के बाद अब उन्होंने आकर्षक नौकरी और कॉर्पोरेट करियर छोड़कर धर्म और अध्यात्म का मार्ग अपनाने का संकल्प लिया है। आईआईटी से शिक्षा प्राप्त करने वाले गौरव जैन अब आजीवन ब्रह्मचर्य का व्रत धारण करने जा रहे हैं। इसके बाद वे संत सुधा सागर महाराज के संघ में शामिल होंगे। अच्छी नौकरी, आकर्षक वेतन और कॉर्पोरेट करियर की सुविधाएं होने के बावजूद गौरव का झुकाव अध्यात्म की ओर बढ़ा। इसी के चलते उन्होंने सांसारिक जीवन से विरक्ति लेकर वैराग्य के मार्ग पर आगे बढ़ने का निर्णय लिया। गौरव जैन के वैराग्य धारण करने की प्रक्रिया के तहत शनिवार को राजस्थान के कोटा शहर में उनकी गोदभराई की रस्म आयोजित की गई। यह कार्यक्रम कोटा स्थित पद्मप्रभु दिगंबर जैन मंदिर के अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन के आवास पर हुआ।

कहीं तीन वोट से जीत, कहीं हजार से ज्यादा का अंतर; सरपंच चुनाव में दिखे दिलचस्प मुकाबले

• जयपुर, एजेंसी।



राजस्थान में पंचायत चुनाव के सरपंच पद के नतीजों में कई जगह कांटे की टक्कर देखने को मिली, तो कुछ ग्राम पंचायतों में विजेताओं ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की। उपलब्ध परिणामों में सबसे दिलचस्प मुकाबला जयपुर की झोटवाड़ा पंचायत समिति की दुर्जनियावास ग्राम पंचायत में रहा, जहां मंजू ने महज तीन वोट से सरपंच पद का चुनाव जीता।

झोटवाड़ा पंचायत समिति की दुर्जनियावास ग्राम पंचायत में सरपंच पद के लिए मंजू और सयारी देवी के बीच मुकाबला रहा। मंजू को 511 वोट मिले, जबकि सयारी देवी को 508 वोट मिले। इस तरह मंजू ने तीन वोट के अंतर से जीत दर्ज की। सांभरलेक पंचायत समिति की हाचूकड़ा ग्राम पंचायत में पोखरमल यादव ने शमीम मोहम्मद को 12 वोट से हराया। खेड़ी राम ग्राम पंचायत में राजू लाल 22 वोट से सरपंच चुने गए। वहीं, जोबनेर पंचायत समिति की बस्सी झाझड़ा ग्राम पंचायत में एकता शर्मा ने 24 वोट से जीत दर्ज की। जोबनेर पंचायत समिति की बाबरवालों की ढाणी ग्राम पंचायत में शीला कुमावत ने सरपंच पद का चुनाव बड़े अंतर से जीता। ओबीसी महिला के लिए आरक्षित इस सीट पर शीला को 1,939 वोट मिले, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी ममता को 567 वोट मिले। शीला ने 1,372 वोटों से जीत दर्ज की। जोबनेर पंचायत समिति की हिंगोनिया ग्राम पंचायत में संपत देवी ने 1,248 वोटों से जीत हासिल की। आसलपुर ग्राम पंचायत में विमला 1,053 वोटों से सरपंच चुनी गईं।

झोटवाड़ा पंचायत समिति की कालवाड़ ग्राम पंचायत में नरेंद्र कुमार मीणा ने 857 वोटों से जीत दर्ज की, जबकि पचार ग्राम पंचायत में राजेश कुमार 934 वोटों के अंतर से विजयी रहे। जोबनेर पंचायत समिति की ढिंढा ग्राम पंचायत में जयकुमार कुमावत ने 567 वोटों से जीत दर्ज की। भैंसावा में सुंदरी देवी 736 वोटों से सरपंच चुनी गईं, जबकि भगवतपुरा में बलवंत चौधरी ने 359 वोटों से जीत हासिल की।

केकड़ी के मेवदाकलां में फर्जी वोटिंग के आरोप पर हंगामा, पुलिस-ग्रामीणों में झड़प



• अजमेर, एजेंसी।

राजस्थान में पंचायत चुनाव के दौरान केकड़ी पंचायत समिति के अंतर्गत आने वाले ग्राम मेवदाकलां में फर्जी वोटिंग के आरोपों को लेकर हंगामा हो गया। ग्रामीणों ने मतदानकर्मियों की मिलीभगत से फर्जी मतदान कराए जाने का आरोप लगाते हुए विरोध जताया।

इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने ग्रामीणों को मौके से खदेड़ा। ग्रामीणों ने एक महिला पर फर्जी वोटिंग करने का आरोप लगाया। हंगामे के बाद पुलिस ने ग्रामीणों से समझाइश कर मामला शांत कराया। वहीं, छुटपुट घटनाओं को छोड़कर केकड़ी पंचायत समिति की सभी 22 ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। क्षेत्र में कुल 83.42 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

केकड़ी पंचायत समिति की 22 ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए कुल 83 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इन सभी केंद्रों पर मतदान संपन्न हुआ। 76,753 में से 64,027 मतदाताओं ने वोट डाले। इस तरह क्षेत्र में 83.42 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में खासा उत्साह देखने को मिला। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लगी रहीं। सरपंच पद के प्रत्याशी और उनके समर्थक भी मतदाताओं से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील करते नजर आए। लोकतंत्र के इस उत्सव में बुजुर्गों और दिव्यांगों ने भी उत्साह के साथ भागीदारी निभाई। कई दिव्यांग मतदाता परिजनों के कंधों का सहारा लेकर मतदान केंद्रों तक पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं, केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम ने ग्राम देवगांव में मतदान किया।

मतदान के दौरान मतदाता सूची और पहचान पत्रों से जुड़ी कुछ विसंगतियां भी सामने आईं। सावर में 40 वर्षीय मुकेश भील ने मतदान किया, लेकिन उनके मतदाता पहचान पत्र में उम्र 103 वर्ष दर्ज थी। इसी तरह मतदाता सूची में एक पुरुष मतदाता की प्रविष्टि में महिला की तस्वीर मुद्रित मिली। इन घटनाओं ने मतदान संबंधी रिकॉर्ड की शुद्धता पर सवाल खड़े किए।

हनुमान बेनीवाल की छोटी भाभी बनीं सरपंच, बड़ी भाभी को 149 वोटों से हराया

• नागौर, एजेंसी।



राजस्थान में पंचायत चुनाव के पहले चरण के नतीजे सामने आने लगे हैं। नागौर जिले के बरणगांव में सरपंच पद का चुनाव खास चर्चा में रहा। यहां राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के सांसद हनुमान बेनीवाल की दो भाभियां आमने-सामने थीं। खास बात यह है कि दोनों देवरानी-जेठानी होने के साथ-साथ सगी बहनें भी हैं। इस मुकाबले में राजबाला बेनीवाल ने जीत दर्ज की, जबकि मीरा बेनीवाल को हार का सामना करना पड़ा।

बरणगांव में हनुमान बेनीवाल के भाई प्रेमसुख बेनीवाल की पत्नी राजबाला बेनीवाल ने सरपंच पद का चुनाव जीत लिया। वहीं, उनके दूसरे भाई और पूर्व सरपंच रामप्रसाद बेनीवाल की पत्नी मीरा बेनीवाल चुनाव हार गईं। खबर के अनुसार, राजबाला ने 149 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की, जबकि मीरा को केवल 21 वोट मिले। बरणगांव में सरपंच पद के लिए कुल छह उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें पपीता को 440, पिस्ता को 109, राजबाला को 982 और अन्नपूर्णा को 97 वोट मिले। चुनाव में आठ मतदाताओं ने नोटा का इस्तेमाल किया, जबकि 62 वोट निरस्त घोषित किए गए। इस चुनाव को लेकर गांव में खास चर्चा रही, क्योंकि रामप्रसाद बेनीवाल करीब 25 साल तक बरणगांव के सरपंच रह चुके हैं। ऐसे में उनकी पत्नी मीरा बेनीवाल की हार और परिवार की दूसरी बहू राजबाला बेनीवाल की जीत पर लोगों की नजरें टिकी थीं।

सरपंच पद के लिए महिला प्रत्याशी मैदान में थीं और मुख्य मुकाबला दोनों बहनों के बीच माना जा रहा था। अपने पैतृक गांव बरणगांव में हुए इस चुनाव में सांसद हनुमान बेनीवाल ने प्रचार से दूरी बनाए रखी। उन्होंने दोनों में से किसी भी भाभी के पक्ष में खुलकर प्रचार नहीं किया। इसके बावजूद गांव के इस चुनाव की चर्चा नागौर जिले से बाहर भी रही।

पंचायतीराज चुनाव

पहले चरण में सरपंचों के नतीजे आने शुरू, अब दूसरे चरण के मतदान की तैयारी

• जयपुर, एजेंसी।



राजस्थान में पंचायतीराज चुनाव के पहले चरण में सरपंच और वार्ड पंच के लिए मतदान पूरा होने के बाद शनिवार शाम से नतीजे आने शुरू हो गए। प्रदेश के 16 जिलों में 3,314 सरपंच और 28,682 वार्ड पंचों के चुनाव के लिए मतदान हुआ। इस दौरान प्रदेश में 85 लाख से ज्यादा मतदाता वोट डालने के लिए पात्र थे। जयपुर जिले की आठ पंचायत समितियों की 212 ग्राम पंचायतों में मतदान हुआ, जहां करीब 7.43 लाख मतदाता थे। कई जगह मतदान के दौरान झड़प और मतगणना के समय हंगामे की घटनाएं भी सामने आईं। पहले चरण के मतदान के बाद अब दूसरे चरण की तैयारी है।

दूसरे चरण में 22 जिलों की सूचीबद्ध पंचायत समितियों की ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंच चुने जाएंगे। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए 28 अक्टूबर को, जबकि सरपंच और वार्ड पंच के लिए 30 अक्टूबर को मतदान निर्धारित है। उपसरपंच का चुनाव 31 अक्टूबर को होगा। इस बार सरपंच और वार्ड पंच के चुनाव में ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर का इस्तेमाल किया गया। मतदाताओं को दो अलग-अलग बैलेट पेपर दिए गए। एक सरपंच पद के लिए और दूसरा वार्ड पंच के चुनाव के लिए था।

मतदान समाप्त होने के बाद ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर मतगणना शुरू की गई। पहले वार्ड पंच और फिर सरपंच पद के नतीजे घोषित किए जा रहे हैं। कई ग्राम पंचायतों में निर्विरोध निर्वाचन भी हुआ है। सरपंच और वार्ड पंच के परिणाम आने के बाद रविवार, 25 अक्टूबर को उपसरपंच का चुनाव होगा। उपसरपंच का चयन ग्राम पंचायत के निर्वाचित वार्ड पंच मिलकर करेंगे। इस चुनाव में आम मतदाता सीधे मतदान नहीं करता है।

जयपुर जिले की चौमूं पंचायत समिति की मोरीजा ग्राम पंचायत में मतगणना के दौरान वोट चोरी के आरोपों को लेकर हंगामा हुआ। इस दौरान ग्रामीणों पर पथराव किए जाने और पुलिस की ओर से लाठीचार्ज किए जाने की सूचना सामने आई। जिले की 212 ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंच के लिए मतदान हुआ था। मतगणना के बाद देर रात तक परिणाम आने की संभावना जताई गई। दूसरे चरण में अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बाड़मेर, भीलवाड़ा, बीकानेर, दौसा, डूंगरपुर, जयपुर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, जोधपुर, करौली, कोटा, कोटपूतली-बहरोड़, नागौर, पाली, राजसमंद, सीकर, सिरोही और उदयपुर जिले की सूचीबद्ध पंचायत समितियों में चुनाव होंगे।

इनमें जयपुर जिले की आमेर, जालसू, शाहपुरा, अमरसर और रामपुरा डाबड़ी पंचायत समितियां शामिल हैं। जोधपुर जिले में आसोप, बावड़ी, भोपालगढ़, बिलाड़ा, धवा, हतुण्डी, झंवर, कापरड़ा, केरू, लूणी, मंडोर, ओसियां, पीपाड़ शहर, सालवाखुर्द, सामराऊ, तिंवरी और उम्मेदनगर में चुनाव होंगे। अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बाड़मेर और अन्य जिलों की सूचीबद्ध पंचायत समितियों में भी मतदान कराया जाएगा। दूसरे चरण में कितने मतदाता सरपंच और वार्ड पंच के चुनाव में हिस्सा लेंगे, इसकी जिलेवार या चरणवार कुल संख्या उपलब्ध जानकारी में स्पष्ट नहीं है। इसलिए इस चरण के मतदाताओं की सटीक संख्या की पुष्टि नहीं की जा सकती।

दिल्ली NCR में बारिश के बाद बदला मौसम का मिजाज, वायु गुणवत्ता में हुआ सुधार

• नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली-एनसीआर इलाके में शनिवार देर रात अचानक मौसम ने करवट ली और विभिन्न इलाकों में बारिश से मौसम का मिजाज बदला। दिल्ली में रविवार सुबह 10 बजे तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, रविवार को अधिकतम तापमान 31-33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15-17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। हालांकि बारिश होने की संभावना नहीं है।

इससे पहले शनिवार को अधिकतम तापमान 30-32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमा 17 सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश से लोगों को काफी राहत मिली। वहीं हवा की गुणवत्ता (एक्यूआई) में भी काफी सुधार देखा गया। केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार,



राजधानी दिल्ली में रविवार सुबह 7 बजे तक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 117 दर्ज किया गया, जबकि एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 108, गुरुग्राम में 133, गाजियाबाद में 115, ग्रेटर नोएडा में 122 और नोएडा में एक्यूआई 118 दर्ज किया गया।

गाजियाबाद के कई इलाकों में बारिश के बाद एयर क्वालिटी इंडेक्स 100 के नीचे पहुंच गया है। आंकड़े साफ तौर पर बता रहे हैं कि बारिश के बाद दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण का दबाव कम हुआ है। आंकड़े साफ तौर पर बता रहे हैं कि बारिश के बाद दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण का दबाव कम हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, बारिश के दौरान वातावरण में मौजूद धूल और प्रदूषण के पानी के साथ जमीन पर बैठ जाते हैं। इससे हवा में तैरने वाली धूल के कणों की मात्रा काफी घट जाती है और एयर क्वालिटी में सुधार होता है। साथ ही हवा की गति और मौसम में बदलाव भी प्रदूषण के स्तर को कम करने में कारगर साबित होते हैं। दिल्ली एनसीआर में निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन और अन्य स्थानीय प्रदूषण की प्रमुख वजहों में शामिल है। हालांकि बारिश होने के बाद कुछ वक्त के लिए सही लेकिन दिल्ली एनसीआर के लोगों को जहरीली हवा से निजात मिली है।

डीडीए प्राइम अपार्टमेंट के छठी मंजिल में भीषण आग, घटना में कोई हताहत नहीं

• नई दिल्ली, एजेंसी

राजधानी दिल्ली के नरेला स्थित DDA प्राइम अपार्टमेंट में छठी मंजिल पर बने एक फ्लैट में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेज थी कि फ्लैट के अंदर रखा घरेलू सामान जल कर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

चीफ फायर ऑफिसर एके मलिक के मुताबिक, दमकल विभाग के कंट्रोल रूम को रात करीब 9:30 बजे DDA प्राइम अपार्टमेंट में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंची टीम ने आग बुझाने का काम शुरू किया और कुछ समय की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग छठी मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में लगी थी। कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के मुताबिक, घटना के समय फ्लैट बंद था और उसके अंदर घरेलू सामान रखा हुआ था। आग ने फ्लैट में रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि फ्लैट में रहने वाला परिवार काम के सिलसिले में घर से बाहर गया हुआ था। इस वजह से घटना के समय फ्लैट के अंदर कोई मौजूद नहीं था।

दमकल विभाग के अनुसार, आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है और घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, आग लगने की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। संबंधित विभाग की ओर से कारणों का पता लगाने के लिए जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं, आग के कारण फ्लैट में हुए नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। समय रहते दमकल की टीम के पहुंचने और आग बुझाने से किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली पुलिस ने 2.10 करोड़ के साइबर धोखाधड़ी मामले में दो आपरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तर-पूर्वी जिले की साइबर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर एक ऐसे 'म्यूल' बैंक खाते (धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल होने वाले खाते) से जुड़े होने का आरोप है, जिसमें 2.10 करोड़ रुपये की 'डिजिटल अरेस्ट' साइबर धोखाधड़ी के मामले से जुड़ी 98,592 रुपये की रकम आई थी।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद निवासी सोनू खान (36) और दिल्ली के शाहदरा स्थित राम नगर निवासी अर्जुन चौधरी (38) के रूप में हुई है। इन दोनों आरोपियों का पहले कोई आपराधिक इतिहास नहीं रहा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन, छह डेबिट कार्ड और 10 चेकबुक बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक, यह मामला 'नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल' (एनसीआरसीपी) पर दर्ज शिकायतों की जांच के दौरान सामने आया। सत्यापन के लिए एक शिकायत को चुना गया, जिसकी जांच के दौरान पता चला कि दिल्ली के यमुना विहार में संचालित एक संदिग्ध 'म्यूल' बैंक खाते में 12 अक्टूबर को 98,592 रुपये आए थे। बैंक लेनदेन की जांच से पता चला कि 12 अक्टूबर को इस खाते से 49,000 रुपये नकद निकाले गए थे, जबकि बाकी रकम एक चेक के जरिए निकाली गई थी।

आगे की जांच में यह सामने आया कि यह लेनदेन 15 अक्टूबर को दर्ज ई-एफआईआर से जुड़ा है। यह मामला दिल्ली में स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 318(4), 319 और 340 के तहत दर्ज किया गया है। यह मामला दिल्ली के जनकपुरी की रहने वाली प्रतिभा जैन की शिकायत पर दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि साइबर ठगों ने 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर उनके साथ लगभग 2.10 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की।

जांच के दौरान जिस बैंक खाते में ठगी की रकम का कुछ हिस्सा आया था, उस पर शक हुआ कि इसका इस्तेमाल साइबर अपराध से हासिल पैसों को इधर-उधर भेजने के लिए एक 'म्यूल अकाउंट' के तौर पर किया गया था।

तकनीकी निगरानी और लगातार जांच के जरिए पुलिस ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के अशोक नगर में रहने वाले खाताधारक सोनू खान का पता लगाया। बताया जा रहा है कि वह डिस्पोजेबल सामान की एक दुकान चलाता था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने खान के पास से तीन मोबाइल फोन, 10 चेकबुक और अलग-अलग बैंकों के छह डेबिट कार्ड बरामद किए।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान अपराधी गिरफ्तार, कब्जे से दो अवैध हथियार बरामद

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मैदान गढ़ी इलाके में रविवार सुबह पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान बदमाश के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे घायल हालत में पकड़ लिया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से दो अवैध हथियार बरामद किए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली पुलिस को सूचना मिली थी कि एक बदमाश इलाके में डकैती की वारदात को अंजाम देने की फिराक में आने वाला है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस की एक टीम ने संदिग्ध को रोकने और इस अपराध को अंजाम देने से रोकने के लिए जाल बिछाया।

अधिकारियों ने बताया कि यह मुठभेड़ सुबह करीब 6.30 बजे हुई, जब पुलिस-कर्मियों ने मोटरसाइकिल पर जा रहे संदिग्ध को चेकिंग के लिए रुकने का इशारा किया। हालांकि, पुलिस के निर्देशों का पालन करने के बजाय, खुद को घिरा हुआ पाकर आरोपी ने पुलिस टीम पर गोली चला दी।

पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और गोलीबारी के दौरान संदिग्ध के पैर में गोली लग गई। अधिकारियों के मुताबिक, इसके बाद पुलिस टीम ने उसे काबू कर लिया और गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि घायल आरोपी की पहचान 'स्वान' के रूप में हुई है, जिसे 'सावन' और 'मूछड़ मामा' के नाम से भी जाना जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध हत्या और लूट सहित कई आपराधिक मामलों में शामिल बताया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, उत्तर प्रदेश पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने वाले के लिए 1 लाख रुपए के इनाम की घोषणा की थी। पुलिस ने बताया कि कई आपराधिक मामलों में शामिल होने के कारण वह एक 'वांछित' था, जिसके चलते पुलिस उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। फिलहाल, पुलिस टीम आगे की कार्रवाई में जुटी है।

गीता कॉलोनी में 15 झुग्गियां जलकर खाक, बेघर हुए कई परिवार

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा स्थित थाना गीता कॉलोनी क्षेत्र में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एसडीएम कोर्ट के समीप बनी झुग्गियों में रात के अंधेरे में अचानक भीषण आग लग गई। घटना के समय सभी लोग गहरी नींद में सो रहे थे। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि लगभग 15 झुग्गियां जलकर पूरी तरह खाक हो गईं।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि बस्तियों में चीख-पुकार मच गई और लोग अपनी जान बचाकर बाहर की तरफ भागे। गनीमत यह रही कि इस भयानक हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि (जान का नुकसान) की खबर सामने नहीं आई है, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, झुग्गियों में रहने वाले सभी परिवारों का जमा-पूंजी और राशन सहित पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया है, जिससे उनका भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि इन झुग्गियों में पहले भी कई बार आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। लेकिन इस बार रात के सन्नाटे में लगी आग ने लोगों को संभलने तक का मौका नहीं दिया। इस त्रासदी के बाद प्रभावित परिवार खुले आसमान के नीचे सड़कों पर आने को मजबूर हो गए हैं। प्रशासन से अब पीड़ितों के लिए त्वरित सहायता, भोजन और पुनर्वास की गुहार लगाई जा रही है।

फ्रिज में धमाके के बाद लगी आग, दिल्ली पुलिस की तत्परता से टला बड़ा हादसा

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के खानपुर स्थित जवाहर पार्क में शनिवार दोपहर एक घर में फ्रिज में धमाके के बाद आग लग गई। घर के पास स्थित रसोई में तीन बड़े और एक छोटा एलपीजी सिलेंडर रखे थे। इससे आग के फैलने और बड़े हादसे का खतरा पैदा हो गया।

सूचना मिलते ही नेब सराय थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने गीले कपड़ों की मदद से गर्म सिलेंडरों को आग प्रभावित क्षेत्र से दूर हटाया। बाद में दमकल की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 12 बजे नेब सराय थाने को जवाहर पार्क, खानपुर स्थित एक घर में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार, फ्रिज में धमाके के बाद आग लगी थी। घर में रखे एलपीजी सिलेंडरों के कारण स्थिति गंभीर हो सकती थी। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने गीले कपड़ों की मदद से गर्म हो चुके एलपीजी सिलेंडरों को आग प्रभावित क्षेत्र से दूर किया। इसके बाद दमकलकर्मियों ने आग बुझाई। कार्रवाई में नेब सराय थाने के हेड कॉन्स्टेबल विष्णु, मनोज, अब्दु और देवेंद्र शामिल रहे।

तलाक की सुनवाई से पहले युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में 30 वर्षीय युवक मुनेश की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव मिलने के बाद स्वजन ने हत्या की आशंका जताई है।

मुनेश का पत्नी से तलाक का मुकदमा कड़कड़डूमा कोर्ट में चल रहा था। मामले में 28 अक्टूबर को सुनवाई होनी थी। इससे छह दिन पहले उसकी मौत होने से स्वजन ने मामले की जांच की मांग की है। परिजनों के अनुसार, मुनेश 20 अक्टूबर को यमुना खादर में पांचवें पुश्ते के पास विजयदशमी का मेला देखने गया था। रात करीब 10 बजे उसने अपने पिता को फोन कर घर लौटने की बात कही थी।

इसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। परिवार ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। शुक्रवार को पुलिस ने मुनेश के पिता को फोन कर उसकी मौत की सूचना दी। मुनेश खजूरी खास के ई-ब्लॉक में गली नंबर-12, चांद बाग पुलिया के पास रहता था। वह पहले फूल बेचने का काम करता था। उसका विवाह कोमल से हुआ था और दोनों की छह महीने की एक बेटी है। पारिवारिक विवाद के चलते कोमल मार्च से गौतम विहार स्थित अपने मायके में रह रही थी।

हैदरपुर में अवैध पटाखों का बड़ा गोदाम पकड़ा, 2375 किलो हरे पटाखे जब्त

• नई दिल्ली, एजेंसी

शालीमार बाग थाना पुलिस ने हैदरपुर गांव में अवैध रूप से रखे गए हरे पटाखों के गोदाम का भंडाफोड़ कर 2,375 किलोग्राम पटाखे जब्त किए हैं। इस मामले में रोहन गाबा और भाव्य जग्गी की संलिप्तता सामने आई है।

दोनों आवश्यक लाइसेंस या अनुमति संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस सीजन की सबसे बड़ी पटाखे की खेप बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, बीट पेट्रोलिंग के दौरान हेड कांस्टेबल अमित कुमार यादव और कुलदीप बलियान को गोविंद मोहल्ला स्थित एक गोदाम में पटाखे रखे होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर गोदाम पर ताला लगा मिला।

मालिक को बुलाकर नियमानुसार तलाशी ली गई तो अंदर भारी मात्रा में हरे पटाखे मिले। जांच में सामने आया कि पटाखे



लाइसेंस मिलने के बाद बेचने के उद्देश्य से खरीदे गए थे। लेकिन, संबंधित समय पर लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई थी। गोदाम में रखे पटाखों के लिए भी कोई वैध अनुमति नहीं मिली।

इस संबंध में शालीमार बाग थाने में एफआइआर के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 223(बी), 288 और विस्फोटक अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने पटाखे जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने नागरिकों से पटाखों के भंडारण और बिक्री संबंधी नियमों का पालन करने की अपील की है।

'शहर' बने दिल्ली के पुराने गांवों की खस्ता हालत, अब फिर 48 विलेज की लिस्ट तैयार

• नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली सरकार ने राजधानी के 48 गांवों को शहरीकृत श्रेणी में शामिल करने का निर्णय लिया है। इससे इन गांवों में सड़क, सीवर, जल निकासी, पेयजल और स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास का रास्ता खुलने की उम्मीद है।

साथ ही, जमीन के बेहतर नियोजन और बढ़ती आबादी के अनुसार नागरिक सुविधाओं का विस्तार करने में भी मदद मिल सकती है। शहरीकृत श्रेणी में आने से नियमानुसार पात्र विकास कार्यों के लिए विधायक और निगम पार्षद निधि का उपयोग करने का अवसर भी मिलेगा। हालांकि, पहले शहरीकृत किए गए गांवों में बुनियादी सुविधाओं की बदहाली को देखते हुए इस फैसले के वास्तविक लाभ पर सवाल भी उठ रहे हैं।

शहरीकृत श्रेणी में शामिल होने के बाद गांवों में विकास कार्यों के लिए जनप्रतिनिधियों की निधि का उपयोग भी अहम हो सकता है। नियमानुसार पात्र कार्यों के लिए विधायक और निगम पार्षद निधि के साथ सांसद निधि से भी विकास कार्य कराए जा सकेंगे।

इससे गलियों और सड़कों की मरम्मत, जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था और दूसरी स्थानीय जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसके लिए संबंधित नियमों और स्वीकृति की प्रक्रिया का पालन करना होगा।

ग्रामीण विकास बोर्ड के अध्यक्ष और विधायक राजकुमार चौहान ने कहा कि 48 गांवों के शहरीकृत श्रेणी में शामिल होने से विकास कार्यों में तेजी आएगी।

ग्रामीण विकास बोर्ड शहरीकृत और गैर-शहरीकृत, दोनों तरह के गांवों में विकास कार्य करा रहा है और इसके लिए धनराशि भी उपलब्ध कराता है। अब गांवों में जनप्रतिनिधियों को मिलने वाली विकास निधि का भी उपयोग हो सकेगा। इससे स्थानीय जरूरतों के अनुसार काम कराने में मदद मिलेगी।

वहीं दूसरी ओर, पहले शहरीकृत किए गए गांवों में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति को लेकर चिंता जताई जा रही है। बाहरी दिल्ली के औचंदी, निजामपुर, टटेसर और कंझावला क्षेत्र के कई गांवों में सड़क, सफाई, जल निकासी और यातायात की समस्याएं बनी हुई हैं। ऐसे में नए गांवों को शहरीकृत श्रेणी में शामिल करने के फैसले से लोगों को कितना लाभ मिलेगा, यह इसके क्रियान्वयन पर निर्भर करेगा।

औचंदी गांव निवासी और भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के अध्यक्ष सतेंद्र लोहचब ने कहा कि पहले शहरीकृत किए गए गांवों में जमीन की कीमतें तो बढ़ी हैं, लेकिन मूलभूत सुविधाओं की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है, यह स्थिति अब बदलनी चाहिए।

वृद्धा पेंशन सूची से बाहर हो जाएंगे 25% लाभार्थी? घर-घर सत्यापन का प्रोसेस शुरू

• नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली सरकार ने वृद्धावस्था पेंशन योजना के तकरीबन 4.4 लाख लाभार्थियों का सत्यापन शनिवार से शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत अपात्र लाभार्थियों की पहचान कर उनके नाम सूची से हटाए जाएंगे। सरकार को उम्मीद है कि सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद मौजूदा लाभार्थियों की सूची में 20 से 25 प्रतिशत तक जगह खाली हो सकती है। अधिकारियों के मुताबिक, यह अभियान तीन महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकारी अधिकारियों ने बताया कि सत्यापन प्रक्रिया पहले शुरू होनी थी, लेकिन तीसरे पक्ष के जरिये लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण कराने की अनुमति नहीं मिलने के कारण इसे रोकना पड़ा था। अब अनुमति मिलने के बाद घर-घर जाकर बायोमेट्रिक सत्यापन शुरू कर दिया गया है।

इस अभियान का उद्देश्य मृत लाभार्थियों के नाम हटाने के साथ ही दोहरे या अन्य सरकारी सहायता के साथ अपात्र रूप से वृद्धावस्था पेंशन लेने वाले लोगों की पहचान करना है। सत्यापन के बाद सभी लाभार्थियों का रिकार्ड भी दुरुस्त किया जाएगा।

इस काम के लिए दिल्ली सरकार के समाज कल्याण विभाग ने इस साल की शुरुआत में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के साथ समझौता किया था। सीएससी के दिल्ली में करीब छह हजार केंद्र हैं। इसके नेटवर्क की मदद से सत्यापन दल लाभार्थियों के पंजीकृत पते पर पहुंचेंगे।

जांच के दौरान लाभार्थियों की उंगलियों के निशान और आंखों की पुतली के जरिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण किया जाएगा। साथ ही उनकी मौके पर तस्वीर ली जाएगी और इलेक्ट्रानिक दस्तावेजों के माध्यम से रिकॉर्ड अपडेट किया जाएगा।

दिल्ली सरकार की योजना के तहत 60 से 69 वर्ष की आयु के पात्र बुजुर्गों को हर महीने 2,000 रुपये पेंशन दी जाती है। वहीं, 70 वर्ष या इससे अधिक उम्र के पात्र वरिष्ठ नागरिकों को हर महीने 2,500 रुपये मिलते हैं।

जामिया में छात्रों की नारेबाजी से बढ़ा तनाव, गेट नंबर 7 से तीन महिला समेत चार छात्र नेता डिटेन

• नई दिल्ली, एजेंसी

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्र अपनी मांगों को लेकर कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं।इसी बीच विश्वविद्यालय की दीवारों पर लिखे गए देश विरोधी नारों के कारण परिसर में तनाव बढ़ गया है।

विरोध-प्रदर्शन के बीच पुलिस ने जामिया के गेटों को बंद कर दिया। गेट पर हंगाम कर रहे छात्रों को भी हटा दिया गया। वहीं दूसरी ओर आंदोलनकारी छात्रों ने खाना पानी बंद किए जाने का आरोप लगाया है।

पुलिस द्वारा रोके जान के बाद भी छात्रों के समर्थन में बाहर से गेट नंबर 7 पर नारेबाजी करते बाहरी छात्र व स्थानीय नेता पहुंच गए। जिसके बाद पुलिस ने तीन महिला



छात्र नेताओं समेत चार को डिटेन किया है।

पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद भी प्रदर्शन कर रहे छात्र गेट से कूदकर कैंपस में जाने की कोशिश करते दिखें। हालांकि पुलिस की टीम विश्वविद्यालय के गेट पर तैनात है।

आत्मदाह मामले में बाल अधिकार आयोग सख्त, नोटिस जारी कर 15 दिन में मांगी रिपोर्ट

• नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्वी दिल्ली में कृष्णा नगर स्थित राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय में 12वीं कक्षा की छात्रा की आत्मदाह से मौत के मामले में दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) ने संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किया है।

आयोग ने शिक्षा निदेशालय के निदेशक, स्कूल की प्रिंसिपल, उत्तर-पूर्वी जिले के डीसीपी और कृष्णा नगर थाने के एसएचओ से दो सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। मामले में अगली कार्यवाही के लिए 10 नवंबर की तारीख तय की गई है।

आयोग ने 25 अक्टूबर को मामले पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने स्कूल परिसर में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि छात्रा अपने बैग में पेट्रोल की बोतल लेकर स्कूल के अंदर कैसे पहुंच गई। साथ ही, स्कूल परिसर में गार्ड रूम के पास घटना होने के दौरान छात्रा को बचाने के लिए तत्काल मदद उपलब्ध नहीं होने पर भी चिंता जताई है।

पुलिस को घटनास्थल से तीन पन्नों का सुसाइड नोट और पेट्रोल की बोतल मिली थी। पुलिस नोट में लिखी बातों समेत अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

जल बोर्ड की बड़ी लापरवाही, सीवर लाइन बिछाकर छोड़ी टूटी सड़क

• नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्वी दिल्ली में सीवर पाइपलाइन डालने के लिए सड़क खोदी, लेकिन काम पूरा होने के बाद उसकी मरम्मत करना विभाग भूल गया।

बलदेव पार्क की गली नंबर-2 में पिछले करीब 15 दिनों से लोग बदहाल रास्ते से गुजरने को मजबूर हैं। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं, सीवर का मैनहोल खुला पड़ा है और मलबे का ढेर लगा है। इससे लोगों की आवाजाही मुश्किल हो गई है।

दिन में लोग किसी तरह संभलकर निकलते हैं, लेकिन रात के अंधेरे में खुले गड्ढे और बिखरा मलबा हादसों को न्योता दे रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद संबंधित विभाग के अधिकारी समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

आरडब्ल्यूए के प्रधान गिरीश कुमार शर्मा ने बताया कि सीवर पाइपलाइन डालने के लिए करीब 15 दिन पहले सड़क की खोदाई की गई थी। काम पूरा होने के बाद भी सड़क को दुरुस्त नहीं किया गया है।

सड़क पर मलबा बिखरा होने से लोगों को निकलने में परेशानी होती है। घरों के सामने खुले गड्ढे होने से बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी आवाजाही जोखिम भरी हो गई है। रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने से गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे किसी भी समय दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क की मरम्मत नहीं होने से रोजाना आने-जाने वाले लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए रास्ते से गुजरना चुनौती भरा हो गया है।

स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से जल्द मलबा हटाने, खुले गड्ढों को भरने और सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके और संभावित हादसों को रोका जा सके।

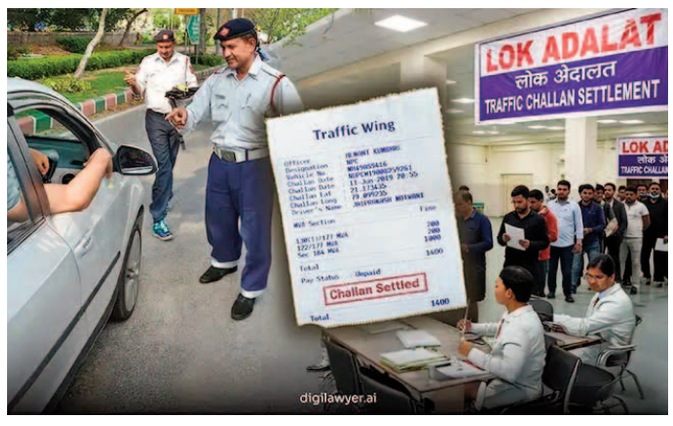
मामले में जल बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि इलाके में सीवर और पानी की पाइपलाइन बदलने का काम अंतिम चरण में है। पाइपलाइनों के कनेक्शन का काम पूरा होने के बाद खोदी गई सड़कों की मरम्मत कर उन्हें दुरुस्त कर दिया जाएगा।

लोक अदालत

20 हजार के चालान का 2200 निपटारा, लोगों ने की ट्रैफिक नियम पालन की अपील

• नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में रविवार को राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान लंबित ट्रैफिक चालानों के निपटारे के लिए बड़ी संख्या में लोग जिला अदालतों में पहुंचे। कड़कड़डूमा कोर्ट में भी सुबह से वाहन चालकों की आवाजाही रही। किसी के हजारों रुपये के चालान कम रकम में निपटे तो किसी ने अपने पुराने चालानों का निपटारा कराने के लिए लोक अदालत का रुख किया। इसमें अधिकतम 2 लाख चालान और नोटिस निपटाए जाने हैं। कड़कड़डूमा कोर्ट पहुंचे लोगों की बातचीत में एक तरफ चालान की रकम में मिली राहत की खुशी दिखी, वहीं कुछ लोगों ने ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर अपनी गलती भी मानी। लोगों ने कहा कि लोक अदालत में पुराने चालान कम राशि में निपटने से उन्हें राहत मिली।



पिंकू सिंह नामक व्यक्ति ने बताया कि उनके दो चालान थे। इनमें एक नो-एंट्री का चालान 20 हजार रुपये का था, जो कि लोक अदालत में 2,200 रुपये में निपट गया। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के लिए अपॉइंटमेंट आसानी से मिल गया था। चालान का निपटारा हो जाने से काफी राहत मिली है।

वहीं करन चौधरी नामक व्यक्ति के वाहन का 10 हजार रुपये का चालान था। उन्होंने बताया कि चालान ओवरस्पीडिंग के थे और लोक अदालत में यह रकम 1 हजार रुपये में निपट गई। उन्होंने स्वीकार किया कि उस समय वह जल्दी में थे, इसलिए वाहन की रफ्तार अधिक हो गई थी। करन ने बताया कि सुनवाई के दौरान जज ने भी उन्हें तेज गति से वाहन न चलाने की सलाह दी और समझाया कि यह जानलेवा हो सकता है। उन्होंने अपील की कि घर से समय पर निकलें, जिससे जल्दी पहुंचने के चक्कर में ओवरस्पीडिंग न करनी पड़े।

इसी तरह शमशाद अहमद भी अपना पुराना चालान निपटाने कड़कड़डूमा कोर्ट पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनका 1500 रुपये का चालान था, जिसमें रॉन्ग साइड वाहन चलाने और बिना हेलमेट के वाहन चलाने का उल्लंघन शामिल था। लोक अदालत में यह चालान 100 रुपये में निपट गया। उन्होंने माना कि रॉन्ग साइड वाहन चलाना खुद के साथ-साथ दूसरे लोगों के लिए भी खतरनाक है। उन्होंने कहा कि आगे से वह अपनी निर्धारित दिशा में ही वाहन चलाएंगे, दूसरों से भी रॉन्ग साइड वाहन नहीं चलाने की अपील करेंगे।

लोक अदालत पहुंचे अभिषेक चौधरी का कुल चालान 14 हजार रुपये का था, जो 1500 रुपये में निपट गया। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ एक प्रदूषण और दो ओवरस्पीडिंग के चालान थे। हालांकि अभिषेक ने प्रदूषण जांच व उससे जुड़े चालान की प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि प्रदूषण प्रमाणपत्र बनवाने की प्रक्रिया और इसके उल्लंघन पर होने वाले चालान के उद्देश्य को लेकर उन्हें स्पष्टता नहीं है। अगर वाहन के प्रदूषण की जांच जरूरी है तो इसकी व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि वास्तविक स्थिति की जांच हो सके।

संपादकीय

प्रेम में विचारों की स्वतंत्रता ही माधुर्य का आधार है



प्रेम संसार का सबसे सुंदर, सबसे कोमल और सबसे आत्मीय भाव है। यह वह अनुभूति है, जिसमें दो व्यक्ति एक-दूसरे के निकट आते हैं, एक-दूसरे की उपस्थिति में अपने जीवन के अर्थ तलाशते हैं और परस्पर के सुख-दुःख को अपनी संवेदनाओं का हिस्सा बना लेते हैं। प्रेम में एक अद्भुत आकर्षण होता है। किसी का बोलना, मुस्कराना, सोचना, रूठना और यहाँ तक कि उसकी छोटी-छोटी आदतें भी हमें प्रिय लगने लगती हैं। उसकी पसंद हमारी पसंद से जुड़ने लगती है और उसकी प्रसन्नता हमारे हृदय में भी उल्लास भर देती है। किंतु प्रेम की इस सुंदर अनुभूति के बीच एक प्रश्न अक्सर अनदेखा रह जाता है क्या किसी से प्रेम करने का अर्थ यह है कि वह हमारे जैसा सोचने लगे, हमारी तरह व्यवहार करे और जीवन के प्रत्येक प्रश्न पर हमसे सहमत हो जाए? प्रेम का वास्तविक सौंदर्य विचारों की समानता में नहीं, बल्कि विचारों की भिन्नता के प्रति सम्मान में निहित है। दो व्यक्ति एक-दूसरे से गहरा प्रेम कर सकते हैं, फिर भी उनके विचार, दृष्टिकोण, रुचियाँ, मान्यताएँ और जीवन को देखने का नजरिया अलग-अलग हो सकता है। यह भिन्नता प्रेम की कमजोरी नहीं, बल्कि मानवीय व्यक्तित्व की स्वाभाविक विशेषता है। आखिर दो अलग-अलग व्यक्तियों का एक-दूसरे के प्रति आकर्षित होना और फिर एक-दूसरे के साथ जीवन की यात्रा तय करना इस बात की गारंटी तो नहीं कि उनके मन में उठने वाले प्रत्येक विचार भी एक जैसे होंगे। हम जिससे प्रेम करते हैं, उसके विचार हमें अक्सर इसलिए भी अच्छे लगते हैं, क्योंकि उन विचारों के साथ उस व्यक्ति की छवि, उसकी आत्मीयता और हमारी भावनाएँ जुड़ी होती हैं। उसकी कही हुई साधारण-सी बात भी हमारे लिए विशेष अर्थ रखती है। हम उसकी बातों को ध्यान से सुनते हैं, उसकी भावनाओं को समझने का प्रयास करते हैं और कई बार उसकी दृष्टि से दुनिया को देखने लगते हैं। लेकिन यह आत्मीयता तब तक ही मधुर रहती है, जब तक उसमें स्वेच्छा और सहजता बनी रहती है। समस्या उस समय जन्म लेती है, जब प्रेम के नाम पर विचारों की स्वतंत्रता को सीमित किया जाने लगता है।

जब कोई व्यक्ति यह अपेक्षा करने लगता है कि उससे प्रेम करने वाला हर बात में उसकी सहमति दे, उसकी मान्यताओं को ही अंतिम सत्य माने और उसके निर्णयों के सामने अपने विचारों को गौण कर दे, तब प्रेम का सहज प्रवाह धीरे-धीरे बाधित होने लगता है। संबंध में संवाद की जगह आग्रह ले लेता है, समझने की जगह समझाने की जिद आ जाती है और आत्मीयता के स्थान पर अधिकार की भावना पनपने लगती है। यहाँ एक सूक्ष्म अंतर समझना आवश्यक है। किसी को अपने विचार बताना और किसी पर अपने विचार थोपना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। अपने विचार साझा करना संवाद है, जबकि दूसरे की असहमति को स्वीकार न करना आग्रह है। अपनी बात के पक्ष में तर्क देना स्वाभाविक है, लेकिन दूसरे व्यक्ति को केवल इसलिए गलत ठहराना कि वह हमारी बात से सहमत नहीं है, प्रेम की गरिमा के विरुद्ध है। प्रेम में संवाद होना चाहिए, विवाद का भय नहीं। प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता होनी चाहिए, प्रश्न उठाने पर नाराजगी नहीं। असहमति की गुंजाइश होनी चाहिए, असहमति को अपमान समझने की प्रवृत्ति नहीं। वास्तव में, प्रेम का अर्थ यह नहीं कि हम सामने वाले की प्रत्येक बात को सही मान लें। प्रेम का अर्थ है कि हम उसकी बात को सुनने, समझने और उसके पीछे छिपे भाव को जानने का धैर्य रखें। हम असहमत हो सकते हैं, लेकिन असम्मानजनक नहीं। हम किसी विचार को स्वीकार नहीं कर सकते, लेकिन उस विचार को रखने वाले व्यक्ति के प्रति अपनी आत्मीयता समाप्त करना आवश्यक नहीं है। कितनी विचित्र बात है कि हम अक्सर अपने प्रिय व्यक्ति से ही सबसे अधिक सहमति की अपेक्षा करते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति के अलग विचारों को हम सहजता से सुन लेते हैं, लेकिन अपने किसी प्रियजन की असहमति हमें बेचैन कर देती है। हमें लगता है कि यदि वह हमसे प्रेम करता है, तो उसे हमारी बात समझनी ही चाहिए; यदि वह हमारी बात नहीं मान रहा, तो शायद उसके प्रेम में कमी है

किसी व्यक्ति का हमसे असहमत होना इस बात का प्रमाण नहीं कि वह हमसे कम प्रेम करता है। संभव है कि उसका अनुभव अलग हो, उसकी परिस्थितियाँ भिन्न हों अथवा उसने जीवन के किसी प्रश्न को हमसे अलग दृष्टि से समझा हो। उसका अलग विचार उसके स्वतंत्र व्यक्तित्व का परिचायक हो सकता है, न कि हमारे प्रति उसके लगाव की कमी का। एक स्वस्थ संबंध में दोनों व्यक्तियों को स्वयं बने रहने का अवसर मिलता है। वहाँ किसी को अपनी पसंद बदलने, अपनी रुचियों को छिपाने या अपनी मान्यताओं का त्याग करने के लिए विवश नहीं होना पड़ता। वहाँ परिवर्तन संभव है, लेकिन वह प्रेम और समझ से उपजता है; भय, दबाव या भावनात्मक विवशता से नहीं। जब कोई व्यक्ति अपने प्रिय के विचारों से प्रभावित होकर स्वेच्छा से स्वयं में बदलाव लाता है, तो वह संबंध के विकास का संकेत है। किंतु जब वह केवल विवाद से बचने, नाराजगी सहने अथवा प्रेम खो देने के भय से अपनी बात दबाने लगता है, तो यह परिवर्तन नहीं, स्वयं से दूर होते जाने की प्रक्रिया है। प्रेम का माधुर्य बहुत कोमल होता है। इसे बनाए रखने के लिए विश्वास, सम्मान और स्वतंत्रता की आवश्यकता होती है। जिस प्रकार किसी पौधे को बढ़ने के लिए मिट्टी, जल और प्रकाश चाहिए, उसी प्रकार प्रेम को जीवित रहने के लिए आत्मीयता के साथ-साथ खुला आकाश भी चाहिए। पौधे को यदि इस भय से बाँध दिया जाए कि कहीं उसकी शाखाएँ अपनी दिशा में न बढ़ जाएँ, तो उसकी स्वाभाविक वृद्धि बाधित हो जाती है। प्रेम में भी जब हम सामने वाले के विचारों, इच्छाओं और निर्णयों को अपनी अपेक्षाओं के साँचे में ढालने लगते हैं, तब उसके व्यक्तित्व का सहज विकास रुकने लगता है। यहाँ यह भी समझना होगा कि किसी को स्वतंत्रता देना उससे उदासीन हो जाना नहीं है। प्रेम में परवाह आवश्यक है, लेकिन परवाह और नियंत्रण के बीच एक महीन रेखा होती है। परवाह कहती है "मैं तुम्हारी बात सुनना चाहता हूँ, क्योंकि तुम मेरे लिए महत्त्वपूर्ण हो।" नियंत्रण कहता है "तुम्हें मेरी बात माननी ही होगी, क्योंकि तुम मेरे लिए महत्त्वपूर्ण हो।" पहली भावना संबंध को गहरा करती है, जबकि दूसरी भावना धीरे-धीरे उसमें घुटन पैदा कर सकती है। कई बार हम अपनी जिद को भी प्रेम का नाम दे देते हैं। हमें लगता है कि हम सामने वाले के हित में उसे समझा रहे हैं, उसका भला चाहते हैं, इसलिए उसे हमारी बात माननी चाहिए। संभव है कि हमारी मंशा सचमुच अच्छी हो, लेकिन अच्छी मंशा होने मात्र से किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन पर हमारा अधिकार स्थापित नहीं हो जाता। किसी के लिए क्या उचित है, इसका निर्णय करने में उसके अनुभव, उसकी परिस्थितियों और उसकी इच्छाओं का भी महत्त्व है। प्रेम में सलाह दी जा सकती है, आदेश नहीं। चिंता व्यक्त की जा सकती है, लेकिन चिंता के नाम पर किसी की स्वतंत्रता नहीं छीनी जानी चाहिए। अपनी असहमति रखी जा सकती है, मगर उसे स्वीकार कराने के लिए भावनात्मक दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए। क्योंकि जहाँ प्रेम के साथ भय जुड़ जाता है, वहाँ व्यक्ति अपने मन की बात कहने से पहले परिणामों के बारे में सोचने लगता है। वह अपनी असहमति छिपाता है, अपनी पसंद को दबाता है और धीरे-धीरे अपने वास्तविक व्यक्तित्व के स्थान पर वह व्यक्तित्व प्रस्तुत करने लगता है, जिसे उसका प्रिय देखना चाहता है। बाहर से संबंध सामान्य दिखाई देता है, लेकिन भीतर संवाद की सहजता कम होने लगती है। ऐसे संबंधों में एक दिन ऐसा भी आता है, जब दो लोग साथ होते हुए भी एक-दूसरे से दूर महसूस करने लगते हैं। उनके बीच बातें तो होती हैं, लेकिन मन की बातें नहीं होतीं। सहमति तो दिखाई देती है, लेकिन उसके पीछे स्वतंत्र स्वीकार नहीं, बल्कि टकराव से बचने की विवशता होती है। यह स्थिति प्रेम के लिए सुखद नहीं हो सकती। सच्चा प्रेम सामने वाले को अपनी बात कहने का साहस देता है।

-डा. पंकज भारद्वाज

डिजिटल दुनिया की सुरक्षा पर मंडराता खतरा और साइबर अपराधियों की बढ़ती चुनौती

• कांतिलाल मांडोत



आज का युग डिजिटल क्रांति का युग है। सरकारी कामकाज से लेकर बैंकिंग, व्यापार, शिक्षा, चिकित्सा और संचार तक जीवन का लगभग हर क्षेत्र इंटरनेट पर निर्भर होता जा रहा है। कुछ क्षणों में दुनिया के किसी भी कोने तक सूचना पहुंचाना और घर बैठे वित्तीय लेनदेन करना आधुनिक तकनीक की बड़ी उपलब्धियां हैं। लेकिन जिस तेजी से डिजिटल सुविधाओं का विस्तार हुआ है, उसी गति से साइबर अपराधियों की चुनौतियां भी बढ़ी हैं। इंटरनेट की दुनिया में सुरक्षा की एक छोटी-सी चूक करोड़ों लोगों की निजी जानकारी, आर्थिक संसाधनों और संस्थागत गोपनीयता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। पीएचपी सॉफ्टवेयर से जुड़ी दो कथित गंभीर कमजोरियों को लेकर सामने आई चिंताएं इसी बदलते खतरे की ओर संकेत करती हैं।

इंटरनेट की दुनिया में पीएचपी एक महत्वपूर्ण प्रोग्रामिंग भाषा है। इसका उपयोग वेबसाइटों, ऑनलाइन व्यापार, सामग्री प्रबंधन प्रणालियों और विभिन्न डिजिटल सेवाओं को संचालित करने में किया जाता है। अनेक वेबसाइटों के पीछे इसी तकनीक की भूमिका होती है। इसलिए इसके मूल ढांचे में कोई गंभीर कमजोरी सामने आने पर उसका प्रभाव किसी एक वेबसाइट तक सीमित नहीं रहता। यदि साइबर अपराधियों को इस कमजोरी का फायदा उठाने का अवसर मिल जाए, तो वे सर्वर पर अनधिकृत पहुंच बनाने, संवेदनशील जानकारी हासिल करने अथवा वेबसाइट की कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप करने का प्रयास कर सकते हैं। हालांकि, किसी सॉफ्टवेयर में कमजोरी मिलने का अर्थ यह नहीं है कि उससे संचालित प्रत्येक वेबसाइट पर हमला हो चुका है। वास्तविक जोखिम इस बात पर निर्भर करता है कि संबंधित प्रणाली किस संस्करण पर चल रही है और उसकी सुरक्षा व्यवस्था कितनी मजबूत है।

इस तरह की घटनाएं एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती हैं कि क्या डिजिटल विकास की दौड़ में सुरक्षा को पर्याप्त प्राथमिकता दी जा रही है? अक्सर संस्थान नई सुविधाएं जोड़ने, सेवाओं को तेज करने और ग्राहकों तक अपनी पहुंच बढ़ाने पर ध्यान देते हैं, लेकिन सॉफ्टवेयर को समय पर अद्यतन करने, कमजोरियों की जांच करने और सुरक्षा व्यवस्था का परीक्षण करने में लापरवाही बरतते हैं। यही लापरवाही साइबर अपराधियों के लिए अवसर बन सकती है। तकनीक की दुनिया में अपराधी लगातार नए रास्ते खोजते हैं।

सुरक्षा विशेषज्ञ किसी कमजोरी को पहचानकर उसका समाधान तैयार करते हैं, तो अपराधी दूसरी संभावित खामियों की तलाश में जुट जाते हैं। इस स्थिति को देखते हुए कहा जा सकता है कि साइबर सुरक्षा की लड़ाई में अपराधियों की चाल से आगे रहने के लिए निरंतर सतर्कता आवश्यक है। दुनिया के विभिन्न देशों की साइबर सुरक्षा एजेंसियां जब किसी तकनीकी कमजोरी को गंभीर मानकर चेतावनी जारी करती हैं, तो संबंधित संस्थानों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। भारत में भी भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल यानी सर्ट-इन की चेतावनियों को गंभीरता से लेना चाहिए। सरकारी विभागों, बैंकों, निजी कंपनियों और डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने वाले संस्थानों को अपने सूचना प्रौद्योगिकी तंत्र की जांच करनी चाहिए। हालांकि, किसी चेतावनी के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि सभी वेबसाइटें प्रभावित हो चुकी हैं या सभी उपयोगकर्ताओं का डेटा खतरे में पड़ गया है। वास्तविक स्थिति का आकलन तकनीकी जांच और संबंधित प्रणालियों की जानकारी के आधार पर ही किया जा सकता है। इस खतरे से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है कि सॉफ्टवेयर को समय पर सुरक्षित संस्करण में अद्यतन किया जाए। जिन संस्थानों के सर्वर पीएचपी पर संचालित होते हैं, उन्हें अपने तकनीकी विशेषज्ञों से वर्तमान संस्करण की पुष्टि करवानी चाहिए और आधिकारिक सुरक्षा परामर्श के अनुसार उपयुक्त सुधार लागू करने चाहिए। अद्यतन करने से पहले जरूरी डेटा का सुरक्षित बैकअप लेना और बदलाव को नियंत्रित तरीके से लागू करना भी महत्वपूर्ण है, ताकि सेवाओं में अनावश्यक बाधा न आए। यदि किसी कारण तत्काल अद्यतन संभव नहीं है, तो जोखिम कम करने के लिए वेब एप्लिकेशन फायरवॉल, संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी और अनावश्यक सुविधाओं को बंद करने जैसे अंतरिम उपाय अपनाए जा सकते हैं। लेकिन इन उपायों को स्थायी समाधान नहीं मानना चाहिए। सुरक्षा सुधार लागू होने के बाद भी प्रणाली की जांच जरूरी है।

संस्थानों को केवल सॉफ्टवेयर अद्यतन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सर्वर पर उपलब्ध अधिकारों की समीक्षा, मजबूत पासवर्ड, बहुस्तरीय प्रमाणीकरण, नियमित सुरक्षा परीक्षण और महत्वपूर्ण गतिविधियों का अभिलेख सुरक्षित रखना भी आवश्यक है। कर्मचारियों को संदिग्ध ईमेल, अनजान फाइलों और धोखाधड़ी वाले संदेशों के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। यदि किसी वेबसाइट पर अनधिकृत गतिविधि के संकेत मिलते हैं, तो उसकी जांच तत्काल करानी चाहिए। संभावित सेंधमारी की स्थिति में प्रभावित प्रणालियों को सुरक्षित करने, प्रवेश संबंधी जानकारी बदलने और आवश्यकता-नुसार संबंधित साइबर सुरक्षा एजेंसियों को सूचित करने में देरी नहीं करनी चाहिए।

आम इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। लोगों को हर वेबसाइट पर व्यक्तिगत जानकारी देने से बचना चाहिए और बैंकिंग संबंधी गोपनीय विवरण किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने चाहिए। संदिग्ध संदेशों में आए लिंक पर क्लिक करने से पहले उनकी विश्वसनीयता जांचनी चाहिए। अपने मोबाइल, कंप्यूटर और अन्य उपकरणों के सॉफ्टवेयर को अद्यतन रखना चाहिए। जहां सुविधा उपलब्ध हो, वहां बहुस्तरीय प्रमाणी-करण का उपयोग करना चाहिए। किसी भी डिजिटल सेवा पर भरोसा करने से पहले यह समझना जरूरी है कि सुविधा के साथ जोखिम भी जुड़े हैं और थोड़ी-सी सावधानी बड़े नुकसान से बचा सकती है। सरकार और तकनीकी कंपनियों के बीच समन्वय भी इस चुनौती का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

साइबर सुरक्षा किसी एक विभाग या कंपनी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि साझा दायित्व है। सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनियों को कमजोरियों की जानकारी मिलने पर समय पर समाधान उपलब्ध कराना चाहिए। संस्थानों को सुरक्षा सुधार लागू करने में तत्परता दिखानी चाहिए और सरकार को जागरूकता तथा तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर जोर देना चाहिए। साथ ही, साइबर अपराधों की जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। डिजिटल दुनिया में सुरक्षा की कोई भी व्यवस्था हमेशा के लिए अचूक नहीं हो सकती। नई तकनीक के साथ नए खतरे भी सामने आते रहेंगे।

दीवान बहादुर एम एम मुलना: लोकसेवा और दानशीलता की अमिट विरासत

• हेमेन्द्र क्षीरसागर



किसी पीड़ित व्यक्ति को देखकर दुःखी होना संवेदनशीलता का परिचायक है, किंतु उसके दुःख को दूर करने के लिए आगे बढ़ना ही सच्ची मानवता है। परोपकार की सार्थकता केवल सद्भावना व्यक्त करने में नहीं, बल्कि अपने सामर्थ्य और संसाधनों को दूसरों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए समर्पित करने में निहित है। दीवान बहादुर मानेकजी मेरवानजी मुलना का जीवन इसी मानवीय दर्शन का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने अपनी संपत्ति को निजी वैभव का साधन बनाने के बजाय जनकल्याण के लिए समर्पित किया। अपनी कर्मभूमि बालाघाट को ऐसी विरासत दी, जिसकी प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है।

बालाघाट से आत्मीय जुड़ाव

दीवान बहादुर एम एम मुलना का जन्म 25 अक्टूबर 1868 को बंबई के एक पारसी परिवार में हुआ था। उन्होंने नागपुर के मॉरिस कॉलेज से वर्ष 1891 में एमए और 1892 में विधि की उपाधि प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्हें अतिरिक्त सहायक आयुक्त नियुक्त किया गया। प्रशासनिक सेवा के दौरान बालाघाट से उनका जुड़ाव हुआ, जो आगे चलकर आजीवन समर्पण में परिवर्तित हो गया। उन्होंने बालाघाट को अपनी कर्मभूमि बनाया और यहीं जीवन बिताने का निर्णय लिया। आजीवन अविवाहित रहे मुलना साहब ने अपना समय, सामर्थ्य और संपत्ति समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर दी। बालाघाट जिले में डिस्ट्रिक्ट काउंसिल की स्थापना के बाद वे लगभग 35 वर्षों तक उसके अध्यक्ष निर्वाचित होते रहे। उनकी सार्वजनिक सेवाओं के लिए उन्हें खान बहादुर की मानद उपाधि प्रदान की गई। जिसे बाद में दीवान बहादुर के रूप में परिवर्तित किया गया।

जनहित के लिए समर्पित

मुलना साहब की दानशीलता का महत्त्व केवल उनकी उदारता तक सीमित नहीं था। उन्होंने नगर की आवश्यकताओं और भावी पीढ़ियों के हितों को ध्यान में रखकर सार्वजनिक सुविधाओं तथा संस्थागत विकास को प्रोत्साहित किया। नगर की जलप्रदाय योजना, बस स्टैंड के समीप सार्वजनिक धर्मशाला, उद्यान के लिए भूमि, मुलना स्टेडियम तथा शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के लिए भूमि दान जैसे जन हितैषी कार्यों में योगदान है। अपने आवासीय बंगले को भी जनहित के लिए समर्पित कर दिया, जहां आज पॉलिटेक्निक कालेज संचालित हो रही है।

वसीयत, ट्रस्ट और जनहित

मुलना साहब की उदारता अचल संपत्ति तक सीमित नहीं थी। उनके जीवन-वृत्तांत में अपनी संपत्ति के साथ तत्कालीन समय के करोड़ों रुपये मूल्य के शेयर जनहित में समर्पित करने का उल्लेख मिलता है। इन परिसंपत्तियों का वर्तमान मूल्य और स्थिति संबंधित अभिलेखों के सत्यापन से ही स्पष्ट हो सकती है। उन्होंने अपनी संपत्ति और शेयरों के प्रबंधन तथा उपयोग के लिए वसीयत के माध्यम से एक ट्रस्ट को जिम्मेदारी सौंपी थी। ताकि बालाघाट नगर-वासियों के हित में निर्धारित कार्य किए जा सकें। इस ट्रस्ट के माध्यम से पेयजल आपूर्ति, मुलना स्टेडियम और सार्वजनिक धर्मशाला सहित कुछ कार्यों के संपन्न होने का उल्लेख मिलता है।

महान दानवीर को सच्ची श्रद्धांजलि

मुलना साहब ने 2 जुलाई 1957 को अपने जीवन की अंतिम साँस ली। उनका भौतिक जीवन समाप्त हो गया, लेकिन बालाघाट के प्रति उनका समर्पण और दानशीलता की प्रेरणा आज भी प्रासंगिक है। बालाघाट के नागरिकों के लिए उनकी विरासत गर्व का विषय होने के साथ-साथ एक नैतिक दायित्व भी है। उनके जीवन और योगदान का प्रामाणिक दस्तावेजीकरण किया जाए। उनसे जुड़ी सार्वजनिक धरोहरों का संरक्षण हो।

भरोसे का संकट और लोकतंत्र की नई परीक्षा

• सचिन कुमार गौतम

जयप्रकाश नारायण ने 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान कर एक अलग ऐतिहासिक दौर में इसी तरह के विचार को आगे बढ़ाया था। उनके आंदोलन ने भ्रष्टाचार, तानाशाही और लोकतांत्रिक संस्थाओं के पतन के खिलाफ छात्रों, नागरिकों और राजनीतिक समूहों को एक मंच पर लाया। आपातकाल के बाद लोकतंत्र की बहाली निस्संदेह भारत के लिए एक बड़ी जीत थी, क्योंकि 1975–77 के आपातकाल में नागरिक अधिकार, प्रेस की स्वतंत्रता और राजनीतिक प्रतिपक्ष पर गंभीर प्रहार हुए थे। लेकिन आज की परिस्थिति को केवल सरकार और विपक्ष के तात्कालिक टकराव तक सीमित रखकर देखना अधूरी समझ होगी। दिल्ली की हालिया घटनाएँ एक बड़े सवाल की ओर इशारा करती हैं: क्या भारत में नागरिकों—विशेषकर युवाओं—और सार्वजनिक संस्थाओं के बीच भरोसे का संकट गहरा रहा है? यह संकट किसी एक पार्टी, नेता या सरकार की समस्या नहीं है। यह लोकतंत्र की उस नींव से जुड़ा है, जिस पर नागरिक यह उम्मीद रखते हैं कि संस्थाएँ रोज़मर्रा की राजनीति से ऊपर उठकर निष्पक्ष, पारदर्शी और जवाबदेह काम करेंगी।

चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को परीक्षाएँ आयोजित करने के लिए एक स्वायत्त निकाय के रूप में बनाया गया था। फिर भी, मतदाता सूचियों और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा—नीट—को लेकर उठे विवादों ने कई युवाओं के मन में यह भावना मजबूत की है कि जिन संस्थाओं पर उनका भविष्य टिका है, वे पर्याप्त रूप से पारदर्शी, जवाबदेह या स्वतंत्र नहीं हैं। बड़ा सवाल यह नहीं है कि युवा विरोध क्यों कर रहे हैं; बड़ा सवाल यह है कि इतने सारे युवा व्यवस्था की निष्पक्षता पर संदेह क्यों करने लगे हैं? इसलिए युवाओं के विरोध-प्रदर्शनों पर सरकार की प्रतिक्रिया बहुत मायने रखती है। बैरिकेड्स, पाबंदियाँ, भारी पुलिस बल की तैनाती और हिरासतें शायद किसी तात्कालिक प्रदर्शन को नियंत्रित कर लें। लेकिन इनसे भरोसा बहाल नहीं होता। कोई भी लोकतंत्र केवल पुलिस के दम पर भरोसे के संकट का समाधान नहीं कर सकता। जब शांतिपूर्ण विरोध को मुख्य रूप से 'कानून-व्यवस्था' की समस्या मान लिया जाता है, तो सरकार शायद उस पल की लड़ाई जीत लेती है, लेकिन कुछ ऐसा खो देती है जो कहीं अधिक कीमती है—नागरिकों का भरोसा।

एक स्वस्थ लोकतंत्र में विरोध केवल असंतोष का संकेत नहीं होता; वह नागरिकों की चेतना और जवाबदेही की मांग का भी प्रमाण होता है। यदि हर आवाज़ को 'षड्यंत्र', 'राजनीति' या 'अराजकता' कहकर खारिज कर दिया जाए, तो संवाद की जगह अविश्वास बैठ जाता है। यह बात समझना जरूरी है कि स्थापित राजनीतिक दलों के नेतृत्व में होने वाले विरोध और युवाओं के उस समूह के लामबंद होने में अंतर है, जो खुद को किसी दल का हिस्सा नहीं मानता। सरकारें राजनीतिक दलों को समझती हैं—उनके नेता, संगठन, चुनावी हित और सौदेबाजी की सीमाएँ।

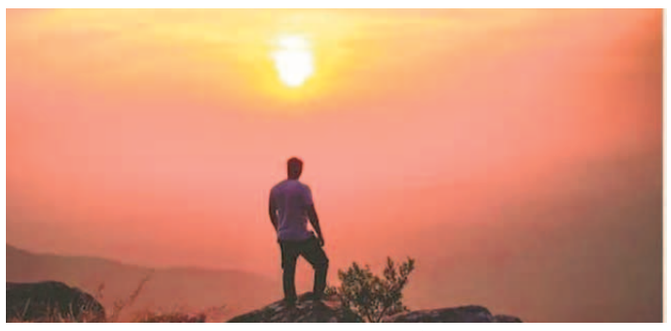
पुरुषार्थ जगाएं और व्यसन त्यागकर जीवन को सफल बनाएं

• कांतिलाल मांडोत

मानव जीवन अनमोल है। इस जीवन की सार्थकता केवल सुख-सुविधाएं जुटाने अथवा धन-संपत्ति अर्जित करने में नहीं, बल्कि अपने पुरुषार्थ, सदाचार और संयम से स्वयं के साथ समाज का कल्याण करने में निहित है। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए भाग्य के भरोसे बैठने के बजाय परिश्रम करना आवश्यक है। पुरुषार्थ वह शक्ति है, जो साधारण व्यक्ति को असाधारण व्यक्तित्व प्रदान करती है। इसी प्रकार व्यसनों से दूर रहना भी पुरुषार्थ का महत्वपूर्ण अंग है, क्योंकि अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखने वाला व्यक्ति ही जीवन को सही दिशा दे सकता है। महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ा एक प्रेरणादायक प्रसंग पुरुषार्थ की महत्ता को उजागर करता है।

दक्षिण अफ्रीका में अंग्रेजों के अत्याचारों के विरुद्ध संघर्ष के दौरान गांधीजी को जेल में रहना पड़ा। वहां कैदियों से काम कराया जाता था। अधिकांश कैदी काम को जैसे-तैसे पूरा करते थे, लेकिन एक कैदी निर्धारित समय से पहले ही अपना काम पूरा कर लेता और शेष समय ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ने में लगाता था। जेल निरीक्षण के दौरान अंग्रेज अधिकारी ने उससे पूछा कि क्या उसे कोई परेशानी है। कैदी ने उत्तर दिया कि यहां उसे पूरा काम नहीं मिलता। अधिकारी आश्चर्य-चकित हुआ। कैदी ने कहा कि वह अपनी मेहनत करने की क्षमता को नष्ट नहीं होने देना चाहता। यह कैदी कोई और नहीं, बल्कि महात्मा गांधी थे। उनका जीवन संदेश देता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी पुरुषार्थ का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए।

भारत की धरती महापुरुषों की जन्मभूमि रही है। भगवान महावीर ने समानता, अहिंसा, संयम और आत्मकल्याण का संदेश देकर समाज को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव का विरोध करते हुए प्रत्येक व्यक्ति के लिए धर्म और आत्मविकास का मार्ग प्रशस्त किया। उनका दर्शन बताता है कि मनुष्य की श्रेष्ठता जन्म अथवा सामाजिक प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उसके कर्म, आचरण और पुरुषार्थ से निर्धारित होती है। समता का आधार आपसी प्रेम, सहिष्णुता और भाईचारा है। जहां मनुष्य दूसरों के अधिकारों का सम्मान करता है, वहीं वास्तविक सामाजिक उत्थान संभव होता है। पुरुषार्थहीन व्यक्ति अपनी असफलताओं के लिए परिस्थितियों और दूसरों को दोष देता रहता है, जबकि पुरुषार्थी व्यक्ति कठिनाइयों को अवसर में बदलने का प्रयास करता है। सफलता उन्हीं के कदम चूमती है, जो लक्ष्य निर्धारित करके निरंतर आगे बढ़ते हैं। सड़क पर चलती बैलगाड़ी में कुछ बच्चे चढ़ने के लिए दौड़े। जिन बच्चों ने हिम्मत और प्रयास किया, वे गाड़ी पर चढ़ गए, जबकि पीछे रह गए बच्चों को निराशा हुई। यह प्रसंग बताता है कि अवसर मिलने पर उसका लाभ उठाने के लिए तत्परता और प्रयास आवश्यक हैं। जीवन में केवल इच्छा करने से उपलब्धियां



नहीं मिलतीं, बल्कि इच्छाओं को पूरा करने के लिए श्रम करना पड़ता है। व्यसन त्यागना भी पुरुषार्थ का परिचायक है। आज समाज के सामने नशा और अन्य दुर्व्यसनों की समस्या गंभीर चुनौती बनकर खड़ी है। शराब, तंबाकू और दूसरे नशीले पदार्थ व्यक्ति की सेहत, विवेक, पारिवारिक सुख और आर्थिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। एक व्यसन दूसरे व्यसन की ओर भी ले जा सकता है। धीरे-धीरे व्यक्ति की निर्णय लेने की क्षमता कमजोर पड़ती है और उसका व्यवहार परिवार तथा समाज के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। व्यसन व्यक्ति की कमाई को नष्ट करने के साथ उसके आत्मविश्वास और सामाजिक प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाते हैं। नशामुक्ति के लिए केवल सभाएं करना, भाषण देना और जुलूस निकालना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए समाज के नेतृत्वकर्ताओं को स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। यदि नशामुक्ति का संदेश देने वाले व्यक्ति का अपना आचरण ही उसके विपरीत है, तो समाज पर उसका प्रभाव सीमित रह जाता है। परिवार, विद्यालय, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को मिलकर जागरूकता फैलानी चाहिए। व्यसन से जूझ रहे व्यक्ति का उपहास करने के बजाय उसे सहयोग, परामर्श और आवश्यक उपचार उपलब्ध कराना चाहिए। आत्मबल के साथ उचित सहायता मिलने पर व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है।

जैन दर्शन में संयम और त्याग को विशेष महत्व दिया गया है। भगवान महावीर का संदेश है कि मनुष्य अपनी इच्छाओं, क्रोध, लोभ और मोह पर नियंत्रण रखकर आत्मकल्याण की दिशा में आगे बढ़ सकता है। व्यसन त्यागने वाला व्यक्ति केवल एक बुरी आदत से मुक्ति नहीं पाता, बल्कि अपने विवेक, समय, धन और पारिवारिक जिम्मेदारियों के प्रति भी सजग बनता है। यही वास्तविक पुरुषार्थ है। संयमित जीवन से व्यक्ति अपने परिवार को सुखी बनाने के साथ समाज के विकास में भी योगदान दे सकता है। पुरुषार्थ का संबंध केवल धन कमाने से नहीं है। ईमानदारी से आजीविका अर्जित करना, जरूरतमंदों की सहायता करना, शिक्षा को बढ़ावा देना और समाजहित के कार्यों में योगदान देना भी पुरुषार्थ के महत्वपूर्ण स्वरूप हैं। भारत में अनेक भव्य मंदिर, धर्मशालाएं और ऐतिहासिक स्मारक दानदाताओं तथा शिल्पकारों के परिश्रम से निर्मित हुए हैं। गोमटेश्वर की विशाल प्रतिमा भारतीय कला, आस्था, दान और मानवीय पुरुषार्थ का अनुपम उदाहरण है। ऐसी धरोहरें बताती हैं कि जब धन, श्रम और संकल्प का उपयोग लोककल्याण के लिए किया जाता है, तब उसका लाभ पीढ़ियों तक पहुंचता है। दीपावली पर लक्ष्मी पूजन की परंपरा हमें समृद्धि की कामना करना सिखाती है, लेकिन वास्तविक समृद्धि केवल पूजा से नहीं, बल्कि परिश्रम, सदाचार और धन के सदुपयोग से प्राप्त होती है। अर्जित संपत्ति का कुछ हिस्सा दान, शिक्षा, चिकित्सा और जरूरतमंदों की सहायता में लगाना समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। पुरुषार्थ से अर्जित धन जब परोपकार में लगता है, तब वह व्यक्ति के जीवन को भी सार्थक बनाता है। आज आवश्यकता है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर पुरुषार्थ की भावना जगाए, व्यसनों से दूर रहे और संयमित जीवन अपनाए। भाग्य से अधिक कर्म पर विश्वास करना, कठिनाइयों में धैर्य रखना और अपनी कमियों को सुधारना ही सफलता का मार्ग है।

सुलतानपुर की अदालत राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में आज सुनाएगी फैसला



• सुलतानपुर, एजेंसी।

सुलतानपुर की एक विशेष सांसद/विधायक अदालत सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के एक मामले में अपना फैसला सुनाएगी। एक अधिवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। यह मामला 2018 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तत्कालीन अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ गांधी की कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से जुड़ा है, जिसे लेकर एक स्थानीय भाजपा नेता ने मुकदमा दर्ज कराया था।

शिकायतकर्ता के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि 13 अक्टूबर को विशेष सांसद-विधायक अदालत के न्यायाधीश शुभम वर्मा ने इस मामले में फैसला सुनाने के लिए 26 अक्टूबर की तारीख तय की थी। उन्होंने कहा कि रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को सोमवार को अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होना होगा। भाजपा नेता और जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी।

आरोप है कि गांधी ने उसी वर्ष बेंगलुरु में एक चुनावी सभा के दौरान अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। अदालत ने 27 नवंबर 2023 को गांधी को मुकदमे का सामना करने के लिए तलब किया था। इसके बाद वह अदालत में पेश हुए थे, जहां उन्हें जमानत मिल गई थी।

बाद में मिश्रा ने राहुल गांधी के आवाज के नमूने का मिलान कराने की अर्जी दी थी, जिसे निचली अदालत ने खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका को सत्र अदालत ने भी खारिज कर दिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी दोनों अदालतों के आदेशों को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। गांधी इस मामले में 26 अक्टूबर को अदालत में चौथी बार व्यक्तिगत रूप से पेश हो सकते हैं।

पीएम मोदी ने काशी को दी बड़ी सौगातः 150 करोड़ के गारमेंट फैक्टरी का किया लोकार्पण



• वाराणसी।, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा किया। उन्होंने मिर्जामुराद के खोचवां में अहमदाबाद गुजरात की कपड़ा निर्माता कंपनी अरविंद लिमिटेड की नई औद्योगिक इकाई का लोकार्पण किया। यह इकाई करीब 150 करोड़ रुपये की लागत से 7-8 एकड़ में बना है।

इस औद्योगिक संयंत्र से स्थानीय ही नहीं, पूर्वांचल के हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता दी गई है, जिनमें से 300 से अधिक की भर्ती हो चुकी है। इन महिलाओं को इकाई में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह पहल कपड़ा और परिधान निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगी।

पूर्वांचल में अरविंद मिल्स का यह पहला बड़ा विनिर्माण संयंत्र है। यहां खेल परिधान, अंतर्वस्त्र आदि कपड़ों का उत्पादन होगा। इस प्लांट में जॉकी, यूएस पोलो और एरो जैसे ब्रांड्स के उत्पाद बनेंगे।

अरविंद मिल्स सिर्फ कपड़ा बनाने वाली कंपनी नहीं है। यह धागे और कपड़े से लेकर तैयार वस्त्रों तक का कारोबार करती है। कंपनी औद्योगिक इस्तेमाल के विशेष वस्त्र भी बनाती है। इसकी शुरुआत 1931 में हुई थी और इसका मुख्यालय अहमदाबाद, गुजरात में है। यह डेनिम, सूती व लिनेन के कपड़े, सादे कपड़े और सूट के लिए फैब्रिक उपलब्ध कराती है।

लोकार्पण के बाद प्रधानमंत्री ने मिल के पदाधिकारियों से कपड़ों और खादी सामग्री की जानकारी ली। उन्होंने 'अपना हुनर अपनी पहचान' के तहत कामगार महिलाओं से संवाद किया। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहे। प्लांट के 2 और चरणों का निर्माण होगा, जिससे हजारों लोगों को अतिरिक्त रोजगार मिलेगा

संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी ने किया उत्तराखंड की हेंवल नदी का जिक्र, ग्रामीणों के प्रयासों को सराहा



टिहरी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मन की बात के 139 वें संस्करण में चंबा की हेंवल नदी के पुनर्जीवीकरण का उल्लेख करते हुए प्रशासन और ग्रामीणों, प्रयासों सराहना की। प्रधानमंत्री ने नदी को पुनर्जीवित करने के लिए ग्रामीणों और संबंधित विभागों की ओर से किए गए प्रयासों को जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया। पहाड़ों में लगातार घटते जलस्रोतों और गर्मियों में गहराते पेयजल संकट के बीच हेंवल नदी की कहानी सामुदायिक सहभागिता की अहमियत को रेखांकित करती है। इस नदी से चंबा शहर से लेकर आसपास के करीब 80 गांव को शुद्ध पीने का पानी मिल रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे यहां प्रकृति के प्रति सम्मान की बहुत पुरानी परंपरा रही है। हमारे पूर्वजों ने हमें सिखाया है कि अपने आस-पास स्वच्छता रखना, जल-स्रोतों की देखभाल करना ये हमारी अपनी जिम्मेदारी है। मुझे खुशी होती है, जब मैं देखता हूं कि देश के कितने ही लोग इसी भावना को अपना जीवन बनाए हुए हैं। यही भाव उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल के चंबा में भी देखने को मिलता है। यहां लोगों ने मिलकर एक नदी को नया जीवन देने का प्रयास किया है| ये नदी है 'हेंवल'। कुछ समय पहले हेंवल नदी में पानी कम होने लगा था। आस-पास के प्राकृतिक जल-स्रोत भी सूख रहे थे। ऐसे में स्थानीय प्रशासन और गांव के लोगों ने मिलकर हेंवल नदी को बचाने का अभियान चलाया। इस दौरान बारिश का पानी रोकने के उपाय हुए, जमीन में पानी पहुंचाने के लिए काम हुआ और बड़ी संख्या में पौधे लगाए गए। आज इस प्रयास से हेंवल नदी को नया जीवनदान मिला है और साथ ही दर्जनों प्राकृतिक जल-स्रोतों के पुनर्जीवन में भी मदद मिली है।

झांसी में हंगामा और सड़क अवरुद्ध करने के आरोप में पांच किन्नर गिरफ्तार

झांसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में बधाई मांगने को लेकर हुए विवाद में कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क पर हंगामा करने और मार्ग अवरुद्ध करने के आरोप में पुलिस ने पांच किन्नरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। नवाबाद थाने के प्रभारी निरीक्षक रवि श्रीवास्तव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महावीरन, प्रेमनगर निवासी अनुष्का उर्फ अभिषेक, पूजा, नयनतारा रशियन और ममता के रूप में हुई है। उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इनमें बलवा, लोक सेवक को चोट पहुंचाने, सरकारी काम में बाधा डालने, सार्वजनिक रास्ते में अवरोध पैदा करने, अश्लील हरकत करने और निषेधाज्ञा के उल्लंघन से संबंधित धाराएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, तीन दिन पहले शिवाजी नगर क्षेत्र में बधाई मांगने को लेकर किन्नरों के दो गुटों के बीच मारपीट हुई थी। इसके बाद एक गुट ने थाने पहुंचकर बबली नामक किन्नर के खिलाफ शिकायत दर्ज करने की मांग को लेकर हंगामा किया था। इस दौरान कुछ लोगों ने फिनाइल पीने का प्रयास भी किया था। पुलिस ने बताया कि मामले में कार्रवाई न होने से नाराज पांच किन्नर शनिवार शाम इलाईट-कचहरी मार्ग पर पहुंच गए। आरोप है कि उनमें से कुछ ने पुलिस के खिलाफ अश्लील प्रदर्शन किया और पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट पर आमादा हो गए। वे बबली किन्नर के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे। हंगामे के कारण सड़क के दोनों ओर यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और अवरुद्ध मार्ग खुलवाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं मानवीय मूल्यों को मजबूत करने की प्रेरणा देती हैं: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती की शुभकामनाएं देते हुए रविवार कहा कि महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं समाज में समरसता, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देती हैं। महर्षि वाल्मीकि की जयंती सोमवार को मनाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा, ''आदिकवि महर्षि वाल्मीकि ने 'रामायण' के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्श चरित्र को जन-जन तक पहुंचाया। उनके द्वारा रचित रामायण भारतीय संस्कृति, जीवन-मूल्यों और आदर्शों का अमूल्य ग्रंथ है।'' आदित्यनाथ ने यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार कहा, ''महर्षि वाल्मीकि की जयंती हमें सत्य, धर्म, मर्यादा, करुणा और लोकमंगल के उन मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा देती है, जो भगवान श्रीराम के जीवन में दिखायी देते हैं।'' उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं समाज में समरसता, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कामना की कि उनकी जयंती का यह पावन अवसर प्रदेशवासियों में सेवा, सदाचार और लोककल्याण की भावना को और प्रबल करे तथा उत्तर प्रदेश शांति, सौहार्द और समृद्धि के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़े। मुख्यमंत्री ने कहा, ''महर्षि वाल्मीकि का जीवन और कृतित्व भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत का परिचायक है। उन्होंने समाज को सदाचार, कर्तव्य और मानवीय मूल्यों का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की रचनाएं आज भी समाज को सत्य और धर्म के पथ पर आगे बढ़ने तथा मानवीय संवेदनाओं को सुदृढ़ करने की प्रेरणा प्रदान करती हैं। बयान के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों और उनकी समृद्ध विरासत को नयी पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए निरन्तर कार्य कर रही है।'' मुख्यमंत्री ने इस दिशा में सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि चित्रकूट जिले के ललापुर स्थित महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली के सौन्दर्यीकरण तथा श्री अयोध्याधाम में महर्षि वाल्मीकि अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की स्थापना जैसे कार्य किए गए हैं।

छह महीने में 23 लोगों को मौत की सजा सुनाने वाले न्यायाधीश का परिवार न्यायालय में तबादला

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। छह महीने में 23 लोगों को मौत की सजा सुनाने वाले अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) रवि कुमार दिवाकर का इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर मुजफ्फरनगर के परिवार न्यायालय में तबादला कर दिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। त्वरित अदालत में सुनवाई करने वाले दिवाकर को अब परिवार न्यायालय का अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, शिव कुमारी त्वरित अदालत में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश का कार्यभार संभालेंगी। दिवाकर ने इस साल अप्रैल से सितंबर के बीच 11 मामलों में 23 लोगों को मौत की सजा सुनाई थी। उन्होंने तत्कालीन जिला एवं सत्र न्यायाधीश बी.के. सिंह द्वारा जारी प्रशासनिक आदेशों के जरिए, हत्या और अन्य गंभीर अपराधों से जुड़े 97 ऐसे मामलों को अपनी अदालत से हटाए जाने पर अगस्त में सवाल उठाए थे, जिनकी सुनवाई पहले ही शुरू हो चुकी थी। लगभग 10 साल पुराने स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम से जुड़े एक मामले में आरोपी को बरी करते हुए दिवाकर ने अपने 35 पन्नों के फैसले में सवाल उठाया था कि क्या जिन मामलों में सुनवाई शुरू हो चुकी है, उन्हें कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना प्रशासनिक आदेशों के जरिए हटाया जा सकता है। उन्होंने न्यायिक स्वतंत्रता और जिला न्यायाधीशों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली प्रशासनिक शक्तियों की सीमाओं को लेकर भी चिंता जताई।

मुजफ्फरनगर में हमला कर वांछित अपराधी को पुलिस हिरासत से छुड़ाया, मामला दर्ज

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। मुजफ्फरनगर जिले में एक वांछित अपराधी को उसके परिजनों ने पुलिस दल पर कथित रूप से हमला करके हिरासत से छुड़ा लिया। इस घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, जिले के सिकहेड़ा गांव में शनिवार शाम पुलिस वांछित आरोपी एवं हिस्ट्रीशीटर साहिल उर्फ भूरिया को गिरफ्तार करने गई थी तभी उसके परिजनों ने पुलिस दल पर हमला कर दिया और आरोपी को हिरासत से छुड़ा लिया। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अक्षय संजय ने बताया कि पुलिस ने साहिल उर्फ भूरिया, उसकी मां आयशा, बहनों सना, सानिया और जोहा तथा भाई जैद के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि इन सभी पर पुलिस दल पर हमला करने, सरकारी कामकाज में बाधा डालने और दो पुलिसकर्मियों को घायल करने का आरोप है। हमले में उपनिरीक्षक रूपेश कुमार और कांस्टेबल कुलदीप घायल हो गए।

सीएम योगी बोले- देश को अराजकता और अलगाववाद की भट्टी में झोंकने का रचा जा रहा षड्यंत्र

• लखनऊ, एजेंसी।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज जब विश्व के अनेक हिस्से हिंसा और अस्थिरता से जूझ रहे हैं, भारत लोकतांत्रिक स्थिरता, आर्थिक प्रगति और सांस्कृतिक चेतना के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में संकीर्ण मानसिकता वाली कुछ राजनीतिक ताकतें सत्ता के स्वार्थ में देश को अस्थिरता, अराजकता और अलगाववाद की भट्टी में झोंकने का षड्यंत्र रच रही हैं। राष्ट्रीय हितों को ताक पर रखकर वैश्विक मंचों पर भारत की छवि धूमिल करने का निरंतर प्रयास कर रही हैं। सीएम योगी ने एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी एवं निर्णायक नेतृत्व में भारत ने वैश्विक पटल पर अपनी आर्थिक शक्ति का नया अध्याय लिखा है। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी है और आत्मनिर्भरता, नवाचार तथा विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है।

राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ 'नए भारत' में लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत हुई हैं। नीति-निर्माण के केंद्र में आम जनता है, गरीब कल्याण शासन की प्राथमिकता है, अंत्योदय आत्मनिर्भरता का आधार है और जनभागीदारी विकास को जन-आंदोलन का रूप दे रही है।

आस्था, अस्मिता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण नए भारत में सामाजिक न्याय, नारी सशक्तीकरण, डिजिटल नवाचार और आर्थिक समृद्धि की संभावनाएं साकार हो रही हैं। विकास की यह यात्रा जन-आकांक्षाओं को अवसरों में बदलते हुए राष्ट्र की सामर्थ्य को निरंतर विस्तार दे रही है। आज जब विश्व के अनेक हिस्से हिंसा और अस्थिरता से जूझ रहे हैं, भारत लोकतांत्रिक स्थिरता, आर्थिक प्रगति और सांस्कृतिक चेतना के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में संकीर्ण मानसिकता वाली कुछ राजनीतिक ताकतें सत्ता के स्वार्थ में देश को अस्थिरता, अराजकता और अलगाववाद की भट्टी में झोंकने का षड्यंत्र रच रही हैं। राष्ट्रीय हितों को ताक पर रखकर वैश्विक मंचों पर भारत की छवि धूमिल करने का निरंतर प्रयास कर रही हैं।

इन चुनौतियों के बावजूद भारत अपने विकास के लक्ष्य के प्रति अडिग संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस राष्ट्रीय यात्रा में उत्तर प्रदेश अपनी विशाल कृषि क्षमता, विस्तृत होते औद्योगिक आधार, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और युवा शक्ति के सामर्थ्य के बल पर कृषि से विनिर्माण तक, निवेश से रोजगार सृजन तक, हर क्षेत्र में प्रगति को गति दे रहा है और 'विकसित भारत' के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हमारा संकल्प अटल है- राष्ट्रहित सर्वोपरि, राष्ट्रीय एकता अक्षुण्ण और विकास की गति अविराम। राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ भारत की प्रगति का यह महायज्ञ अनवरत जारी रहेगा।

सपा के पूर्व विधायक समेत नौ लोगों पर रिपोर्ट, एमएलसी चुनाव में हुए हंगामे के मामले में कार्रवाई

• लखीमपुर खीरी, एजेंसी।



लखीमपुर खीरी के मितौली ब्लॉक के सामने शुक्रवार को स्नातक एमएलसी चुनाव के दौरान हंगामा, गाली-गलौज और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। इसमें पूर्व सपा विधायक सुनील कुमार लाला और उनके भाई पूर्व ब्लाक प्रमुख रामखेलावन उर्फ छोटे समेत नौ लोगों को नामजद किया गया है।

मामले में चुरईपुरवा निवासी अमर अली ने पुलिस को तहरीर दी थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। स्नातक एमएलसी चुनाव में मतदान वाले दिन मितौली ब्लॉक में सपा और भाजपा के लोग आमने-सामने आ गए थे और जमकर हंगामा हुआ था। सपा के लोगों ने मितौली के भाजपा विधायक सौरभ सिंह सोनू और उनके पिता पूर्व सांसद जुगल किशोर पर मतदान केंद्र में घुसने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया था। इसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए थे। इसी मामले में भाजपा विधायक के गांव चुरईपूरवा के निवासी अमर अली ने एफआईआर दर्ज कराई है। अमर अली की ओर से दी गई तहरीर के मुताबिक, 23 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब दो बजे मितौली ब्लॉक के सामने मुख्य मार्ग पर कुछ लोगों ने गाली-गलौज की।

विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। अमर अली की शिकायत पर पुलिस ने कस्ता के पूर्व सपा विधायक सुनील भार्गव उर्फ लाला, उनके भाई मितौली के पूर्व ब्लॉक प्रमुख राम खेलवन उर्फ छोटे के अलावा विभु बाजपेयी, रजनीश श्रीवास्तव, धर्मपाल राज, सोनू, शैलेश, मुदीत और रमेश प्रधान को नामजद किया है। सीओ यादवेंद्र यादव ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 190, 191(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रकरण की विवेचना उपनिरीक्षक असित कुमार यादव को सौंपी गई है। पुलिस मामले में आरोपों की जांच कर रही है।

सड़क से सोशल मीडिया तक तैरी राजधानी के स्कूलों में शोषण की कहानी, पूर्व छात्राओं ने बताई आपबीती

• देहरादून, एजेंसी।



राजधानी के एक निजी स्कूल में छात्रा से छेड़खानी का मामला सामने आने के बाद शनिवार को यह प्रकरण शहर में चर्चा का विषय बना रहा। स्कूल परिसर से शुरू हुआ विवाद सोशल मीडिया तक पहुंचा तो शिक्षक पर पहले भी गलत हरकतें करने के आरोप लगने लगे। इंस्टाग्राम और फेसबुक पर सैकड़ों पोस्ट और कमेंट के जरिये पूर्व छात्र-छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए। कुछ छात्रों ने दावा किया कि आरोपी शिक्षक को इस तरह की हरकतों के कारण पहले भी राजधानी के तीन अन्य स्कूलों से हटाया जा चुका है। हालांकि, सोशल मीडिया पर किए गए इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इस मामले ने सोशल मीडिया पर एक तरह से मी टू आंदोलन जैसी चर्चा को जन्म दे दिया है। यौन उत्पीड़न और शोषण के खिलाफ शुरू हुए अंतरराष्ट्रीय मी टू आंदोलन का वर्ष 2018 में भारत में व्यापक असर देखने को मिला था। उस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपने साथ हुए कथित उत्पीड़न के अनुभव सार्वजनिक किए थे। इसी तरह अब देहरादून में भी कई पूर्व छात्र-छात्राएं सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से शिक्षक के व्यवहार को लेकर सवाल उठा रहे हैं। पोस्ट पर दूसरे लोग भी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं। मामला शुक्रवार को उस समय सामने आया, जब राजधानी के एक निजी स्कूल की छात्रा ने शिक्षक पर गलत तरीके से छूने का आरोप लगाया। परिजनों का आरोप है कि शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई करने के बजाय स्कूल प्रबंधन से जुड़े लोगों ने मामले को दबाने की कोशिश की। शिकायत करने पहुंची छात्रा और उसकी मां को स्कूल परिसर में घंटों रोके रखा गया। आरोप है कि इस दौरान स्कूल के गेट बंद कर ताले लगा दिए गए और उन्हें बाहर नहीं जाने दिया गया।

गिरधारी ने रेखा आर्या को चार कंपनियों से हटाया, दस्तावेजों की जांच में एसआईटी को मिली अहम जानकारी

• देहरादून, एजेंसी।



कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या प्रकरण में जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) को कंपनियों से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल के दौरान कई अहम जानकारियां मिली हैं। सूत्रों के मुताबिक गिरधारी लाल साहू ने मंत्री रेखा आर्या को चार कंपनियों से बाहर किया है। रेखा आर्या ने भी अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उनके पति गिरधारी लाल साहू ने फर्जी हस्ताक्षरों और दस्तावेजों का इस्तेमाल कर उन्हें कंपनियों के निदेशक पद से हटा दिया।

सूत्रों के अनुसार बरेली-सीतापुर राजमार्ग स्थित लालपुल गांव में बन रहे फार्महाउस की जमीन भी जिस कंपनी के नाम थी उसमें रेखा आर्या और सतेंद्र राठौर निदेशक थे। बरेली विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक ये जमीन मेसर्स कृष्णा-वैष्णवी एंटरप्राइजेज के नाम पर पंजीकृत थी। इसके अलावा बनखंडी रुद्राक्षधाम इन्फ्राडेवलपर प्राइवेट लिमिटेड और श्री अंबे ऑटो डीलर प्राइवेट लिमिटेड में रेखा आर्या और गिरधारी लाल की हिस्सेदारी बताई जा रही है।

बता दें कि रेखा आर्या की शिकायत पर कैंट थाने में दर्ज प्राथमिकी की जांच के लिए गठित एसआईटी मामले से जुड़े साक्ष्य जुटा रही है। इसके तहत टीम हल्द्वानी और बरेली पहुंची थी। वहां से कंपनियों से संबंधित कई दस्तावेज कब्जे में लिए गए हैं। एसआईटी इन दस्तावेजों की जांच कर रही है, ताकि निदेशक पद से हटाने की प्रक्रिया और उसमें इस्तेमाल किए गए दस्तावेजों की वास्तविकता का पता लगाया जा सके। हस्ताक्षरों की सत्यता जांचने के लिए भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। एसआईटी के सामने अब तक अभियुक्तों से संपर्क करने की चुनौती बनी हुई है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि अभियुक्तों से संपर्क करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी तक किसी से संपर्क नहीं हो पाया है। पुलिस ने अभियुक्तों को नोटिस भेजकर बयान दर्ज कराने और जांच में सहयोग करने को कहा है। संबंधित ठिकानों पर अभियुक्तों के नहीं मिलने के कारण उनके परिजनों को नोटिस तामील कराए गए हैं। एसआईटी का कहना है कि मामले में साक्ष्य जुटाने और तथ्यों की पुष्टि करने की कार्रवाई जारी है। प्रकरण से जुड़े वायरल ऑडियो को लेकर भी एसआईटी की जांच जारी है। ऑडियो में कल्पना मिश्रा का नाम सामने आने के बाद अब उनकी भूमिका भी जांच के दायरे में है। एसआईटी मामले से जुड़े सभी पहलुओं और उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है। जांच के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल कंपनियों के दस्तावेजों, कथित हस्ताक्षरों और ऑडियो से जुड़े तथ्यों की पुष्टि करना टीम के लिए अहम है।

धावकों का उत्साहवर्धन

आदि कैलाश परिक्रमा रन-2.0 में दौड़े सीएम, अगले साल माणा पास से औली तक होगी 100 माइल्स अल्ट्रा रन

• पिथौरागढ़, एजेंसी।



पिथौरागढ़ में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को पिथौरागढ़ जिले के गुंजी में आयोजित आदि कैलाश परिक्रमा रन-2.0 में प्रतिभाग किया। उन्होंने 70 और 42 किलोमीटर दौड़ के विजेताओं को पुरस्कृत करने के साथ देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे धावकों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान रं समुदाय के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा पहनाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदि कैलाश परिक्रमा रन केवल मैराथन नहीं, बल्कि साहस, संकल्प और दृढ़ इच्छाशक्ति की परीक्षा है। उच्च हिमालयी क्षेत्र में कठिन रास्तों, विषम मौसम और सीमित ऑक्सीजन के बीच दौड़ पूरी करना बड़ी उपलब्धि है।

उन्होंने आयोजन में सहयोग के लिए भारतीय सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के अधिकारियों और जवानों की सराहना की तथा उन्हें सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अगले वर्ष मई के प्रथम सप्ताह में '100 माइल्स हिमालयन एंड्योरेंस अल्ट्रा रन' आयोजित की जाएगी। लगभग 5,600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित माणा पास से शुरू होने वाली यह दौड़ बदरीनाथ और जोशीमठ होते हुए औली तक पहुंचेगी। इससे देश-विदेश के धावकों को उत्तराखंड की हिमालयी भौगोलिक परिस्थितियों और साहसिक पर्यटन की संभावनाओं को जानने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2025 में आयोजित आदि कैलाश परिक्रमा रन के पहले संस्करण में 700 से अधिक धावकों ने प्रतिभाग किया था। आयोजन की सफलता से क्षेत्र में साहसिक पर्यटन को नई पहचान मिली है। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल आदि कैलाश क्षेत्र के लिए जारी इनर लाइन परमिट की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सीमांत गांवों को अंतिम गांव के बजाय देश के प्रथम गांव के रूप में विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के अनुरूप सीमांत क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं और पर्यटन गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदि कैलाश परिक्रमा रन जैसे आयोजनों से होमस्टे संचालकों, स्थानीय गाइडों, परिवहन व्यवसायियों और होटल व खानपान से जुड़े लोगों को लाभ मिल रहा है। सरकार का प्रयास है कि पर्यटन विकास का सीधा लाभ स्थानीय समुदायों तक पहुंचे और सीमांत क्षेत्रों से पलायन रोकने में मदद मिले। उन्होंने बताया कि इस वर्ष नीति घाटी में भी अल्ट्रा रन का आयोजन किया गया। उत्तराखंड में ट्रेकिंग, पर्वतारोहण, रिवर राफ्टिंग, कयाकिंग, पैराग्लाइडिंग, माउंटेन साइक्लिंग और एंगलिंग जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। औली, मुनस्यारी, ऋषिकेश और टिहरी में भी साहसिक पर्यटन का विस्तार हो रहा है। कार्यक्रम में दर्जा राज्यमंत्री एवं उत्तराखंड जनजाति सलाहकार परिषद के उपाध्यक्ष अशोक सिंह नबियाल, सचिव पर्यटन धीराज सिंह गर्ब्याल, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दीपक सैनी, भारतीय सेना, आईटीबीपी और एसएसबी के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पंजाब में पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट लागूः गृह विभाग ने जारी की अधिसूचना

चण्डीगढ़-पंजाब, एजेंसी। पंजाब में अब नशा तस्करों पर और सख्ती से नकेल कसी जा सकेगी। सूबे में नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार ने पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट, 1988 लागू कर दिया है। नशा तस्करों और संदिग्ध लोगों को निवारक हिरासत (नजरबंदी) में रखने का प्रावधान किया गया है। इसके लिए पंजाब के गृह विभाग की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके तहत पुलिस कमिश्नरों और पुलिस रेंज के प्रभारी आईजी रैंक या उससे ऊपर के अधिकारियों को अपने निर्धारित अधिकार क्षेत्र में कार्रवाई करने की शक्ति दी गई है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जिन पुलिस कमिश्नरेट, रेंज और मुख्यालय इकाइयों में आईजी रैंक का अधिकारी उपलब्ध नहीं है, वहां छह वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को भी विशेष रूप से अधिकृत किया गया है। इनमें विशेष डीजीपी एएस राय, एडीजीपी गौतम चीमा, शिव वर्मा, कौस्तुभ शर्मा, नौनिहाल सिंह और आईजीपी एस. भूपति शामिल हैं। इन अधिकारियों का अधिकार क्षेत्र डीजीपी निर्धारित करेंगे।

पंजाब का गैरी कनाडा में बना विधायक: 50.7 प्रतिशत वोट लेकर दर्ज की जीत



अबोहर, एजेंसी। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के चुनाव में भारतीय मूल के राजनेता गैरी थिंड ने सरे-गिल्डफोर्ड सीट से जीत दर्ज की है। मूल रूप से अबोहर के निवासी गैरी थिंड ने कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ते हुए 50.7 प्रतिशत मत हासिल किए और एनडीपी के मौजूदा विधायक गैरी बेग को पराजित किया। अबोहर की सुंदर नगरी के निवासी गैरी थिंड पूर्व कांग्रेस पार्षद अमरीक सिंह थिंड के बेटे हैं। उन्होंने शुरुआती स्कूली शिक्षा अबोहर से प्राप्त की और इसके बाद इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। उनके परिचितों के अनुसार, वह वर्ष 1999 में कनाडा चले गए थे। पेशे से गैरी थिंड रियल एस्टेट कारोबारी हैं। इसके अलावा वह पिछले करीब 14 वर्षों से प्रबंधन और सेल्स-मार्केटिंग के क्षेत्र में भी सक्रिय रहे हैं। चुनाव से ठीक एक सप्ताह पहले हुए स्थानीय निकाय चुनाव में वह सरे स्कूल बोर्ड के ट्रस्टी भी चुने गए थे। गैरी थिंड की जीत की खबर के बाद अबोहर में भी उनके परिचितों और शुभचिंतकों की ओर से बधाई संदेश साझा किए जा रहे हैं। उनकी इस सफलता को अबोहर से कनाडा तक जुड़े उनके पारिवारिक और सामाजिक संबंधों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बता दें कि इस बार ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में कंजर्वेटिव पार्टी ने ही बहुमत हासिल किया है।

हरियाणा के चार जिलों में ओलावृष्टि: आज भी तेज हवा चलने और हल्की बारिश के आसार



हिसार, एजेंसी। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से शनिवार हिसार, जींद, फतेहाबाद, भिवानी में हल्की बूंदाबांदी और कुछ जगहों पर ओलावृष्टि हुई। भिवानी में तेज आंधी चली। मौसम विभाग ने रविवार को भी हल्की बारिश व तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। मौसम में आए बदलाव की वजह से प्रदेश में रात्रि तापमान में सामान्य के मुकाबले 2.4 डिग्री और अधिकतम में 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आई है। आने वाले दिनों में इसमें और इजाफा दिखेगा। मौसम विशेषज्ञ चंद्रमोहन ने बताया कि मध्यम श्रेणी का एक पश्चिमी विक्षोभ शुक्रवार रात से सक्रिय हुआ जिसका असर से सुबह से दिखाई दिया। हरियाणा, दिल्ली- एनसीआर में बादलों का प्रभाव रहा। महेंद्रगढ़ जिले में बिखराव वाली छिटपुट बूंदाबांदी हुई। दोपहर बाद पश्चिमी हिस्सों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, जींद, भिवानी जिले में तेज गति की हवा, आंधी का असर रहा। शाम पांच बजे के बाद हल्की बारिश और कहीं-कहीं छिटपुट ओलावृष्टि की गतिविधियां दर्ज की गईं। डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि शुक्रवार रात भी रोहतक, झज्जर, कैथल, जींद, कुरुक्षेत्र में हल्की बारिश और छिटपुट ओलावृष्टि हुई। इससे प्रदेश में अधिकतर स्थानों पर दिन और रात के तापमान में गिरावट आई है। उत्तरी जिलों में रविवार को भी मौसम ऐसा ही बना रहेगा। सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, जींद में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने और हल्की बारिश की उम्मीद है।चरखी-दादरी जिले में शुक्रवार को हुई बारिश और ओलावृष्टि से 12 गांवों में धान और कपास की फसलों को नुकसान हुआ है। इन गांवों में 11,765 एकड़ धान की फसल प्रभावित हुई है जो करीब 4,706 हेक्टेयर है। वहीं, 190 एकड़ यानी 76 हेक्टेयर में कपास की फसल को भी नुकसान हुआ है। पैंतावास कलां और अखत्यारपुरा में धान की फसल को 26 से 50 प्रतिशत तक नुकसान का अनुमान है।

थारा फूफा है जिंदा: प्रदर्शन में दूल्हा बने दादा दुलीचंद का निधन, निकाली थी बरात

रोहतक, एजेंसी। रोहतक में चार साल पहले सामाजिक कार्यकर्ता नवीन जयहिंद की ओर से बुढ़ापा पेंशन कटने पर चलाए अभियान थारा फूफा है जिंदा के नायक रहे 106 साल के दादा दुलीचंद का देहांत हो गया है। उनका रविवार को पैतृक गांव गांधरा में अंतिम संस्कार किया। वे सांपला खंड में सबसे ज्यादा उम्र के बुजुर्ग रहे। जांच के दौरान साल 2022 में बुढ़ापा पेंशन काट दी गई। कई ऐसे बुजुगों की भी पेंशन काटी गई जो जिंदा थे। इसके विरोध में शहर में अनोखा प्रदर्शन किया गया था। उस समय 102 साल के दुलीचंद को दुल्हा बनाकर बरात निकाली गई। खुद दुलीचंद की भी पेंशन काट दी गई थी, जिसे प्रदर्शन के बाद चालू कर दिया गया। परिवार में दुलीचंद के छह बेटे व चार बेटियां हैं। 70 सदस्यीय परिवार में 40 के करीब पोत्र व पोत्री, दोहते व दोहतियां हैं।

झोटा हत्याकांड: इंसाफ की मांग को लेकर पंजाब में झाड़ू फूंक प्रदर्शन



बठिंडा, एजेंसी। मानसा के परविंदर सिंह उर्फ झोटा हत्याकांड में परिवार को इंसाफ दिलाने की मांग को लेकर इंसाफ मोर्चा के आह्वान पर रविवार को पूरे पंजाब में झाड़ू फूंक प्रदर्शन किए गए। इसी कड़ी में प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां, किसान यूनियन सिद्धूपुर समेत अन्य संगठनों ने झाड़ू जलाकर पंजाब सरकार के खिलाफ रोष जताया और अपनी मांगें उठाईं।प्रदर्शन के दौरान किसान नेताओं ने कहा कि झोटा के परिवार को इंसाफ दिलाने और पंजाब में नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। किसान नेता शिंगारा सिंह ने कहा कि झोटा के परिवार के साथ केवल किसान ही नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के लोग भी खड़े हैं। उन्होंने कहा कि इंसाफ मिलने तक आंदोलन जारी रखा जाएगा। वहीं, जगदीश सिंह ने कहा कि उनकी प्रमुख मांगों में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का इस्तीफा शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार अन्य मांगों को पूरा करने के लिए तैयार हो सकती है, लेकिन जब तक मुख्यमंत्री और डीजीपी के इस्तीफे की मांग पूरी नहीं होती, तब तक आंदोलन का समाधान संभव नहीं है। जगदीश सिंह ने पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति और नशे की समस्या पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने दोहराया कि झोटा के परिवार को इंसाफ दिलाने और अपनी मांगों को मनवाने के लिए उनका संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

हांसी पहुंचे गायक मासूम शर्माः हरियाणवी फिल्म इंडस्ट्री को लेकर की चर्चा



• हिसार, एजेंसी।

हरियाणवी गायक कलाकार मासूम शर्मा रविवार को अपने परिवार पंडित अन्नू शर्मा के घर हांसी पहुंचे। यहां आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने हरियाणवी संगीत, फिल्म इंडस्ट्री, गन कल्चर, हरियाणवी भाषा और कलाकारों व कारोबारियों को निशाना बनाए जाने जैसे मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हांसी उनका अपना घर है और यहां अपने परिवार पंडित अन्नू शर्मा के घर आना हुआ है।

हरियाणवी फिल्म इंडस्ट्री और आने वाली फिल्मों को लेकर मासूम शर्मा ने कहा कि हरियाणवी सिनेमा में बनने वाली सभी फिल्मों को समर्थन मिलना चाहिए। वह खुद भी हरियाणवी फिल्मों को सपोर्ट कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी अपनी फिल्म भी आने वाली है, जिस पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणवी सिनेमा को आगे बढ़ाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने चाहिए। हरियाणा में गन कल्चर को लेकर चल रही चर्चा पर गायक ने स्पष्ट कहा कि गन कल्चर नहीं होना चाहिए।

यह केवल हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश में नहीं होना चाहिए। उनके मुताबिक, इस मुद्दे को व्यापक स्तर पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा अपनी मां बोली को आगे बढ़ाना सभी की जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति अपने पेशे के माध्यम से समाज में योगदान देता है। लेखक अपनी कलम से, गायक अपनी आवाज से और चित्रकार अपनी कला के जरिए योगदान देता है। इसी तरह पत्रकार भी मीडिया के माध्यम से अपनी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपने-अपने तरीके से हरियाणवी भाषा और संस्कृति को बचाने तथा अपनी मां बोली को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

राखीगढ़ी महोत्सवः सात हजार साल पुराना बिना जोड़ वाला मिट्टी का झुनझुना खोलेगा इतिहास के राज

• हिसार, एजेंसी।



राखीगढ़ी की खोदाई में मिले पुरातात्विक अवशेष देश-दुनिया के शोधार्थियों का विषय रहे हैं लेकिन इन दिनों चल रहे महोत्सव में प्रदर्शनी में रखा गया गोलाकार झुनझुना आकर्षण का केंद्र बना है। सामान्य गेंद के आकार के मिट्टी से बने इस खिलौने पर काफी संख्या में छोटे-छोटे छेद बने हैं। इसे करीब 7000 साल पुराना माना जा रहा है। आश्चर्य की बात कि इस झुनझुने पर कहीं कोई जोड़ नहीं है।राखीगढ़ी में स्थित 9 टीलों में से अब तक सात में खोदाई हो रही है। इन टीलों में खोदाई के दौरान मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े, मूर्तियां, पशुओं की आकृति वाले खिलौने, ईंट, धातु के औजार सहित अन्य सामान मिला है।

रिसर्च स्कॉलर इन वस्तुओं पर गहराई से शोध कर रहे हैं। मिट्टी के आकार से लेकर बर्तनों पर बनी कला को लेकर शोध किया जा रहा है। झुनझुने पर भी शोध किया जा रहा है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बिना किसी जोड़ के इसे किस तरह तैयार किया गया। इसके अंदर क्या डाला गया है जिससे इसे हिलाने पर छन-छन की आवाज आती है। छेद इतने छोटे हैं कि अंदर कुछ डाला जाना संभव नहीं दिख रहा। इतिहास के शिक्षक बलजीत सिसाय बताते हैं कि इस कलाकृति का डिजाइन हैरत में डालने वाला है। करीब 7 हजार साल पहले भी विकसित इंजीनियरिंग थी। यह पूरी तरह से सुरक्षित अवस्था में मिला है। ऐसे में मान सकते हैं कि यह काफी मजबूत भी है। इसके अंदर मिट्टी, बजरी है या धातु की गोलियां, इसका अब तक पता नहीं चला है।

इतिहासकार डॉ. महेंद्र सिंह बताते हैं कि यह हजारों साल पुरानी कला है। इस बारे में शोध की जरूरत है। उस समय भी बच्चों के खेलने के लिए इस तरह के झुनझुने बनाए जाते थे। धातु शायद कम रही होगी या सामान्य लोग उसका उपयोग नहीं कर पाते होंगे। इस कारण उस समय के अधिकतर बर्तन, मूर्तियां, गहने आदि मिट्टी के मिलते हैं। खोदाई में मिट्टी के बर्तनों, गहनों और मूर्तियों के सबसे अधिक साक्ष्य मिले हैं। इन अवशेषों पर अलग-अलग स्तर पर शोध चल रहे हैं।

खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को प्रकृति फसल पैदावार पर जोर



• सोहना, ब्यूरो।

कृषि विभाग ने खेत बचाओं अभियान के तहत किसानों को अपने खेतों की उरवर्कता क्षमता बचाने को लेकर जागरुक करने का अभियान चलाया हुआ है। ताकि किसान अपने खेतों से कम खर्चे पर फसल की अधिक पैदावार कर सके। कृषि विभाग खंड के 74 गांवों में रहने वाले करीब 30 हजार किसानों को खेत बचाओं अभियान के तहत कम खर्चे में अधिक पैदावार लेने के गुरु सिखाएंगा। 74 गांवों के किसान करीब साढ 18 हजार हैक्टेयर पर जमीन पर खेती करता है। किसान अपने खेत से पैदावार लेने के लालच में किटनाश्यक दवाइयों का छिड़काव करता है। यूरिया व अन्य ऐसे रासायनिक पदार्थों का उपयोग करता है। जिनसे खेत में अधिक पैदावार हो सके। लेकिन अधिक पैदावार लेने के लालच में मिट्टी के अंदर पैदावार करने की क्षमता कम होती जा रही है। शरीर को नुकसान देने वाले उरवर्कों को बार-बार डालने से खेत की मिट्टी की ताकत कम हो रही है।

पराली न जलाने की सलाह

कृषि विभाग अपने खेत बचाओं अभियान के तहत किसानों को परीली नहीं जलाने की सलाह दे रहे है। क्योकि पराली जलाने से भी खेत की पैदावार क्षमता कम होती है। दूसरा पराली जलाने से प्रदूषण को बढ़ावा मिलता है। जिससे वातावरण दूषित होता है।

प्रकृति पैदावार पर ध्यान

कृषि विभाग की तरफ से 9 कर्मचारियों को 74 गांवों में रहने वाले किसानों का जागरुक करने के लिए लगाया गया है। कृषि कर्मचारी किसानों के साथ बैठक करते हुए प्रकृति फसल पैदावार लेने की सलाह दे रहे है। ताकि वर्तमान में रसायनिक पदार्थों को खेतों में डालकर पैदावार लेने तथा उरवर्कों के उपयोग से पैदा किया गया अनाज से जान लेवा बीमारियों शरी में पनप रही है। बीमारियों से शरीर को बचाने के लिए प्रकृति तरीके से उगाई जाने वाली फसलें की निरोग बनाने का काम करेगी।

किसानों को खेत बचाओं अभियान से प्रकृति फसल पैदावार की तरफ धीरे-धीरे ध्यान जाने की उम्मीद है। उनके कर्मचारी एक दिन में तीन से चार गांवों में जाकर किसानों के साथ बैठक कर रहे है।

(अनिल वर्मा-खंड कृषि विभाग अधिकारी)

अग्रवाल समाज का अग्रोहा धाम में सबसे बड़ा वार्षिक मेला, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कवींद्र गुप्ता पहुंचे



• हिसार, एजेंसी।

अग्रवाल समाज के सबसे बड़े धाम अग्रोहा में शरद पूर्णिमा पर रविवार को वार्षिक मेले का आयोजन किया गया है। धाम को रोशनी, फूलों और लड़ियों से सजाया गया है। सुबह पांच बजे शक्ति सरोवर में स्नान के साथ धार्मिक आयोजन शुरू हुए। मेले में भाग लेने के लिए हरियाणा, पंजाब, राजस्थान चंडीगढ़, बिहार, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों से श्रद्धालु पहुंचे हैं। मेले में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता, प्रदेश के निकाय मंत्री विपुल गोयल, पंजाब के मंत्री वीरेंद्र गोयल, राज्यसभा के पूर्व सदस्य डॉ. सुभाष चंद्रा और हिसार की विधायक सावित्री जिंदल मुख्य मंच से संबोधित किया। हरियाणवी कलाकार मासूम शर्मा और भजन गायिका अंजनी द्विवेदी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। मेले में खानपान के सामानों से लेकर घरेलू कामकाज के लिए प्रयोग होने वाले सामान की कई स्टाल लगी हुई हैं। बच्चों के लिए खिलौने की स्टाल भी सजाई गई है। श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया है। धाम के प्रमुख रास्तों पर पुलिस और निजी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है।

गुरुग्राम एलिवेटेड मार्ग स्ट्रीट लाइट से होगा जगमग

• सोहना, ब्यूरो।



गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड मार्ग पर लगी स्ट्रीट लाइटें जगमग होगी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधीकरण एसोसिएशन ने मार्ग की खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक करने का अभियान चलाया हुआ है। गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड मार्ग पर चलने वाले वाहन चालकों को सर्दी के मौसम में होने वाले कोहरे व धूंध में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके लिए एक बाद एक सुविधाएं एनएचएआई करने में जुटी है। हाल ही में मार्ग पर जेबरा व मार्ग दिशा निर्देश के तहत सफेद रंग की पट्टियों बनवाई गई थी। मार्ग दिशा के बाद अब एनएचएआई मार्ग पर गली स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत करा रहा है। ताकि वाहन चालकों को रात के समय में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

वाहन चालकों को सर्दी के मौसम में होने वाले कोहरे व धूंध के दौरान स्ट्रीट लाइटें जलने से मार्ग सही से नजर आ सके। मार्ग जमगम होने से वाहन चालकों को अपने आगे-पीछे और साइड में चलने वाले वाहन सही नजर आए।

हादसे होने का डर समाप्त

किसी भी मार्ग पर स्ट्रीट लाइटें की जग-मगाहट और सफेद रंग की पट्टियों होने से सड़क हादसों की संख्यां में गिरावट आती है। कोहरा और धूंध छाने के दौरान सड़क हादसे होने का डर बना रहता है। एनएचएआई ने वाहन चालको के मन से इसी डर को समाप्त करने के उद्देश्य से मार्ग पर यातायात नियमों के तहत सुविधाएं देने में कोई कमी नहीं छोड़ रहा है। सुविधाएं उपलब्ध होने से हादसों की संख्या कम हो जाती है। जिस वाहन पर सुविधा अधिक होती है। उस पर चालक बिना किसी डर के वाहन को आसानी से चलाकर ले जाते है।

एनएचएआई यातायात निमयों की पलना करने में हमेशा सजग रहता है। वाहन चालकों को अच्छी सुविधा देने में अग्रीम कार्य किए जा रहे है। समय से पहले सुविधाओं को उपलब्ध कराया जा रहा है। ताकि राष्ट्रीय राजमार्गों पर चालक अपने वाहन को बिना किसी डर के आसानी से चला सकेंगे।

(वैभव शर्मा-वरिष्ठ प्रबंधक एन-एचएआई घामडौज टोल

राजकीय स्कूलों में सांझी प्रतियोगिता में अभिभावम महिलाओं ने सांस्कृति कार्यक्रमों में लिया भाग

• सोहना, ब्यूरो।



खंड के राजकीय स्कूलों में चल रही दो दिवसीय सांझी प्रतियोगिता के दूसरे दिन छात्रों की अभिभाक महिलाओं के सांस्कृतिक कार्यक्रम कराए गए। सांस्कृतिक कार्यों में अभिभावक महिलाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और गीत गाते हुए जमकर डांस किया। शुक्रवार व शनिवार को खंड के सभी प्राथमिक, मिडल, हाई व सीनियर सैकेंडरी स्कूलों में सांझी के तहत प्रतियोगिताएं कराई गई। पहले दिन छात्रों से सांझी बनावाई गई। दूसरे दिन शनिवार को पहले सुबह अभिभावक और शिक्षकों के बैठकें चली। जिसमें अभिभावकों ने अपने बच्चों के शिक्षा स्तर की जानकारी ली और कमियों को दूर करने पर विचार-विमर्श किया गया।

आज की इस बैठक में विद्यार्थियों की माताओं को बुलाया गया। ताकि शिक्षा विभाग द्वारा सांझी प्रतियोगिता में महिलाओं की भागीदारी को महत्व दिया गया। सांझी प्रतियोगिता के तहत महिलाओं ने छात्राओं के साथ सांझी बनाई। उसके बाद महिलाओं ने हरियाणवी गीत गाते हुए जमकर डांस किया। महिलाओं के संग छात्राओं ने भी जमकर डांस किया। राजकीय मिडल स्कूल सांप की नंगली में प्राइमरी शाखा के प्रभारी सुरेन्द्र मलिक ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियो-गिताओं से बच्चे और अभिभावकों के बीच डर की भावना समाप्त होती है। अभिभावकों को बच्चों के साथ एक मैत्री व्यवहार के तहत रहने से विद्यार्थी हर कमी को समझाने का मौका मिलता है। विशेष रुप से महिलाओं को छात्राओं के बीच तालमेल होने से उत्साह व हौंसला बढ़ता है।

खंड के सभी स्कूलों में सांझी प्रतियो-गिताओं में विद्यार्थियों और अभिभावकों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। प्रतियोगिता का पूरा आनंद लेते हुए उन्हे पूर्ण किया। शिक्षा विभाग की यह पहल विद्यार्थी और अभिभावकों को काफी पसंद आई।

(रेणु चावला-खंड शिक्षा अधिकारी सोहना)

चालक की लापरवाही

यात्रियों से भरे ऑटो में मारी टक्कर, 15 महिला मजदूर समेत 17 लोग घायल

• सोहना, ब्यूरो।

गुरुग्राम जाने वाले एलिवेटेड मार्ग पर तेज रफ्तार गाड़ी चालक ने लापरवाही बरतते हुए सामने सवारियों से भरकर जा रहा ऑटों में पीछे से टक्कर मार दी। गाड़ी की टक्कर से यात्रियों से भरा ऑटो सड़क पर चार बार कालाबाजी करते हुए पलट गया। जिमसें चालक समेत कुल 17 यात्री घायल हो गए। घायलों में 15 मजदूर महिलाएं शामिल है। जिन्हे सोहना के नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहा से डॉक्टरों ने सभी घायलों को गुरुग्राम के लिए रेफर कर दिया। रविवार की सुबह सोहना से गुरुग्राम जाने वाले एलिवेटेड मार्ग स्थित सेंट्रल पार्क सोसाइटी में मजदूरों को लेकर ऑटो जा रहा था। ऑटों में चालक समेत कुल 17 यात्री थे। जिनमें एक युवक और 15 महिलाएं थी। एलिवेटेड मार्ग के सर्विस रोड पर शहर की चूंगी नंबर एक पास अज्ञात चालक अपनी एक्सयूवी गाड़ी को तेज रफ्तार में पीछे से लाया और ओवर टेक करने की जल्दबाजी में यात्रियों से भरे ऑटों में टक्कर मार दी। गाड़ी की टक्कर लगने के साथ ही ऑटो चार बार कलाबाजी करते हुए सड़क पर पलट गया। ऑटों में बैठी सभी महिलाएं पलटी खाने के दौरान सड़क पर गिरती चली गई। हादसे को होता देख आसपास खड़े लोग दौड़कर आए और अज्ञात चालक की गाड़ी को रुकवाते हुए उसे दबोच लिया।

सड़क पर घायल अव्यवथा में पड़ी सवरियों की मदद करते हुए एक बाद एक को निजी वाहनों की सहायता से नागरिक अस्पताल में पहुंचाया। जहा मौजूद स्वास्थ्य विभाग कर्मचारी व डॉक्टर घायलों को उपचार देने में जुट गए। मदद के लिए अन्य कर्मचारियों को भी बुला लिया। इस हादसे में दो महिलाओं को सिर में चोटें आई और एक महिला को सिर में चोट के अलावा दाया पैर टकने से ऊपर टूट गया। शहर की आईटीआई



कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय गायत्री की हालत अधिक नाजुक होने के साथ ही उसे सबसे पहले गुरुग्राम के लिए रेफर कर दिया। जबकि अन्य घायलों को बारी-बारी से रेफर किया।

हादसे में घायलों की हुई पहचान

सोहना में हुई सड़क दुर्घटना में ऑटो सवार सभी घायल महिलाओं की उम्र 30 से 54 वर्ष के बीच की है। जिनकी पहचान गीता लाखूवास, ज्योति गांव आटा जिला नूंह, बबीता लाखूवास, अनिता आईटीआई कॉलोनी सोहना, राजेश लाखूवास, मंजू करण की खेड़ली, गीता लाखूवास, पूनम लाखूवास, ग्यासो करण की खेड़ली, शीला सोहना, बीना लाखूवास, सविता लाखूवास, खातूनी आईटीआई कॉलोनी, रजनी लाखूवासख् सविता पहाड़ कॉलोनी सोहना शामिल है। ऑटो चालक धुनेला निवासी रुकुमुद्दी और 24 वर्षीय बॉबी गांव लाखूवास निवासी शामिल है। गाड़ी चालक नशे में धुत घटना स्थल पर पकड़ा गया आरोपी गाड़ी चालक की पहचान जगरुप निवासी वार्ड 6 डिफेंस कॉलोनी बालूदा रोड सोहना के रुप में हुई है। आरोपी चालक शराब के नशे में धुत था। जिसे लोगों ने पकड़कर शहर थाना पुलिस को सौंप दिया है। आरोपी की गाड़ी को भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। शिकायत मिलने पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया जाएगा।

डेढ माह में दूसरी बार पटला ऑटो

गुरुग्राम एलिवेटेड मार्ग पर बीतें डेढ़ माह में यह दूसरा हादसा है। जबकि यात्रियों से भरा ऑटो पलट और ऑटों में बैठे यात्रियों को काफी चोटें लगी। 17 सितम्बर को गुरुग्राम से आते समय जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी के सामने भी यात्रियों से भरा ऑटो पलटा था। उस ऑटों में चालक समेत 16 लोग सवार थे। जिसमें एक शिक्षिका और 14 छात्राएं थी। ऑटो पलटने से शिक्षिका समेत 6 छात्राएं घायल हुई थी। सोहना से नूंह, पलवल, बल्लभगढ़, भोंडसी, गुरुग्राम, तावडू और ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर दौड़ रहे ऑटो चालक अधिक कमाई के लालच में यातायात के नियमों की पालना न करते क्षमता से अधिक यात्रियों केा बैठा लेते हैं।

मैं बस आख़िरी गेंद तक टिक कर खेलना चाह रहा था : तिलक वर्मा

• क्राइस्टचर्च, एजेंसी



न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ दूसरे टी 20 में 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम एक समय 70 रन पर पांच विकेट गंवाकर गहरे संकट में थी। ऐसी मुश्किल परिस्थिति में तिलक वर्मा ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली और नमन धीर एवं नीतीश कुमार रेड्डी के साथ मिलकर भारत को मैच में बनाए रखा। तिलक और रेड्डी ने सातवें विकेट के लिए महज़ 31 गेंदों पर 69 रन की अटूट साझेदारी करके भारत को चार विकेट से जीत दिलाई। यह पुरुष टी20 में भारत की ओर से सातवें या उससे निचले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। साथ ही, भारत ने पांचवां विकेट गिरने के बाद 111 रन बनाए, जो टी20 में उसका इस स्थिति से सबसे बड़ा सफल रन चेज़ है।

मैच के हीरो रहे तिलक वर्मा ने 26 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए। प्लेयर ऑफ़ द मैच चुने जाने के बाद तिलक ने कहा, "जब मैं बल्लेबाज़ी के लिए उतरा, तो मरा ध्यान सिर्फ़ आख़िरी गेंद तक टिके रहने पर था। आज के मैच से पहले मेरी गौतम (गंभीर) सर और (सितांशु) कोटक सर से बात हुई थी। उन्होंने कहा था कि पूरे देश को तुम पर भरोसा है और अगर तुम अंत तक खड़े रहे, तो हम यह मैच जीत सकते हैं।"

पिच पहले मैच जैसी नहीं थी, जहां 225 रनों के लक्ष्य को भारत ने दो गेंद शेष रहते हासिल कर लिया था। इस पिच पर गेंद रुककर आ रही थी और मिचेल सैंटनर की अगुवाई में न्यूज़ीलैंड के स्पिनरों ने भारतीय मध्य क्रम को जकड़ लिया था। सैंटनर ने 21 रन देकर चार विकेट झटके। 15वें ओवर में जब धीर (17 गेंदों पर 31 रन) आउट हुए, तब भारत का स्कोर छह विकेट पर 112 रन था और टीम को आख़िरी पांच ओवरों में 68 रन बनाने थे।

तिलक ने स्पिनरों के ख़िलाफ़ अपनी रणनीति और रेड्डी के साथ तालमेल पर बात करते हुए कहा, "मैं नमन से भी कह रहा था कि हमें अंत तक टिके रहना होगा। विकेट धीमा था।

योजना यह थी कि स्पिनरों के ख़िलाफ़ संभलकर खेलें और डबल्स निकालें। हमने स्पिन के ख़िलाफ़ चार-पांच बार दो रन लिए, जो बेहद अहम साबित हुए। बदक़िस्मती से मिचेल के आख़िरी ओवर में नमन आउट हो गए, वरना हम यह मैच 18वें ओवर में ही जीत जाते। इसके बाद हम दो हैदराबादी लड़के (मैं और रेड्डी) साथ आए और मुझे ख़ुशी है कि हम मैच ख़त्म करके लौटे। हमने काफ़ी अच्छे अंदाज़ में मैच फ़िनिश किया।"

आख़िरी पांच ओवर भारत के लिए निर्णायक साबित हुए। टीम ने 16वें ओवर से लेकर 19.5 ओवर तक बिना कोई विकेट गंवाए 68 रन बनाए। तिलक ने इस दौरान आक्रामक बल्लेबाज़ी की और रेड्डी ने दूसरे छोर से उनका बख़ूबी साथ दिया।

तिलक का टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए रिकॉर्ड भी शानदार रहा है। वह जब भी चेज़ में नाबाद रहे हैं, उनकी टीम कभी नहीं हारी। वह 26 बार लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद रहे हैं और इन सभी मौक़ों पर उनकी टीम को जीत मिली है।

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी जीत के बाद दोनों युवा खिलाड़ियों के जज़्बे की तारीफ़ की। उन्होंने कहा, "हमारी टीम का हर खिलाड़ी मैच विनर है और आज हमें इसका सटीक उदाहरण देखने को मिला। जब हमने लगातार विकेट गंवाए, तब लगा कि मैच हाथ से फिसल रहा है। लेकिन नीतीश और तिलक ने ज़बरदस्त कैरेक्टर दिखाया।" इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज़ में 2-0 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली है।

राहुल-जायसवाल फिर फ्लॉप, पड्डिकल-सुदर्शन ने इंडिया ए को उबारा

• वेलिंगटन, एजेंसी



देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन ने जुझारू बल्लेबाजी करते हुए भारत ए को न्यूजीलैंड ए के खिलाफ रविवार को यहां चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन शुरुआती झटकों से उबारा। पहली पारी में 113 रन पर आउट होने वाली भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक एक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 106 रन बनाए हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड ए ने अपनी पहली पारी में 317 रन बनाकर 204 रन की बढ़त हासिल की थी। इस तरह से भारतीय टीम अभी उससे 98 रन पीछे है।

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (05) और केएल राहुल (04) मैच में दूसरी बार फ्लॉप रहे, जिससे भारतीय टीम दूसरी पारी में 10 रन पर दो विकेट गंवाने से संकट में पड़ गई। इसके बाद पडिक्कल (89 गेंदों पर नाबाद 56 रन) और सुदर्शन (104 गेंदों पर नाबाद 39 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 96 रन की अटूट साझेदारी करके पारी को संभाला। इस साझेदारी में पडिक्कल अधिक आक्रामक खेले। उन्होंने अभी तक अपनी पारी में नौ चौके लगाए हैं, जबकि सुदर्शन ने पांच चौके जड़े हैं।

पडिक्कल ने पहली पारी में भी 77 गेंद पर 32 रन बनाए थे और तब उन्होंने लगभग दो घंटे क्रीज पर बिताए थे। भारत का दारोमदार पडिक्कल और सुदर्शन पर टिका है। यह दोनों अपनी साझेदारी को मजबूत करने की कोशिश करेंगे जिससे कि भारतीय टीम न्यूजीलैंड ए के सामने एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रख सके। भारतीय टीम कप्तान ध्रुव जुरेल, यश राठौड़ और वाशिंगटन सुंदर से अच्छे योगदान की उम्मीद करेगी।

न्यूजीलैंड ए ने सुबह अपनी पहली पारी तीन विकेट पर 135 रन से आगे बढ़ाई और उसकी टीम 89.3 ओवर में 317 रन पर आउट हो गई। मेजबान टीम के कप्तान रीस मारियू ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए 137 गेंदों पर 76 रन जबकि डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने 51 रन बनाए।

सलामी बल्लेबाज कर्टिस हीफी (44), क्रिस्टियन क्लार्क (42) और विकेटकीपर मिशेल हे (24) ने भी उपयोगी योगदान दिया। भारत के गेंदबाजों में अनुशासन की कमी थी और उन्होंने 46 अतिरिक्त रन दिए। भारतीय गेंदबाजों में तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज (52 रन देकर तीन विकेट) और औकिब नबी (69 रन देकर तीन विकेट) ने तीन-तीन विकेट लिए। आकाश दीप ने दो जबकि मुकेश चौधरी और वाशिंगटन सुंदर ने एक-एक विकेट लिया।

वाणी कपूर तीसरे दौर के बाद एक शॉट आगे, 10 साल बाद घरेलू खिताब जीतने की उम्मीद

• नई दिल्ली, एजेंसी



भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने हीरो वुमैन इंडियन ओपन के तीसरे दौर के बाद एक शॉट की बढ़त हासिल कर 10 साल बाद घरेलू चैंपियन बनने की उम्मीदें मजबूत कर दी हैं। पांच लाख डॉलर की इनामी राशि वाले लेडीज यूरोपियन टूर (एलईटी) टूर्नामेंट के तीसरे दौर में 32 वर्षीय वाणी ने तीन अंडर 69 का कार्ड खेला। उनका कुल स्कोर पांच अंडर 211 है।

वह गत चैंपियन सिंगापुर की शैनन टैन और थाईलैंड की तीन बार की विजेता पोर्नानॉन्ग फाटलम से एक शॉट आगे हैं। टैन ने तीसरे दौर में 67 जबकि फाटलम ने 69 का कार्ड खेला। भारत की अदिति अशोक ने 2016 में इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था।

उसके बाद से कोई भारतीय गोल्फर घरेलू धरती पर यह खिताब नहीं जीत सकी है। डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में वाणी के पास अब इस लंबे इंतजार को खत्म करने का सुनहरा अवसर है। तीसरे दौर में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन कुल मिलाकर अच्छा रहा। बीमारी और थकान से जूझ रहीं एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स को तीसरे दौर में थोड़ा नुकसान हुआ। वह तीसरे दौर से पहले संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर थीं, लेकिन 73 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त चौथे स्थान पर खिसक गईं। प्रणवी का कुल स्कोर तीन अंडर 213 है।

अर्जेंटीना की मैग्डालेना सिमरमाकर भी इसी स्कोर के साथ उनके साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। प्रणवी ने पहले दो दौर में 70-70 का कार्ड खेला था जबकि तीसरे दौर में उनका स्कोर एक ओवर रहा। भारत की त्वेसा मलिक ने भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए खिताब की उम्मीदें बरकरार रखी हैं।

अर्शदीप ने 2026 में 38 टी20 विकेट लेकर भारतीय रिकॉर्ड बनाया

• क्राइस्टचर्च, एजेंसी



बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय गेंदबाजों के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है, वह 2026 में 38 विकेट लेकर एक कैलेंडर वर्ष में इस प्रारूप में देश के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं।

अर्शदीप ने भुवनेश्वर कुमार के 37 विकेट के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 2022 में यह उपलब्धि हासिल की थी। यह मील का पत्थर भारत के टी20 गेंदबाजी आक्रमण के लिए अर्शदीप के बढ़ते महत्व और सबसे छोटे प्रारूप में उनकी निरंतरता को रेखांकित करता है।

अर्शदीप की नवीनतम सूची भी उन्हें पूर्ण सदस्य देशों के बीच टी20 में एक कैलेंडर वर्ष में अग्रणी विकेट लेने वालों में रखती है। आयरलैंड के जोश लिटिल ने 2022 में 39 विकेट लेकर बेंचमार्क कायम रखा, जबकि श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा ने 2024 में 38 विकेट लिए।

भारतीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने अब तीन मौकों पर देश के वार्षिक गेंदबाजी रिकॉर्ड में प्रमुखता से जगह बनाई है, उन्होंने 2024 में 36 और 2022 में 33 विकेट लिए हैं। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने भी 2025 में 36 विकेट लिए हैं, जबकि अक्षर पटेल ने 2026 में 32 विकेट लिए हैं।

नवीनतम सांख्यिकीय मील के पत्थर क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के दूसरे टी20 से सामने आए, जिसमें मेजबान टीम ने उल्लेखनीय मध्यक्रम बल्लेबाजी प्रदर्शन भी देखा।

ग्लेन फिलिप्स ने 70 और बेवॉन जैकब्स ने 58 रन बनाए, जो एक ही टी20 पारी में अर्धशतक दर्ज करने के लिए नंबर 4 या उससे नीचे बल्लेबाजी करने वाली न्यूजीलैंड की नवीनतम जोड़ी बन गई। पिछले उदाहरणों में 2019 में श्रीलंका के खिलाफ कॉलिन डी ग्रैंडहोम और टॉम ब्रूस, 2024 में पाकिस्तान के खिलाफ डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स, और उस वर्ष के अंत में श्रीलंका के खिलाफ मिशेल और माइकल ब्रेसवेल शामिल थे।

भारत के खिलाफ टी20 में भी यह उपलब्धि दुर्लभ है। दक्षिण अफ्रीका के रैसी वैन डेर डुसेन और डेविड मिलर ने 2022 में दिल्ली में अर्धशतक बनाए, जबकि एडेन मार्करम और मिलर ने उसी साल पर्थ में यह उपलब्धि हासिल की। ऑस्ट्रेलिया के टिम डेविड और मार्कस स्टोइनिस ने भी 2025 में होबार्ट में भारत के खिलाफ दोहरा रिकॉर्ड बनाया था।

भारत की पारी में देर से तेजी देखी गई, टीम ने पहले 10 ओवरों में तीन विकेट पर 66 रन बनाए और बाकी 10 ओवरों में तीन विकेट पर 114 रन जोड़े, जो दूसरे हाफ के दौरान स्कोरिंग में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

दिए गए सांख्यिकीय आंकड़ों के अनुसार, मैच ने भारत के विस्फोटक शुरुआती दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला, जिसमें अभिषेक शर्मा ने टी20 के पहले छह ओवरों में 100 छक्के लगाए। वह रोहित शर्मा से आगे निकल गए, जो 98 के साथ समाप्त हुए, जबकि न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल 97 के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

चीनी एक सप्ताह में 54 रुपये महंगी, चावल, गेहूं, दालों में तेजी



• नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी औसतन 54 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई। चीनी के साथ चावल, गेहूं और दालों के दाम भी बढ़ गए जबकि खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा।

त्योहारी मांग आने से चीनी में लगातार तीसरे सप्ताह तेजी रही। बीते सप्ताह मीठे के बाजार में चीनी का औसत भाव 54 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 5,443 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। गुड़ भी 32 रुपये महंगा हुआ। खुदरा बाजार में भी चीनी में 73 पैसे प्रति किलोग्राम की औसत बढ़त रही।

सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत तीन रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 4,315 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं की कीमत 20 रुपये बढ़कर 2,910 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। आटा भी 28 रुपये महंगा हुआ और 3,377 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 98 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। चना दाल 86 रुपये और उड़द दाल 51 रुपये महंगी हुई। मूंग दाल की कीमत 31 रुपये और मसूर दाल की 10 रुपये बढ़ गई।

बीते सप्ताह सरसों तेल औसतन 110 रुपये और मूंगफली तेल 63 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वनस्पति में 38 रुपये और सोया तेल में 22 रुपये की तेजी रही। वहीं, पाम ऑयल 20 रुपये फिसल गया। सूरजमुखी तेल की कीमत कमोबेश पिछले कारोबारी दिवस पर ही स्थिर रही।

गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग रिकॉर्ड 41500 करोड़ रुपये पहुंचने का अनुमान

• नई दिल्ली, एजेंसी



रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज के चेयरपर्सन पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि कंपनी की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष में 22 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 41,500 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है। गोदरेज ने कहा कि आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग से कंपनी अपने सालाना लक्ष्य को पार कर सकती है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि जिन बाजारों में कंपनी की मौजूदगी है, वहां उसकी नई और पहले से चल रही आवासीय परियोजनाओं में ग्राहकों की मांग काफी मजबूत बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता के बावजूद समूचे रियल एस्टेट बाजार में आवासीय संपत्तियों की मांग बनी हुई है और इसमें स्थिरता है। पिरोजशा ने कहा कि कंपनी बिक्री बुकिंग, नई परियोजनाओं की शुरुआत, ग्राहकों से धन संग्रह, परियोजनाओं की आपूर्ति और जमीन अधिग्रहण सहित सभी प्रमुख मानकों पर अपने सालाना लक्ष्य को हासिल करने या उससे बेहतर प्रदर्शन करने की राह पर है। उन्होंने कहा, ''चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में हमें 22,500 करोड़ रुपये से 25,000 करोड़ रुपये तक की बिक्री की उम्मीद है।

इस दायरे का निचला स्तर भी हमें अपने पिछले लक्ष्य से आगे ले जाएगा, जबकि ऊपरी स्तर पर हम लक्ष्य से काफी बेहतर प्रदर्शन करेंगे और सालाना आधार पर 20 प्रतिशत वृद्धि हासिल करेंगे।'' बीते वित्त वर्ष 2025-26 में गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 34,171 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेची थीं। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बिक्री बुकिंग का लक्ष्य 39,000 करोड़ रुपये रखा था। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कंपनी की बिक्री बुकिंग सात प्रतिशत बढ़कर 16,659 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 15,587 करोड़ रुपये थी।

पिरोजशा ने कहा, ''हमारी ऐसी कोई परियोजना नहीं है जहां बिक्री या मांग को लेकर हम निराश हों। कंपनी के स्तर पर मांग काफी मजबूत रही है।'' उन्होंने बताया कि चालू परियोजनाओं में बिक्री बुकिंग भी मजबूत रही है। सितंबर तिमाही में इन परियोजनाओं से बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 83 प्रतिशत बढ़कर 5,054 करोड़ रुपये हो गई। भविष्य की संभावनाओं पर उन्होंने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही कंपनी के लिए बिक्री के लिहाज से अबतक की सबसे अच्छी तिमाही हो सकती है, क्योंकि इस दौरान कई बड़ी परियोजनाएं पेश की जानी हैं।

वीकली अपडेट

सर्राफा बाजार की गिरावट पर ब्रेक, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

• नई दिल्ली, एजेंसी



घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,580 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,700 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,30,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,20,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरावट आने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 5,080 रुपये प्रति 10 ग्राम तक फिसल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 4,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। चांदी भी कमजोर ग्लोबल संकेतों की वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार में लगातार गिरावट का सामना करता रहा। आज की तेजी के बावजूद चांदी का भाव सप्ताहिक आधार पर 9,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक गिर गया।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,42,580 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,30,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,42,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,30,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पेज 1 का शेष

बैंकिंग सुरक्षा बेहद जरूरी...

पीएम मोदी ने कहा, 'यही सुशासन का मतलब है।' उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में उन लोगों तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने पर ध्यान दिया गया, जो पहले इनसे दूर थे। अब आने वाले 10 साल में बैंकिंग व्यवस्था को और बेहतर और भरोसेमंद बनाने पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ओडिशा में बनाया गया नया डेटा सेंटर इस काम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर बैंकिंग व्यवस्था को सुरक्षित रखना है तो उसकी डिजिटल व्यवस्था की सुरक्षा भी जरूरी है। इसके लिए मजबूत डेटा सेंटर और बेहतर कंप्यूटर व्यवस्था की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज युद्ध केवल हथियारों से नहीं लड़े जाते। किसी देश की अर्थव्यवस्था पर हमला करके भी उसे कमजोर किया जा सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि जैसे-जैसे भारत आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है, वैसे-वैसे देश की बैंकिंग व्यवस्था को साइबर अपराधियों और साइबर आतंकवादियों से बचाना भी जरूरी हो गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि साइबर खतरे लगातार बदल रहे हैं। ऐसे में पुरानी व्यवस्था, पुराने प्रशिक्षण के तरीके और पुराने उपकरणों से इन नई चुनौतियों का सामना नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि देश को आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ ऐसे लोगों की भी जरूरत है, जिनके पास साइबर सुरक्षा से जुड़ी जरूरी जानकारी और कौशल हो। पीएम मोदी ने कहा कि भुवनेश्वर में शुरू किया गया नया साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

युद्ध कहीं भी हो...

दुनिया में चल रहे तनाव का जिक्र करते हुए जयशंकर ने कहा, 'आइए हम शांति की जरूरत पर विचार करें। आज के समय में कहीं भी होने वाला युद्ध, हर जगह की शांति को खतरे में डालता है।'

विदेश मंत्री ने यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी तनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत पूरी दुनिया की भावना को सामने रखते हुए यह मानता है कि किसी भी विवाद का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही होना चाहिए।

जयशंकर ने कहा कि दुनिया को आतंकवाद के साझा खतरे को लेकर और ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि विश्व समुदाय को मजबूत इरादे के साथ आगे आना होगा और हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करनी होगी।

2029 तक भारत में...

नियंत्रण प्रणाली, सुरक्षा प्रणालियों, आपात स्थिति में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित निकालने की व्यवस्था और अंतरिक्ष यान के भीतर की सुविधाओं की जांच की जाएगी।'' उन्होंने बताया कि इसरो गगनयान मिशन के लिए जमीन पर लगभग 8,000 प्रयोग सफलतापूर्वक कर चुका है और अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए चुने गए चार लोग फिलहाल विशेष प्रशिक्षण ले रहे हैं। भविष्य की योजनाओं के बारे में नारायणन ने बताया कि इसरो जापान की अंतरिक्ष एजेंसी के सहयोग से 'चंद्रयान-5' मिशन की योजना बना रहा है, जिसके तहत चंद्रमा की सतह पर 100 दिन तक प्रयोग करने के लिए 350 किलोग्राम वजन का एक रोवर भेजा जाएगा।

मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण...

खड़गे ने कहा कि 1916 में चंपारण आंदोलन के दौरान श्रीकृष्ण सिंह की पहली मुलाकात महात्मा गांधी से हुई थी। उन्होंने कहा कि गांधी जी के प्रभाव में श्रीकृष्ण सिंह ने अपनी अच्छी चल रही वकालत छोड़ दी और आजादी की लड़ाई में शामिल हो गए। आंदोलन के दौरान उन्होंने 8 साल से ज्यादा समय जेल में बिताया।

खड़गे ने आरोप लगाया कि जब देश के लोग आजादी की लड़ाई में जेल जा रहे थे, तब आरएसएस के लोग अंग्रेजी शासन के साथ काम कर रहे थे और उनके लिए जासूसी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को देशभक्त नहीं कहा जा सकता।

खड़गे ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने वाला कानून पारित करवाया था। खड़गे ने आरोप लगाया कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी का कहना है कि परिसीमन के बाद नया कानून लाया जाएगा।

दिल्ली वार्ता

हम हिंदू हैं, यहां तलाक नहीं होता: गोविंदा

• मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि अपने डांस के लिए जाने जाते हैं। अपने करियर में गोविंदा ने कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। गोविंदा ने एक्शन से लेकर कॉमेडी और विलेन तक के रोल को पर्दे पर जिया है। प्रोफेशनल लाइफ के साथ गोविंदा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। काफी वक्त गोविंदा और सुनीता आहूजा अपनी शादीशुदा जिंदगी में आई दरार को लेकर खबरों में हैं। सुनीता ने गोविंदा के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर होने का कई बार दावा किया। हालांकि, गोविंदा ने इसे गलत बताया। इसी बीच अब गोविंदा ने अपने लेटेस्टेंट इंटरव्यू में इन सभी बातों का खुलकर जवाब दिया।

गोविंदा ने सुनीता ने बताया अपना पहला प्यार

बॉलीवुड के हीरो नंबर 1 यानी कि गोविंदा ने हाल ही में एबीपी न्यूज को अपना इंटरव्यू दिया। इस दौरान गोविंदा ने अपनी पत्नी सुनीत संग अपने रिश्ते के साथ-साथ एक्ट्रेस कोमल रानी स्वर्णकार संग अफेयर के आरोपों पर खुलकर बात की। कोमल, गोविंदा की फिल्म 'रूपा' में भी नजर आने वाले हैं। इंटरव्यू में गोविंदा ने कोमल रानी संग अपने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के आरोपों के साथ ही सुनीता आहूजा के अलग रहने के फैसले और तलाक पर चुप्पी तोड़ी है। गोविंदा ने बताया कि उनकी पत्नी सुनीता जो भी कर रही हैं वो अपने बच्चों के लिए कर रही हैं। सुनीता को अपना पहला प्यार भी बताते हुए कहा कि प्यार कोई खेल नहीं होता है। उन्होंने उनका घर तोड़ने का आरोप किसी तीसरी पर्सन पर लगाया हालांकि, उन्होंने इस दौरान किसी का नाम नहीं लिया।

गोविंदा की परिवार से इतनी बदनामी क्यों?

एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के सवाल का जवाब देते हुए गोविंदा ने कहा, 'समय... वो समाज के सामने वो पर्दा कभी नहीं उठाता कि लोग सारी दुनिया के सामने लज्जित हो जाएं। सच ये है कि मैं 8-9 साल पहले किसी से कह दिया था कि ऐसा होगा और मैं ऐसे दौर से गुजर रहा होऊंगा और इसके प्रभाव के अंदर हम सब आ जाएंगे ऐसा किसी ने लिखा है तो ये होकर रहेगा, जिसने लिखा है वो साधारण नहीं है।' इस दौरान गोविंदा ने उनकी पुरानी भविष्यवाणी का जिक्र किया।

आंखों पर पर्दा पड़ा है सुनीता के

गोविंदा ने आगे कहा, 'बदनामी हमेशा से मेरे नाम का हिस्सा रहा है। मेरा नाम ही ऐसा है। किसी ने प्यार किया तो किसी ने मेरे नाम के साथ भविष्यवाणी की कि तू धोखा देगा।' इस दौरान एक्टर ने अपनी पत्नी को भाग्यवान और लक्ष्मी कहा और आभार जताया कि उनकी वजह से आज वो यहां तक पहुंच पाए हैं। साथ ही गोविंदा ने कहा कि सुनीता की आंखों पर पर्दा पड़ा हुआ है। हालांकि, गोविंदा ने उस शख्स के नाम का खुलासा नहीं किया कि वो किस इंसान के बहकावे में आई हैं।



तलाक पर बोले गोविंदा

इंटरव्यू के दौरान गोविंदा से सुनीता आहूजा संग तलाक को लेकर भी सवाल किया गया। इस पर एक्टर ने कहा, 'वो लिया... लेना पड़ेगा भी। कैसे नहीं लेंगी?' इस पर जब गोविंदा से पूछा गया, 'धमकी से लिया या प्यार से?' इस पर गोविंदा ने कहा, 'नहीं-नहीं, हम हिंदू आदमी हैं और हमारे यहां तलाक शब्द नहीं है। सभी व्यवस्थाएं हमारे अंदर हैं।' सुनीता को मनाने को लेकर गोविंदा ने कहा, 'मैं जैसा हूं वैसा हूं और मुझे ऐसा लगता है कि अगर आप अपनी जगह से हिलेंगे तो अपनी शक्ति पर स्वयं प्रश्न उठाएंगे। मैं नहीं चाहता कि मुझसे भविष्य में प्रश्न पूछे जाएं।'

मुंबई कॉन्सर्ट में बीच परफॉर्मेंस शिल्पा राव का माइक बंद, सोशल मीडिया पर सिंगर का छलका दर्द

• नई दिल्ली, एजेंसी



कुछ समय पहले उत्तराखंड में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान दिग्गज गायक दलेर मेंहदी के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया था, जो अभी तक ठंडा नहीं हुआ है। ऐसा ही मामला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता सिंगर शिल्पा राव के साथ हुआ है।

दरअसल, मुंबई में एक लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट की परफॉर्मेंस के बीच शिल्पा का माइक बंद कर दिया गया और वह स्टेज पर खड़ी रहीं। जिसके बाद सिंगर ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया अपने फैंस के साथ शेयर की है। जाने क्या है पूरा मामला? आइए आपको बताते हैं।

रिसेंटली शिल्पा राव मुंबई के जियो वर्ल्ड गार्डन में आयोजित बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट के 10वें एडिशन में परफॉर्मेंस करने पहुंची। उन्होंने अपनी सुरीली आवाजों में गाना गाया, उस दौरान मौजूद दर्शक एन्जॉय करते भी दिखें। हालांकि, यह मामला विवाद में तब पहुंच गया, जब परफॉर्मेंस के बीच में शिल्पा का माइक बंद कर दिया गया और उन्हें फैंस से बात करने या ठीक से अलविदा कहना का मौका भी नहीं दिया गया है।

फिर दूसरे सिंगर की परफॉर्मेंस को जारी कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, इस म्यूजिक इवेंट को दीपक चौधरी द्वारा प्रोड्यूस किया गया था और अब सोशल मीडिया पर ऑर्गेनाइजर के खिलाफ गुस्सा फूट पड़ा है। सिंगर को इस तरह से अपमानित किया जाना दर्शकों को पसंद नहीं आया है।

हाल ही में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में जीत हासिल करने वाली शिल्पा राव ने इस पूरे मामले को लेकर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पहली प्रतिक्रिया शेयर की है और पोस्ट को शेयर कर लिखा है-

मुंबई, आज रात मेरे दिल का एक छोटा सा टुकड़ा टूट गया। इतनी खूबसूरत चीज हमसे इस तरह छीन लेना बहुत दुख देता है। लेकिन जब म्यूजिक बंद हो गया, तब भी तुम नहीं रुके। जिस तरह तुम मेरा नाम पुकारते रहे, तुम्हारी आवाज में प्यार। मैं यह सब महसूस कर सकता था। आज रात की हमारी कहानी अधूरी रह गई। मैं आप सब से वादा करती, मैं जल्द ही वापस आऊंगी। मुंबई, मैं तुमसे हमेशा-हमेशा प्यार करती रहूंगी।

आलम ये है कि अब शिल्पा का ये भावुक संदेश सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है और तमाम फैंस उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं।

इसके बाद बीएमबी के आयोजकों ने सिंगर से माफी मांगी और अपनी गलती को स्वीकार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बयान जारी किया है।

इस पूरे मामले को लेकर हम दिल से मांफी मांगते हैं। बीएमपी (BMP) उद्देश्य हमेशा से यही रहा है कि वे अपने कलाकारों और उनके प्रशंसकों, दोनों को एक बेहतरीन लाइव म्यूजिक अनुभव दें। सबसे मुख्य बात यह है कि हम शिल्पा राव को बहुत सम्मान करते हैं। हम उनके शानदार करियर, उम्दा कलाकारी और म्यूजिक इंडस्ट्री पर उनके गहरे प्रभाव की दिल से कद्र करते हैं। उन्हें हमारे इस इवेंट में शामिल करना हमारे लिए गर्व की बात रही है।

'रामायण पार्ट 1' का बॉक्स ऑफिस पर धमाल: रिलीज से 12 दिन पहले ही एडवांस बुकिंग ने पार किया 10 करोड़ का आंकड़ा

• मुंबई, एजेंसी

निर्देशक नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित पौराणिक महाकाव्य फिल्म 'रामायण पार्ट 1' के सिनेमाघरों में दस्तक देने में अब महज 12 दिन का समय बाकी है। फिल्म की रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर जो रुझान सामने आ रहे हैं, वे बेहद शानदार और रिकॉर्ड तोड़ साबित हो रहे हैं। रणबीर कपूर, साई पल्लवी और सुपरस्टार यश जैसे दिग्गजों से सजी इस फिल्म को भारत में पहले दिन की एडवांस बुकिंग के लिए दर्शकों से अभूतपूर्व और जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। ट्रेड ट्रैकर 'सैकनिल्क' (Sacnilk) के अनुसार, 'रामायण पार्ट 1' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन की एडवांस बुकिंग में 10 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। नेशनल कैपिटल रीजन (NCR) सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र रहा है, जिसने फिल्म की कुल एडवांस बुकिंग में 2.13 करोड़ रुपये का योगदान दिया है।

बता दें कि फिल्म के मेकर्स ने दशहरा के मौके पर, 20 अक्टूबर को एडवांस बुकिंग विंडो खोल दी थी। फिल्म ने कुल 10.10 करोड़ रुपये की कमाई की है, जिसमें से 7.93 करोड़ रुपये की बुकिंग बिना 'ब्लॉक सीटों' (block seats) के हुई है।

गुरुवार, 5 नवंबर तक के आंकड़ों के अनुसार, 'रामायण' की राज्य-वार पहले दिन की एडवांस बुकिंग में महाराष्ट्र सबसे आगे है। यहाँ 2.31 करोड़ रुपये की कमाई हुई है, जो कुल एडवांस बुकिंग का 23% है। इसके बाद दिल्ली का नंबर आता है, जहाँ 2.13 करोड़ रुपये की बुकिंग हुई है, जबकि कर्नाटक 1.44 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर है। 'सैकनिल्क' के अनुसार, टॉप 10 राज्यों का फिल्म की कुल एडवांस बुकिंग में 87% योगदान है।

नितेश तिवारी की दो भागों वाली पौराणिक महाकाव्य फिल्म 'रामायण' का पहला हिस्सा, दिवाली से ठीक पहले 5 नवंबर को रिलीज होने जा रहा है। नमित मल्होत्रा के 'प्राइम फोकस स्टूडियोज' (Prime Focus Studios) द्वारा DNEG और यश के 'मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स' (Monster Mind Creations) के साथ मिलकर बनाई गई यह फिल्म, इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है।



फिल्म का संगीत ऑस्कर विजेता संगीतकार हंस ज़िमर (Hans Zimmer) और ए.आर. रहमान (AR Rahman) ने तैयार किया है।

रामायण में कलाकारों की टोली है, जिसमें रणबीर कपूर ने भगवान राम की भूमिका निभाई है, साईं पल्लवी ने सीता की भूमिका निभाई है, रवि दुबे ने लक्ष्मण की भूमिका निभाई है और यश ने रावण की भूमिका निभाई है। फिल्म में शूर्पणखा के रूप में रकुल प्रीत सिंह, विद्युतजिवा के रूप में विवेक ओबेरॉय, राजा दशरथ के रूप में अरुण गोविल, रानी कैकेयी के रूप में लारा दत्ता और कुंभकरण के रूप में फैसल मलिक भी शामिल हैं।

इस बीच 'Ramayana' से एक और गाना 'मंगल रंग' को मेकर्स ने रिलीज किया कर दिया है। इस शानदार गाने का पेशकश के साथ ही दर्शकों को न केवल फिल्म की दुनिया की झलक देखने को मिली बल्कि यह साथ में भगवान राम और मां सीता के खूबसूरत पलों को भी दिखाया गया है।

इस फिल्म के दूसरे गाने में शानदार नजारे, भव्य महल और खूबसूरत जोड़ी के शादी की झलक भी देखने मिलती है। इसमें उनके रिश्ते को लेकर बनी गहरी भावनात्मक को महसूस किया जा सकता है। गाने में रणबीर कपूर को भगवान राम और साईं पल्लवी को माता सीता के रुप में दिखाया जा रहा है।

आपको बताते चलें कि, 'मंगल रंग' गाने को मेकर्स ने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में एक साथ रिलीज किया गया है। ग्रैंड सेटिंग के अलावा 'मंगल रंग' गाने की खास बात यह भी है कि यह राम और सीता के बीच अनोखे बंधन की दिखाता है।

इस गाने में शादी के सीन में रिश्ते की पवित्रता और उसे लेकर होने वाली खुशी देखने मिलती है, जबकि वनवास के सफर वाले पल उनके रिश्ते के अलग रंग को खुद में लिए हुए हैं।

गाने में महल के सुख से दूर राम और सीता को बेहद करीब से दर्शकों के सामने पेश किया गया है। वैसे यह कहना होगा कि यह पल है जब दोनों ने अपने कर्तव्य को निभाते हुए, सिर्फ एक दूसरा का साथ ही नहीं दिया बल्कि एक नए जीवन का आगाज भी किया है।

रामायण के इस सुंदर गाने को कई सिंगरों ने मिलकर गाया है। इस गाने को ए. आर. रहमान द्वारा कंपोज किया गया है। इसके हिंदी में बोल डॉ. कुमार विश्वास ने लिखे हैं। सॉग का हिंदी वर्जन को अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल ने अपनी सुरीली आवाज से सजाया है।

दूसरी भाषाओं में भी इस गाने को अलग-अलग सिंगर्स और लिरिसिस्ट ने आकार दिया है, और इस तरह से यह सभी मिलकर गाने में इमोशनल कोर को दर्शकों तक दुनिया भर में पहुंचा रहे हैं।

फिनलैंड में खुलेगा दुनिया का पहला परमाणु कचरा भंडार

हेलसिंकी। फिनलैंड दुनिया का ऐसा पहला देश देश बनने जा रहा है जहां से इस्तेमाल हो चुके परमाणु ईंधन को सुरक्षित रखने के उपाय किए जा रहे हैं। परमाणु के कचरे को जमीन के नीचे सुरक्षित रखा जाएगा। दुनिया का पहला देश बनने की उपलब्धि के बीच उसे कई चुनौतियों से भी जूझना पड़ा। कई अहम परीक्षणों से गुजरना पड़ा। सभी रिपोर्टों के सही और सुरक्षित पाए जाने के बाद सरकार ने हाल ही में ओनकालो केंद्र को संचालित करने का लाइसेंस दिया है।

अभी फिलहाल किसी भी देश में परमाणु कचरे को रखने की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। सभी देश इसे अस्थायी भंडारण केंद्रों में रखा जाता है।

जमीन के नीचे बने इस संरचना की शुरुआत 22 साल पहले शुरू हुई थी। ओनकालो में बने केंद्र में फिनलैंड के पांच परमाणु रिएक्टरों से निकलने वाले कचरा रखा जा सकता है।

ओबामा ने ट्रंप पर साधा निशाना, ओहायो और मिशिगन में डेमोक्रेट्स के लिए मांगा समर्थन

• वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने शनिवार को ओहायो और मिशिगन में चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रिपब्लिकन सहयोगियों पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर क्रूरता व अभद्रता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया तथा डेमोक्रेटिक मतदाताओं से अपने उम्मीदवारों के समर्थन में एकजुट होने की अपील की। यह प्रचार ऐसे समय में हुआ है, जब तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले दोनों राज्यों में चुनावी मुकाबला तेज हो गया है। सबसे पहले ओहायो में ओबामा ने गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी पर निशाना साधा।

रामास्वामी ने अपने चुनावी विज्ञापन अभियान को और तेज कर दिया है। इस अभियान के एक विज्ञापन में उनकी



डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी डॉ. एमी एक्टन की अलग रह रही मां को दिखाया गया है। ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी इस विज्ञापन का बचाव किया है, जबकि ओहायो के गवर्नर माइक डिवाइन समेत राज्य के कई रिपब्लिकन नेताओं ने इसे हटाने की मांग की है। ओबामा ने रामास्वामी पर निशाना साधते हुए कहा, ''पिछले कुछ दिनों में हमने देखा है कि वह अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं और किसी भी स्तर तक गिर सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि एक्टन ने अपने बचपन के दर्दनाक अनुभवों और उस दौरान झेली गई परेशानियों - उत्पीड़न, उपेक्षा और बेघर होने के बारे में बेहद भावुक होकर बताया है। बाद में मिशिगन में ओबामा ने सीनेट के उम्मीदवार अब्दुल अल-सैयद के आलोचकों की निंदा की। उन्होंने संकेत दिया कि ये आलोचक अल-सैयद को बदनाम करने के लिए उनके नाम या उनके धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं।

ओबामा (65) अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' छोड़ने के करीब एक दशक बाद भी डेमोक्रेटिक पार्टी के सबसे प्रभावशाली प्रचारकों में से एक बने हुए हैं। मध्यावधि चुनाव के अंतिम दिनों में वह अपनी लोकप्रियता और प्रभाव का इस्तेमाल कर पार्टी के उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं। तीन नवंबर को होने वाले ये चुनाव अमेरिकी राजनीति में सत्ता के संतुलन को तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

इस बीच, ट्रंप ने शनिवार को फ्लोरिडा में अपना वोट डाला, जहां उन्होंने रामास्वामी के विवादित विज्ञापन का बचाव किया। यह विज्ञापन देशभर में राजनीतिक विवाद का केंद्र बन गया है।

संक्षिप्त खबरें

फ्रांस-इटली और स्पेन समेत यूरोप के कई देशों में हिंसक प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे लाखों लोग

नई दिल्ली। यूरोप के कई देशों में वीकेंड पर महंगाई, आवास संकट, पेंशन कटौती, शिक्षा व्यवस्था में गिरावट, भ्रष्टाचार और युद्ध के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन देखने को मिले। शनिवार को फ्रांस, अल्बानिया, इटली, स्पेन और पुर्तगाल में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए।

कई शहरों में प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ हिंसक झड़पें हुईं, जिसके बाद सरकारों को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करनी पड़ी और कुछ स्थानों पर सेना तक को तैनात करना पड़ा।

फ्रांस में शनिवार को हुए प्रदर्शनों के दौरान भारी तनाव देखा गया। गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज के अनुसार, देशभर में लगभग 1000 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सरकार के अनुमान के मुताबिक करीब 4.10 लाख लोगों ने इन रैलियों में हिस्सा लिया, जबकि आयोजकों ने यह संख्या लगभग 8 लाख बताई।

पेरिस में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प के बाद पुलिस ने वाटर कैनन और आंसू गैस के गोले दागे। उपद्रवियों पर नजर रखने के लिए पुलिस हेलीकॉप्टर भी तैनात किए गए। वामपंथी नेता ज्यां-लुक मेलेंशों ने पुलिस की सख्त कार्रवाई की आलोचना की, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एक चुनावी रैली में फ्रांस के हालात के लिए वहां की इमिग्रेशन नीतियों को जिम्मेदार ठहराया।

अल्बानिया की राजधानी तिराना समेत कई शहरों में छात्रों के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारी भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और खराब शिक्षा व्यवस्था को लेकर आक्रोशित थे। उन्होंने ट्यूशन फीस कम करने और शिक्षा बजट बढ़ाने की मांग के साथ-साथ प्रधानमंत्री एडी रामा के इस्तीफे की भी मांग की।

फ्लोरिडा में होमकमिंग जश्न के दौरान गोलीबारी, कई लोग घायल

फ्लोरिडा। अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित फ्लोरिडा ए एंड एम यूनिवर्सिटी (एफए-एमयू) में होमकमिंग वीकेंड के जश्न के दौरान शनिवार रात गोलीबारी की बड़ी घटना सामने आई है। यूनिवर्सिटी के ब्रैग मेमोरियल स्टेडियम और पेरी स्ट्रीट के पास हुई इस फायरिंग में कई लोगों के घायल होने की खबर है। घटना के बाद इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने आपातकालीन सुरक्षा चेतावनी जारी करते हुए लोगों को सुरक्षित रहने के निर्देश दिए हैं।

शनिवार को एफएएमयू का सालाना होमकमिंग उत्सव और परेड आयोजित की गई थी। फुटबॉल मैच के बाद पूर्व छात्रों और प्रशंसकों के जुटने के लिए यूनिवर्सिटी ने टेलगेटिंग का समय रात 10 बजे तक बढ़ाया था। इसी दौरान इलाके में हिंसक झड़प और गोलीबारी की घटना हुई। गोलीबारी की जानकारी मिलते ही यूनिवर्सिटी प्रशासन ने तुरंत चेतावनी जारी की। छात्रों, स्थानीय लोगों और कैंपस के आसपास मौजूद लोगों को घरों के अंदर रहने और सुरक्षित जगह पर रहने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने लोगों से कहा कि वे शेल्टर-इन-प्लेस आदेश का पालन करें और जब तक अगला निर्देश न मिले, सुरक्षित जगह से बाहर न निकलें।

टैलाहासी पुलिस विभाग और स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी में कई लोग घायल हुए हैं। शुरुआती रिपोर्ट में कई लोगों के हताहत होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, घायलों की सही संख्या और उनकी हालत को लेकर अभी आधिकारिक तौर पर पूरी जानकारी सामने नहीं आई है।

सीधी बात

UN में भारत का पाकिस्तान पर कड़ा वार, सेना को बताया पड़ोसी देश का 'वास्तविक शासक'

• संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में नयी दिल्ली की छवि को तोड़-मरोड़कर पेश करने की पाकिस्तान की कोशिशों पर कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि इस्लामाबाद की 'फॉर्म 47 सरकार' देश के वास्तविक शासकों यानी पाकिस्तानी सेना के निर्देशों को दरकिनार करने की ''हिम्मत नहीं कर सकती।'' 'फॉर्म 47' पाकिस्तान का एक आधिकारिक चुनावी दस्तावेज है, जिसमें किसी निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के अनंतिम, समेकित नतीजे दर्ज होते हैं। फरवरी 2024 में हुए आम चुनावों में धांधली और अनियमितताओं के आरोप लगे थे। आलोचक आधिकारिक नतीजों पर सवाल उठाने के लिए 'फॉर्म 47' शब्द का इस्तेमाल करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में शनिवार को अल्पसंख्यक मुद्दों पर विशेष प्रतिवेदक के साथ संवाद सत्र के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव रघु पुरी ने पाकिस्तान पर भारत की 'छवि तोड़-मरोड़कर पेश करने' की कोशिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद के इन कृत्यों का मकसद आर्थिक संकट, कानून-व्यवस्था की बदहाली और मानवाधिकारों के उल्लंघन सहित अपनी घरेलू चुनौतियों से ध्यान भटकाना है। पुरी ने कहा, ''लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था, व्यापक अराजकता और खैबर पख्तूनख्वा से लेकर बलूचिस्तान तक मानवाधिकारों के बड़े पैमाने पर हो रहे उल्लंघनों से ध्यान भटकाने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन, जाहिर है कि देश के वास्तविक शासक पाकिस्तानी सेना यानी 'फौज' का हित सर्वोपरि है और हम पाकिस्तानी प्रतिनिधि की मुश्किल को पूरी तरह समझते हैं।'' संयुक्त



राष्ट्र में भारत की आलोचना करने की पाकिस्तान की कोशिश के बीच अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के उसके रिकॉर्ड पर सवाल उठाते हुए पुरी ने कहा कि यह अच्छी तरह दर्ज है कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की आबादी देश की आजादी के बाद से उल्लेखनीय रूप से घटी है।

पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अक्सर जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाता है और इस क्षेत्र को लेकर भारत के रुख को चुनौती देता है। इस्लामाबाद के दावों को खारिज करते हुए पुरी ने दोहराया कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। उन्होंने कहा कि अब केवल पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों को खाली कराया जाना बाकी है।

उन्होंने कहा, ''हम पाकिस्तानी प्रतिनिधि से आग्रह करेंगे कि वह अपने ही देशवासियों की सलाह पर ध्यान दें, अपने देश की स्थिति पर नजर डालें और सबसे पहले अपने नागरिकों की भलाई पर ध्यान केंद्रित करें।''

इसके बाद पुरी ने 'फॉर्म 47 सरकार' शब्द का इस्तेमाल किया। पाकिस्तान के 2024 के आम चुनावों में नतीजों में हेरफेर के आरोपों के संदर्भ में वहां की सत्तारूढ़ व्यवस्था के आलोचक इस शब्द का प्रयोग करते हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन हम यह भी समझते हैं कि दुर्भाग्य से 'फॉर्म 47' सरकार पाकिस्तानी सेना के निर्देशों को दरकिनार करने की हिम्मत नहीं कर सकती।'' उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों के हित सर्वोपरि हैं और सेना ही देश की ''वास्तविक शासक'' है।

स्वामी शारिंगन एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, **संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक** शौर्य त्रिपाठी द्वारा बी-1268, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से प्रकाशित व आर.डी. प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा. लि., सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पूर्वी दिल्ली जिला क्षेत्र होगा। इस पत्र में छपे लेख, लेखकों के निजी विचार है, सम्पादक का लेखकों के विचारो से सहमत होना अनिवार्य नहीं है। (RNI No - DELHIN/2008/23199) संपर्क सूत्र - delhivartanews26@gmail.com